महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

16 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

मालवा हेराल्ड

सुविचार

जब शौक के लिए समय ना मिले.. तो मान लीजिए, अब जिंदगी का सबसे 'अच्छा' अध्याय शुरू हो गया...

वर्ष : 16 अंक : 341 | उज्जैन, शनिवार 23 मई 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-1 रुपए

न्यूज ब्रीफ

खराब थी दाईं किडनी, निकाल दी बाईं; डॉक्टर पर 2 करोड़ का जुर्माना

नई दिल्ली/ जीएनएस। उत्तर प्रदेश के एक डाक्टर के हाथों सर्जरी के दौरान घोर लापरवाही का मामला सामने आया है। खराब किडनी की जगह स्वस्थ किडनी निकालने के मामले में राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग (एनसीडीआरसी) ने डाक्टर को लापरवाही के लिए जिम्मेदार ठहराया और दो करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया। आयोग ने इस मामले को चिकित्सा जगत की सबसे घोर लापरवाहियों में से एक बताया है। यह मामला 2012 का है, जब एक महिला की खराब दाईं किडनी की जगह बाईं किडनी निकाल दी गई थी। बाद में महिला की मौत हो गई थी। एनसीडीआरसी के अध्यक्ष एपी साही और सदस्य भारतकुमार पंड्या की पीठ ने मामले की सुनवाई की और पीड़ित परिवार को दो करोड़ रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया। आयोग ने उत्तर प्रदेश के सर्जन डा. राजीव लोचन को गंभीर चिकित्सा लापरवाही के लिए जिम्मेदार ठहराया। 18 मई के आदेश में एनसीडीआरसी ने कहा, हमें इस बात में कोई संदेह नहीं है कि यह लापरवाही के सबसे गंभीर रूपों में से एक है। ऐसे बहुत ही कम मामले अदालतों और न्यायाधिकरणों के सामने आते हैं। अभियोजन पक्ष के अनुसार, 56 वर्षीय शांति देवी ने अप्रैल, 2012 में पेट में दर्द होने पर डाक्टर से संपर्क किया था और दाईं किडनी में गंभीर हाइड्रोनेफ्रोसिस का पता चला था। सर्जरी से पहले की मेडिकल रिपोर्ट में पता चला कि दाईं किडनी खराब है। इसके बाद छह मई, 2012 को दाईं किडनी निकालने के लिए सर्जरी की गई। इसके बाद जून, 2012 में रेडियोलाजिकल जांच और सीटी स्कैन से पता चला कि दाईं किडनी शरीरी में मौजूद है, जबकि स्वस्थ बाईं किडनी गायब। यह उजागर होने के बाद परिवार ने डाक्टर के खिलाफ कानूनी लड़ाई शुरू की थी।

राष्ट्रीय डोपिंग रोधी कानून में बड़े बदलाव की तैयारी, सप्लायरों को होगी 5 साल की जेल

नई दिल्ली/ जीएनएस। खेलमंत्री मनसुख मांडविया ने गुरुवार को कहा कि प्रतिबंधित पदार्थों की आपूर्ति और वितरण को अपराध की श्रेणी में लाने के लिए राष्ट्रीय डोपिंग रोधी कानून में बदलाव किया जाएगा और ऐसे पदार्थों की खिलाड़ियों को आपूर्ति करने वालों को पांच साल तक जेल का सुझाव रखा गया है। जनता से सुझावों के लिए ये संशोधन खेल मंत्रालय की वेबसाइट पर डाले गए हैं। इनके अनुसार, खिलाड़ी को डोपिंग के उद्देश्य से या उसके संबंध में कोई प्रतिबंधित पदार्थ देता है तो उसे पांच साल तक कारावास या दो लाख रुपये तक जुर्माना या दोनों की सजा हो सकती है। मांडविया ने कहा कि यह संशोधित विधेयक संसद के अगले सत्र में लाया जाएगा। खेल मंत्री ने कहा, डोपिंग अब सिर्फ खेलों से जुड़ा एक उल्लंघन नहीं है बल्कि यह खिलाड़ियों का शोषण करने वाला एक संगठित इकोसिस्टम बन चुका है। सरकार का उद्देश्य खिलाड़ियों की सुरक्षा करना और डोपिंग से लाभ कमाने वाले आपराधिक नेटवर्क को समाप्त करना है। उन्होंने प्रस्तावित ढांचे के बारे में बताया कि सिर्फ डोपिंग रोधी नियम के उल्लंघन या पाजीटिव टेस्ट के आधार पर खिलाड़ी को अपराधी नहीं ठहराया जाएगा। मांडविया ने कहा कि खिलाड़ियों से जुड़े खेलों में उल्लंघन के मामले वर्तमान डोपिंग रोधी ढांचे के तहत ही रहेंगे। प्रस्तावित संशोधन का उद्देश्य अवैध आपूर्ति करने वालों, संगठित गिरोहों, दोषी सहयोगी स्टाफ, तस्करों और खिलाड़ियों को प्रतिबंधित पदार्थ देने वालों के खिलाफ कार्रवाई करना है।

आयुर्वेद चिकित्सा के सफल प्रयोग की जानकारी और लाभ जन-जन तक पहुंचायें: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

बुजुर्ग रोगियों के लिए वयोमित्र कार्यक्रम एक आदर्श मॉडल

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में धार्मिक पर्यटन से जुड़े स्थानों पर आयुर्वेद पद्धति से चिकित्सा व्यवस्था और वेलनेस केन्द्र स्थापित करने की पहल सराहनीय है। अन्य प्रदेशों में हुए ऐसे सफल प्रयोगों और नवाचारों का अध्ययन कर बेहतर कार्य करते हुए उन्होंने जन-जन तक इनकी जानकारी और इनका लाभ पहुंचाने के आवश्यक प्रबंध करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वृद्ध नागरिकों की डोर टू डोर आयुष देखभाल के लिए वयोमित्र कार्यक्रम उपयोगी है। इसी तरह कारूण्य के अंतर्गत असाध्य रोगों का कष्ट झेल रहे रोगियों के जीवन को गुणवत्तापूर्ण बनाने का कार्य भी प्रशंसनीय है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंत्रालय में आयोजित समीक्षा बैठक में आयुष विभाग के कार्यों की जानकारी प्राप्त की। बैठक में बताया गया कि मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग के साथ किए गए एमओयू के अंतर्गत प्रदेश में 12 आयुष हेल्थ एंड वेलनेस केन्द्र स्थापित किए जा रहे हैं। इनमें विश्व धरोहर स्थल खजुराहो जिला छतरपुर के साथ ही ओंकारेश्वर जिला खण्डवा, चंदेरी जिला अशोकनगर, चित्रकूट जिला सतना, पचमढ़ी जिला नर्मदापुरम, ओरछा जिला निवाड़ी के अलावा उज्जैन, दतिया, मंदसौर, आलीराजपुर, सिंगरौली और आगर-मालवा शामिल हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि एलोपैथी के साथ ही ऐसी चिकित्सा पद्धतियों का प्रोत्साहन आवश्यक है जो भारतीय परम्परा से जुड़ी हैं। प्रदेश के अनेक स्थानों पर प्रख्यात आयुर्वेदाचार्य कार्यरत हैं। इनकी सेवाओं से बड़ी संख्या में नागरिक लाभान्वित होते हैं। उज्जैन सहित प्रदेश के अनेक स्थानों पर आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति का लाभ लेकर शल्य चिकित्सा के बिना रोगियों को लाभान्वित करने के उदाहरण मिलते हैं। सामान्य प्रसव करवाने वाले अस्पताल भी प्रदेश में संचालित हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आजीवन आयुर्वेद चिकित्सा का लाभ लेने वाले नागरिकों को भी प्रोत्साहन कार्यक्रमों से जोड़ा जाए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्वास्थ्य नीति-2017 और विजन-2047 के अनुक्रम में प्रदेश के जिला स्तरीय चिकित्सालयों में विकल्प के रूप में आयुष चिकित्सा के लिए पृथक विंग स्थापित करने का कार्य चल रहा है। प्रत्येक आयुष विंग में पंचकर्म यूनिट की स्थापना भी की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इन कार्यों की गति बढ़ाई जाए। बैठक में बताया गया कि जिलों में आयुष जन स्वास्थ्य कार्यक्रमों के व्यापक संचालन के अंतर्गत सुप्रजा, आयुर्विद्या, वयोमित्र, मस्कुलर-स्केलेटल प्रिवेंटिव कार्यक्रम और कारूण्य का लाभ नागरिकों को दिलवाया जा रहा है। जनजातीय बहुल और सिकल सेल एनीमिया से प्रभावित जिलों में आयुर्वेद औषधियों का वितरण भी सुनिश्चित किया जाए।

बैठक में जानकारी दी गई कि प्रदेश के 22 जिलों के एलोपैथी चिकित्सालयों में आयुष विंग की स्थापना की कार्यवाही चल रही है। पांच नए आयुर्वेदिक कॉलेज स्थापित करने और 12 जिलों में 50 बिस्तर क्षमता के आयुष अस्पताल प्रारंभ करने का कार्य चल रहा है। भारत सरकार से राष्ट्रीय आयुष मिशन के अंतर्गत गत दो वर्ष में नर्मदापुरम, मुरैना, शहडोल, बालाघाट, सागर, झाबुआ और शुजालपुर जिला शाजापुर में नए आयुर्वेदिक महाविद्यालय के निर्माण की मंजूरी मिली है। भोपाल के पं. खुशीलाल शर्मा शासकीय स्वशासी आयुर्वेद महाविद्यालय के परिसर में 29 करोड़ की लागत से प्रशासनिक और अकादमिक भवन का कार्य किया जा रहा है। प्रदेश में 6 जिला आयुष कार्यालय बन कर तैयार हो गए हैं। इसी तरह 80 आयुष औषधालयों के भवन बनाए जाने थे, जिनमें से 53 का निर्माण कार्य पूरा हो गया है।

आयुष विभाग ने वित्त वर्ष 2026-27 में प्रदेश के सभी 9 आयुष महाविद्यालयों को फर्स्ट रेफेरल यूनिट के रूप में विकसित करने का लक्ष्य रखा है। सभी 9 आयुष महाविद्यालयों में हॉस्टल बनाने, सीट क्षमता का 100 तक उन्नयन करने, यूनानी पाठ्यक्रम हिंदी में उपलब्ध करवाने, आयुष महाविद्यालयों में शोध कार्य बढ़ाने और बालाघाट में आयुष शोध केन्द्र का संचालन प्रारंभ करने का भी लक्ष्य है। श्रम विभाग से समन्वय कर प्रदेश के लगभग 13 लाख कर्मचारी राज्य बीमा में पंजीकृत श्रमिक परिवारों को आयुष चिकित्सा पद्धति की कैशलेस सुविधा दिलवाने का लक्ष्य है। स्वास्थ्य बीमा में आयुष को शामिल करने की प्रक्रिया प्रारंभ की गई है। प्रदेश में 7 आयुष महाविद्यालयों में फार्मेसी विभाग स्थापित करने, आयुष विश्वविद्यालय की पहल और एक प्राकृतिक एवं योग महाविद्यालय स्थापित करने तथा ऐसे जिलों जहां आयुष चिकित्सा सुविधा नहीं है, वहां 20 आयुष मोबाइल मेडिकल यूनिट प्रारंभ करने के कार्यों के लिए लगभग 75 करोड़ रूपए का प्रावधान रखा गया है।

बैठक में आयुष मंत्री श्री इंदर सिंह परमार, मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, मुख्यमंत्री कार्यालय में अपर मुख्य सचिव श्री नीरज मंडलोई, प्रमुख सचिव आयुष श्री शोभित जैन और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

नीट पेपर नहीं हुआ था लीक... संसदीय समिति के सामने NTA ने बताया- सिस्टम हुआ था कॉम्प्रोमाइज

नई दिल्ली/ जीएनएस। मेडिकल के स्नातक कोर्सों में दाखिले से जुड़ी परीक्षा नीट-यूजी के पेपर लीक मामले में गुरुवार को संसदीय समिति के सामने पेश हुए एनटीए के शीर्ष अधिकारियों ने दावा यह किया है कि नीट-यूजी का पेपर लीक नहीं हुआ था बल्कि सिस्टम कम्प्रोमाइज हुआ था।

वहीं पेपर लीक के मुद्दे पर बैठक में हंगामा भी हुआ, क्योंकि समिति के अध्यक्ष व कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह जहां इसे पेपर लीक बता रहे थे, वहीं समिति की बैठक में मौजूद भाजपा सांसदों उन्हें इस मुद्दे पर उन्हें घेरा और कहा कि सीबीआइ जांच पूरी हुए बगैर कैसे कह सकते है कि पेपर लीक हुआ था।

शिक्षा मंत्रालय से जुड़ी संसदीय समिति के सामने पेश हुए नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) के शीर्ष अधिकारियों ने पेपर लीक से जुड़े सवालों पर कहा कि नीट-यूजी का पेपर लीक नहीं हुआ था बल्कि कम्प्रोमाइज हुआ था।

एनटीए अधिकारियों ने दावा किया कि नीट-यूजी के अंतिम प्रश्न पत्र को मराठी भाषा में अनुवाद करने के लिए जिन शिक्षकों को दिया गया था, उन्होंने ही प्रश्नों को रट लिया था और बाद में उन सवालों को कागज में उतार कर गेस पेपर के रूप में छात्रों को मुहैया करा दिया था।

इस दौरान समिति में शामिल सदस्यों ने इस पर सवाल भी खड़े गए। साथ ही कहा कि जब हूबहू प्रश्नपत्र गेस पेपर के जरिए बाहर आए तो इसे लीक ही माना जाएगा। इस दौरान समिति के सदस्यों ने एनटीए के महानिदेशक से प्रश्न पत्र को तैयार करने से जुड़े कई सवाल भी किए, जिसका उन्होने कोई जवाब नहीं दिया और केवल यह कहा कि इसकी सीबीआई जांच चल रही है।

सूत्रों की मानें तो बैठक शुरू होने से पहले ही भाजपा सांसद संबित पात्रा ने दिग्विजय सिंह पर एजेंडा लीक करने का आरोप लगाया। बैठक में हंगामे के बीच दिग्विजय सिंह ने कहा कि पेपर लीक को लीक न बोला जाए, तो क्या कहा जाए। इस पर पटलवार करते हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री व भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद कहा कि जब तक सीबीआई की रिपोर्ट पेश नहीं हो जाती , तब तक किसी भी निष्कर्ष पर नहीं जाना चाहिए।

बैठक में हंगामे के बीच एनटीए के महानिदेशक अभिषेक सिंह ने नीट पेपर लीक नहीं हुए थे बल्कि कुछ लोगों ने प्रश्न ही याद कर लिये थे। उन्होंने कहा कि नीट पेपर लीक नहीं हो सकते है। इस दौरान उन्होंने परीक्षाओं से जुड़े प्रोटोकाल की जानकारी भी दी। साथ ही बताया कि राधाकृष्णन समिति की करीब 70 प्रतिशत सिफारिशों को वह अमल में ला चुके है।

बैठक में इस दौरान एनटीए को सुझाव भी दिया गया कि प्रश्न पत्र के दस सेट बनवाए जाएं। और उन्हें मिक्स करके अलग-अलग राज्यों में भेजा जाए। इससे यदि पेपर लीक भी होगा तो वह सिर्फ एक राज्य तक ही सीमित होगा।

राज्य सरकार ने तय की समयसीमा, 30 जून से पहले पात्र किसानों को मिलेगी राहत

मुंबई/ जीएनएस। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा है कि सभी पात्र किसानों को 30 जून से पहले उनके ऋण की माफी प्राप्त हो जाएगी। खरीफ सीजन की तैयारियों की समीक्षा और राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति की बैठकों के बाद एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इस समयबद्ध कार्यान्वयन से किसानों के लिए आगामी कृषि सीजन के लिए नया ऋण प्राप्त करने का मार्ग प्रशस्त हो जाएगा। उन्होंने राष्ट्रीयकृत बैंकों को निर्देश दिया कि वे अपने निर्धारित कृषि ऋण वितरण लक्ष्यों का कम से कम 80 प्रतिशत हासिल करें।

राज्य सरकार ने पिछले विधानसभा चुनाव से पहले ही ऋण माफी योजना की घोषणा की थी, लेकिन कार्यान्वयन की कोई विशिष्ट तिथि न होने के कारण किसानों और बैंकिंग संस्थानों दोनों के बीच भ्रम की स्थिति पैदा हो गई थी। महाराष्ट्र सरकार ने किसानों को बड़ी राहत देते हुए पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होल्कर शेतकरी कर्जमाफी योजना की शुरुआत की है।

आध्यात्मिक नेताओं के खिलाफ टिप्पणी के आरोप में राकांपा प्रवक्ता गिरफ्तार, कई थानों में दर्ज हुई थी शिकायत

नई दिल्ली/ जीएनएस। महाराष्ट्र में वारकरी संप्रदाय के कुछ आध्यात्मिक नेताओं के खिलाफ विवादास्पद टिप्पणी करने के आरोप में राकांपा (शरदचंद्र पवार) के प्रवक्ता विकास लवांडे को गुरुवार को पुणे में गिरफ्तार कर लिया गया।

लवांडे ने अदालत से 20 मई तक अंतरिम सुरक्षा प्राप्त की थी। उन्होंने दावा किया कि उनके खिलाफ कोई सुबूत न होने के बावजूद उन्हें गिरफ्तार किया गया।

लवांडे के खिलाफ वारकरी संप्रदाय के कुछ आध्यात्मिक नेताओं को निशाना बनाने को लेकर पुणे के वाघोली थाने में शिकायत दर्ज कराई गई थी।

लवांडे ने संप्रदाय के कुछ आध्यात्मिक नेताओं और सदस्यों को घुसपैठिया बताया था। इसके बाद समुदाय के एक वर्ग में तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिली।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि अदालत द्वारा दी गई अंतरिम सुरक्षा बुधवार को समाप्त होने के बाद लवांडे को गिरफ्तार कर लिया गया है।

नौ मई को पुणे जिले के म्हाटोबाची आलंदी में कीर्तनकार संग्राम भंडारे और उनके अनुयायियों ने लावंडे की टिप्पणियों को लेकर उन पर काली स्याही फेंकी थी।

सिर्फ आभूषण नहीं, सुरक्षित निवेश: भारतीयों के लिए सोना है सबसे भरोसेमंद फाइनेंशियल बैकअप

नई दिल्ली/ जीएनएस। भारत को 'सोने की चिड़िया' कहा जाता था और लगता है कि यह प्यार आज भी कम नहीं हुआ है। महिलाओं के पास अकेले 24,000-25,000 टन सोना है, जो अमेरिका, जर्मनी, स्विट्जरलैंड और आईएमएफ के कुल आधिकारिक सोने के भंडार से भी ज्यादा है। भारतीय घरों में कुल मिलाकर करीब 5 ट्रिलियन डॉलर का सोना है। यह आंकड़ा कई बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के कुल जीडीपी से भी बड़ा है।

सांस्कृतिक और भावनात्मक जुड़ाव- भारत का सोने से रिश्ता सदियों पुराना है। प्राचीन काल से सोना सिर्फ धन नहीं, बल्कि देवी लक्ष्मी का प्रतीक, शुभता, सुरक्षा और परिवार की विरासत रहा है। मंदिरों में सोना चढ़ाया जाता है, शादियों में स्त्री-धन के रूप में दिया जाता है और संकट के समय इसे बेचकर या गिरवी रखकर पैसे जुटाए जाते हैं। धनतेरस और अक्षय तृतीया जैसे त्योहारों पर सोना खरीदना शुभ माना जाता है। भारत में सोने की सबसे बड़ी मांग शादियों से आती है। खासकर दक्षिण भारत (तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश) में लगभग 40% सोने की खपत शादी के गहनों के कारण होती है।

पीएम मोदी को झालमुड़ी खिलाने वाले बिक्रम साऊ की नींद हराम, पाकिस्तान से मिल रहीं धमकियां

नई दिल्ली/ जीएनएस। पश्चिम बंगाल के झाड़ग्राम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चुनाव प्रचार के दौरान झालमुड़ी खाकर एक दुकानदार को भी एक ही दिन में फेमस कर दिया। पीएम मोदी तो झालमुड़ी खाकर चले गए लेकिन उनका वीडियो इस कदर वायरल हो गया कि बंगाल चुनाव के दूसरे चरण में झालमुड़ी एक चुनावी नारे की तरह इस्तेमाल होने लगा।

वहीं पीएम मोदी को झालमुड़ी खिलाने वाले दुकानदार के पास भी लोगों का तांता लगने लगा। अब एक हैरान करने वाली खबर सामने आई है। रिपोर्ट के मुताबिक पीएम मोदी को झालमुड़ी खिलाने वाले दुकानदार को अंतरराष्ट्रीय नंबरों से धमकियां दी जा रही हैं। इनमें से कुछ नंबर पाकिस्तान के भी बताए गए हैं।

दुकानदार का कहना है कि धमकियों की वजह से उनका परिवार डर के साये के बीच रह रहा है। दुकानदार का नाम विक्रम साऊ है। प्रधानमंत्री मोदी ने विक्रम साऊ की दुकान से झालमुड़ी खरीदकर खाई थी और उनसे कुछ चर्चा भी की थी। विक्रम का कहना है कि उन्हें अचानक लोकप्रियता तो मिल गई लेकिन अब उन्हें डरकर रहना पड़ रहा है। विक्रम का कहना है कि उनके मोबाइल फोन पर पाकिस्तान और बांग्लादेश के नंबरों से फोन आते हैं। इसके अलावा वॉट्सऐप कॉल करके उन्हें और परिवार को जान से मारने की धमकी दी जाती है। इन धमकियों के बाद विक्रम साऊ काफी परेशानी में हैं। उन्होंने स्थानीय पुलिस को इसकी जानकारी दी है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच शुरू की गई है। अंतरराष्ट्रीय नंबरों से इस तरह की धमकी मिलना गंभीर विषय है। बंगाल में 2021 के चुनाव के बाद हुई हिंसा के दौरान सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट करने के आरोप में अभिनेता परमब्रत चट्टोपाध्याय और अभिनेत्री स्वास्तिका मुखर्जी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है।

थोक खरीदारों के खुदरा पंपों पर जाने से बढ़ी डीजल की मांग, सरकार ने कहा- ईंधन की कोई कमी नहीं

नई दिल्ली/ जीएनएस। केंद्र सरकार ने गुरुवार को कहा कि देश में पेट्रोल-डीजल की कोई कमी नहीं है और एलपीजी की आपूर्ति भी सामान्य बनी हुई है। साथ ही कहा कि थोक डीजल उपभोक्ताओं के खुदरा पेट्रोल पंपों की ओर बढ़ते रुख के कारण देश में कुछ स्थानों पर ईंधन की मांग में बढ़ोतरी जरूर हुई है।

थोक व खुदरा कीमतों में 40-42 रुपये प्रति लीटर का अंतर होने के कारण यह हालात पैदा हुए हैं। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने बताया कि कुछ पेट्रोल पंपों पर मांग में 20-30 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

इसके पीछे पहली वजह है कि फसल कटाई का मौसम होने से डीजल की मांग बढ़ना और दूसरे, थोक उपभोक्ता के खुदरा पंपों से डीजल लेना। इस कारण कुछ क्षेत्रों में पेट्रोल पंपों में ईंधन की कमी जैसी स्थिति उत्पन्न हो रही है। उन्होंने कहा कि पेट्रोल पंप कारों और दोपहिया वाहनों को ईंधन प्रदान करते हैं।

पेट्रोल पंपों पर ईंधन लागत से नीचे बेचा जा रहा है जबकि थोक आपूर्ति सामान्यत- बाजार मूल्य पर होती है। थोक खरीदार जैसे राज्य सड़क परिवहन की बसें और टेलीकाम टावर जो पावर जेनसेट्स में डीजल का उपयोग करते हैं, को ईंधन थोक आपूर्ति प्वाइंटों से खरीदना चाहिए।

शर्मा ने नागरिकों से अपील की कि वे घबराहट में खरीदारी न करें। भारत के पास कच्चे तेल, पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की पर्याप्त आपूर्ति है और रिफाइनरियां घरेलू मांग को पूरा करने के लिए पूरी क्षमता पर काम कर रही हैं। रिफाइनरियां प्रतिदिन 46,000-47,000 टन एलपीजी का उत्पादन कर रही हैं।

पश्चिम एशिया में सभी भारतीय समुद्री नाविक सुरक्षित- एएनआई के अनुसार बंदरगाह, शिपिंग और जलमार्ग मंत्रालय के सचिव मुकेश मंगल ने कहा है कि पश्चिम एशिया में फंसे सभी भारतीय समुद्री नाविक सुरक्षित हैं। क्षेत्र में चल रहे तनाव के बीच सरकार ने 3300 से अधिक भारतीयों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित की है।

25 मई को कलेक्ट्रेट में वृद्धजनों के लिए विशेष शिविर आयोजित होगा

भरण-पोषण, पारिवारिक विवाद, पेंशन और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का होगा समाधान

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। वृद्धजनों की समस्याओं के त्वरित निराकरण और उन्हें एक ही स्थान पर विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आगामी 25 मई को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में विशेष शिविर आयोजित किया जाएगा। यह शिविर जनसुनवाई के दौरान वृद्धजनों से लगातार प्राप्त हो रही समस्याओं के मद्देनजर आयोजित किया जा रहा है। शिविर सुबह 11 बजे से प्रारंभ होगा।

कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने आज कलेक्टर कार्यालय में शिविर की तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने शिविर स्थल का निरीक्षण कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए तथा कहा कि वृद्धजनों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सभी जरूरी व्यवस्थाएं समय पर सुनिश्चित की जाएं।

कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने निर्देश दिए हैं कि शिविर का आयोजन प्रभावी, सुव्यवस्थित एवं परिणाममूलक हो तथा अधिक से अधिक वृद्धजन इसका लाभ प्राप्त कर सकें, यह सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि शिविर में सभी एसडीएम अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें।

बताया गया कि जनसुनवाई में बड़ी संख्या में वृद्धजन अपनी समस्याएं लेकर पहुंचते हैं, जिनमें पारिवारिक विवाद, भरण-पोषण संबंधी प्रकरण, सामाजिक उपेक्षा, पेंशन और स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं प्रमुख रूप से सामने आती हैं। इन्हीं समस्याओं के समाधान के लिए विशेष फोकस के साथ यह शिविर आयोजित किया जा रहा है।

शिविर में भरण-पोषण अधिनियम के तहत आने वाले मामलों का निराकरण किया जाएगा। साथ ही यदि किसी वृद्धजन का पारिवारिक विवाद मध्यस्थता के माध्यम से सुलझाया जा सकता है, तो उसके लिए भी विशेष व्यवस्था की जाएगी। प्रशासन का प्रयास रहेगा कि संबंधित परिवारजनों और बच्चों को भी बुलाया जाए, ताकि माता-पिता के सम्मान और सामाजिक मूल्यों को ध्यान में रखते हुए सौहार्दपूर्ण समाधान निकाला जा सके।

विशेष शिविर में वृद्धजनों की पेंशन संबंधी समस्याओं के निराकरण के साथ स्वास्थ्य परीक्षण हेतु हेल्थ कैंप भी लगाया जाएगा। प्रशासन का उद्देश्य है कि वृद्धजनों को एक ही छत के नीचे विभिन्न योजनाओं और सुविधाओं का लाभ उपलब्ध कराया जा सके।

लवकुश चौराहे से मरीमाता मार्ग पर ट्रैफिक डायवर्शन का ट्रायल आज

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्राधिकरण द्वारा लवकुश चौराहे पर इंदौर-उज्जैन रोड के समानांतर निर्माणाधीन लेवल-2 फ्लायओवर के अंतर्गत सर्विस एवं ग्रेड रोड निर्माण कार्य प्रगति पर है। निर्माण कार्य को सुचारु रूप से पूरा करने के लिए लवकुश चौराहे से इंदो जर्मन टूल रूम तक यातायात व्यवस्था में अस्थायी बदलाव किया जा रहा है। इसके तहत लवकुश चौराहे से मरीमाता की ओर जाने वाले ट्रैफिक को डायवर्ट किया जाएगा। वाहन चालक लवकुश चौराहे से लेफ्ट टर्न लेकर एम.आर.-10 मार्ग से होते हुए एम.आर.-10 आरओबी के पूर्व औद्योगिक क्षेत्र के रास्ते इंदो जर्मन टूल रूम के सामने पुनः सांवेर रोड एवं मरीमाता की ओर जा सकेंगे। प्रस्तावित डायवर्शन का ट्रायल रन 23 मई 2026 को दोपहर 1 बजे से 3 बजे तक किया जाएगा। प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे निर्धारित डायवर्शन मार्ग का उपयोग कर यातायात व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें।

इंदौर में डेली कॉलेज के बोर्ड चुनाव में हरपाल सिंह भाटिया को मिली बड़ी जीत

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। लंबे समय से चल रहे विवाद के बीच गुरूवार को डेली कालेज बोर्ड आफ गवर्नर्स का चुनाव हुआ। चुनाव में न्यू डोनर कैटेगरी के अंतर्गत कड़े मुकाबले के बीच हरपालसिंह भाटिया ने जीत हासिल की। उन्होंने चुनावी मुकाबले में राजेश अग्रवाल को 124 मतों के बड़े अंतर से हराया।

इस चुनाव में 688 वोटर थे, जिनमें से 130 बैलेट पेपर से और 470 लोगों ने स्वयं आकर वोट डाले। भाटिया को 357 वोट मिले, वहीं अग्रवाल को 233 वोट मिले है। डेली कालेज के दरबार हाल में सुबह नौ से शाम पांच बजे तक मतदान हुआ, इसके बाद मतों की गणना की गई। इसके पूर्व हुए चुनाव में भी न्यू डोनर कैटेगरी में भाटिया ने जीत हासिल की थी।

वहीं पुराने दानदाता श्रेणी के अंतर्गत विक्रम सिंह पुआर, देवास और प्रियव्रत सिंह खिलचीपुर निर्विरोध निर्वाचित घोषित हुए। चुनाव में इस बार विशेष सुरक्षा इंतजाम किए थे। मुख्य द्वार से सभी की जांच के बाद ही प्रवेश दिया गया। किसी भी बाहरी व्यक्ति को प्रवेश नहीं दिया। चुनाव के बीच एक-दो बार हंगामे जैसी स्थिति भी बनी। पुआर ने बताया कि चुनाव का प्रबंधन अच्छा रहा। बोर्ड के गठन के बाद हमारा पांच वर्षीय का विजन बनाएंगे। वहीं भाटिया ने बताया कि वोटरों ने विश्वास किया और इतनी बड़ी जीत मिली।

भीषण गर्मी के बीच महापौर और आयुक्त ने की जलापूर्ति व्यवस्था की समीक्षा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भीषण गर्मी और लगातार बढ़ते तापमान के बीच शहर में सुचारू पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से महापौर पुष्यमित्र भार्गव एवं आयुक्त क्षितिज सिंघल ने गुरुवार को बिजलपुर नर्मदा कंट्रोल रूम का निरीक्षण कर जल वितरण व्यवस्था की समीक्षा की। इस दौरान जल कार्य प्रभारी अभिषेक शर्मा बबलू, अपर आयुक्त आशीष पाठक सहित जलप्रदाय विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

निरीक्षण के दौरान महापौर एवं आयुक्त ने कंट्रोल रूम में संचालित जल वितरण प्रणाली, मॉनिटरिंग व्यवस्था तथा नर्मदा एवं विभिन्न जलाशयों से हो रही जलापूर्ति की जानकारी ली। अधिकारियों ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में पानी की सप्लाई, जल प्रेशर, टंकियों की भराव क्षमता एवं शिकायत निराकरण व्यवस्था से अवगत कराया।

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने निर्देश दिए कि गर्मी के इस मौसम में नागरिकों को किसी प्रकार की पेयजल समस्या का सामना न करना पड़े, इसके लिए जलप्रदाय व्यवस्था की लगातार मॉनिटरिंग की जाए। उन्होंने कहा कि जहां भी जलापूर्ति संबंधी शिकायतें प्राप्त हों, उनका तत्काल निराकरण सुनिश्चित किया जाए तथा आवश्यकता पड़ने पर वैकल्पिक व्यवस्थाएं भी उपलब्ध कराई जाएं।

आयुक्त क्षितिज सिंघल ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जल वितरण व्यवस्था पर विशेष निगरानी रखी जाए और शहर के प्रत्येक क्षेत्र में निर्धारित समय पर पर्याप्त मात्रा में पेयजल उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि कंट्रोल रूम से सभी जोनों की नियमित समीक्षा की जाए तथा किसी भी तकनीकी समस्या की स्थिति में तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

इस दौरान महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने बताया कि प्रधानमंत्री Narendra Modi के आह्वान पर इंदौर में प्रत्येक शुक्रवार को 'नो व्हीकल डे' के प्रति लोगों को जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले शुक्रवार को भी वे पूरे दिन टू-व्हीलर से शहर में रहे थे और आज भी विभिन्न क्षेत्रों का दौरा दोपहिया वाहन से ही कर रहे हैं।

मास्टर प्लान सड़क निर्माण के लिए छावनी क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई तेज

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर के छावनी क्षेत्र में मास्टर प्लान के तहत प्रस्तावित सड़क निर्माण को लेकर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। प्रशासन द्वारा सड़क मार्ग में आ रहे अवैध निर्माणों और बाधाओं को हटाया जा रहा है, ताकि सड़क निर्माण कार्य समय पर पूरा किया जा सके। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि शहर के विकास और बेहतर यातायात व्यवस्था के लिए मास्टर प्लान की सड़कें अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने बताया कि प्रभावित लोगों को पहले पर्याप्त समय और नोटिस दिए गए थे, लेकिन इसके बावजूद सड़क के बीच बने अवैध निर्माण नहीं हटाए गए। इसी कारण अब प्रशासन को कार्रवाई करना पड़ रही है। महापौर ने कहा कि मास्टर प्लान की सड़कों का समय पर निर्माण सुनिश्चित करना नगर निगम की जिम्मेदारी है और इसी उद्देश्य से अभियान लगातार चलाया जा रहा है। उन्होंने नागरिकों से भी शहर विकास कार्यों में सहयोग करने की अपील की। इस दौरान महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने बताया कि प्रधानमंत्री Narendra Modi के आह्वान पर इंदौर में प्रत्येक शुक्रवार को 'नो व्हीकल डे' के प्रति लोगों को जागरूक करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले शुक्रवार को भी वे पूरे दिन टू-व्हीलर से शहर में रहे थे और आज भी सुबह से विभिन्न क्षेत्रों का दौरा दोपहिया वाहन से ही कर रहे हैं।

जिला प्रशासन का नशा मुक्ति अभियान

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देशानुसार जिले में नशे से दूरी है जरूरी अभियान निरंतर प्रभावी रूप से संचालित किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य युवाओं, विद्यार्थियों, महिलाओं एवं आम नागरिकों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक कर समाज में नशामुक्त वातावरण तैयार करना है।

सहायक आयुक्त आबकारी श्री अभिषेक तिवारी ने बताया कि कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देशन में जिलेभर में लगातार जनजागरूकता गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। साथ ही विभिन्न स्कूलों, कॉलेजों, सामाजिक संस्थाओं एवं समूहों में नशा मुक्ति हेतु मास्टर ट्रेनर / कोर कमिटी के गठन की प्रक्रिया भी प्रारंभ की जा रही है, जिससे अभियान को जमीनी स्तर तक प्रभावी बनाया जा सके।

इसी क्रम में महात्मा गांधी इंस्टीट्यूट एवं सत्य मेव जयते इंस्टीट्यूट में आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में आबकारी उप निरीक्षक श्री आशीष जैन एवं सुश्री त्रियंबिका शर्मा द्वारा विद्यार्थियों को संबोधित किया गया। विद्यार्थियों को नशे से होने वाले शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक दुष्प्रभावों की जानकारी देते हुए बताया गया कि नशा व्यक्ति के भविष्य, शिक्षा एवं पारिवारिक जीवन को गंभीर रूप से प्रभावित करता है।

गांधी हॉल फायर स्टेशन का आयुक्त ने किया औचक निरीक्षण

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्रीष्मकाल में संभावित अग्नि दुर्घटनाओं एवं आकस्मिक घटनाओं को ध्यान में रखते हुए नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल ने गुरुवार को गांधी हॉल परिसर स्थित फायर स्टेशन का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने फायर स्टेशन की व्यवस्थाओं, उपलब्ध संसाधनों एवं आपातकालीन तैयारियों का विस्तृत जायजा लिया।

आयुक्त ने फायर स्टेशन पर उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति रजिस्टर की जांच करते हुए ड्यूटी समय, शिफ्ट व्यवस्था तथा उपलब्ध संसाधनों की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने फायर वाहनों, उपकरणों एवं अन्य जरूरी संसाधनों की स्थिति की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि सभी संसाधन पूर्णतः कार्यशील अवस्था में बनाए रखें जाएं।

निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने आगजनी अथवा अन्य आकस्मिक दुर्घटनाओं की स्थिति में की जाने वाली कार्रवाई के संबंध में अधिकारियों एवं कर्मचारियों से जानकारी ली। उन्होंने कहा कि गर्मी के मौसम में आग लगने की घटनाओं की संभावना बढ़ जाती है, इसलिए फायर विभाग के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी लगातार अलर्ट मोड पर रहें तथा किसी भी सूचना पर तत्काल प्रभाव से कार्रवाई सुनिश्चित करें।

आयुक्त क्षितिज सिंघल ने निर्देश दिए कि आपातकालीन परिस्थितियों में प्रतिक्रिया समय न्यूनतम रखा जाए तथा शहरवासियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए त्वरित एवं प्रभावी राहत एवं बचाव कार्य किया जाए। साथ ही फायर स्टेशन पर उपलब्ध संसाधनों के नियमित रखरखाव एवं निरीक्षण के निर्देश भी दिए, ताकि किसी भी आपदा की स्थिति में प्रभावी तरीके से कार्य किया जा सके।

समान नागरिक संहिता पर जनपरामर्श बैठक आज शनिवार को होगी आयोजित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश शासन द्वारा समान नागरिक संहिता के संबंध में अध्ययन एवं परीक्षण हेतु गठित उच्च स्तरीय समिति की जनपरामर्श बैठक आगामी 23 मई 2026 को पूर्वाह्न 11 बजे जाल सभागृह इंदौर में आयोजित की जाएगी। बैठक का उद्देश्य समान नागरिक संहिता से जुड़े विभिन्न सामाजिक, विधिक एवं प्रशासनिक पहलुओं पर जनप्रतिनिधियों, प्रबुद्धजनों तथा विभिन्न वर्गों के सुझाव प्राप्त करना है।

जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत 25 मई को इंदौर जिले में होंगे गंगा दशहरा कार्यक्रम

जिले की चयनित ग्राम पंचायतों में होंगे दीपदान, कलश यात्रा एवं स्वच्छता कार्यक्रम

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर संचालित ÷जल गंगा संवर्धन अभियान÷ के अंतर्गत इंदौर जिले में गंगा दशहरा के अवसर पर 25 मई 2026 को विभिन्न ग्राम पंचायतों में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य जल स्रोतों का संरक्षण, संवर्धन एवं जनभागीदारी के माध्यम से जल के महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देशन में इंदौर जिले की चयनित ग्राम पंचायतों में धार्मिक, सांस्कृतिक एवं स्वच्छता आधारित गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। अभियान के तहत बावड़ियों, तालाबों एवं अन्य जल स्रोतों की साफ-सफाई, दीपदान, कलश यात्रा, भजन-कीर्तन, लोकगीत एवं जल संरक्षण विषयक व्याख्यान आयोजित होंगे।

जनपद पंचायत इंदौर की ग्राम पंचायत तिल्लौर खुर्द स्थित बावड़ी में जनभागीदारी से जीर्णोद्धार, दीपदान, कलश पूजन, भजन गायन तथा पंचायत क्षेत्र के समस्त जल स्रोतों की साफ-सफाई की जाएगी।

इसी तरह जनपद पंचायत महू की ग्राम पंचायत जामखुर्द में देवी अहिल्या जी द्वारा निर्मित प्राचीन बावड़ी पर गंगाजल यात्रा एवं पूजन, बावड़ी की साफ-सफाई, गाद निकासी एवं जीर्णोद्धार कार्य के साथ महिलाओं द्वारा पारंपरिक लोकगीत कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

जनपद पंचायत सांवेर की ग्राम पंचायत बरलाई जागीर स्थित अहिल्या कुंड परिसर में जलाशय परिक्रमा, दीपदान, जल गीतों की प्रस्तुति तथा जल संरचनाओं के संरक्षण एवं संवर्धन के प्रति जागरूकता हेतु व्याख्यान आयोजित होंगे। साथ ही अहिल्या कुंड परिसर के इतिहास से भी आमजन को अवगत कराया जाएगा।

जनपद पंचायत देपालपुर की ग्राम पंचायत बनेड़िया में चौबीस अवतार मंदिर एवं ग्रामीण तालाब परिसर में कलश यात्रा, जन सहयोग से स्वच्छता अभियान, पाल सुदृढ़ीकरण एवं नाला जीर्णोद्धार संबंधी गतिविधियां संपादित की जाएंगी। जिला प्रशासन द्वारा नागरिकों से अपील की गई है कि वे अधिक से अधिक संख्या में इन कार्यक्रमों में सहभागिता कर जल संरक्षण के इस जनअभियान को सफल बनाएं।

संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े संघ लोक सेवा की प्रारंभिक परीक्षा केंद्र का निरीक्षण करने पहुँचे

परीक्षा केंद्रों पर फिस्किंग, फेस आथेंटिकेशन सहित कक्ष में प्रवेश व्यवस्थाओं का जायजा लिया

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। संघ लोक सेवा आयोग की प्रारंभिक परीक्षा 24 मई को इंदौर शहर में बने 27 केंद्रों पर आयोजित होगी। संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े परीक्षा केंद्रों पर आयोग द्वारा निर्धारित व्यवस्थाओं की जानकारी और केंद्रों पर सुविधाओं का निरीक्षण करने एसजीएसआईटीएस कॉलेज पहुँचे। यहाँ उन्होंने आयोग द्वारा निर्धारित किये नियमों के अनुसार फिस्किंग,फेस ऑथेंटिकेशन, क्यूआर कोड/या हस्ताक्षर करने वाले अधिकारियों की नियुक्ति सहित कक्ष में प्रकाश व्यवस्था के साथ ही प्रवेश और निर्गम की व्यवस्थाएं देखी। परीक्षा केंद्र पर संस्था के प्रो. विनोद पारे ने व्यवस्थाओं और सुविधाओ के सम्बंध में जानकारी दी। संभागायुक्त डॉ. खाड़े ने केंद्र पर बिजली की वैकल्पिक व्यवस्था के साथ ही सीटिंग चेयर का भी अवलोकन किया।

हाईकोर्ट में नौकरी दिलाने के नाम पर बेरोजगार युवाओं से ठगी करने वाले गिरोह की महिला सदस्य गिरफ्तार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। तुकोगंज पुलिस ने हाईकोर्ट में क्लर्क की नौकरी दिलाने के नाम पर बेरोजगार युवाओं से ठगी करने वाले गिरोह की महिला सदस्य को गिरफ्तार किया है। कैफे संचालित करने वाली इस युवती ने ही हाईकोर्ट के फर्जी हाईकोर्ट का नियुक्ति पत्र तैयार किया था। एक युवक पूर्व में ही गिरफ्तार हो चुका है।

टीआई जितेंद्र चौहान के अनुसार पुलिस के अनुसार 29 अप्रैल को फरियादी स्वाति बाथम की रिपोर्ट पर लक्ष्मण मेहरा के खिलाफ रिपोर्ट लिखवाई थी। आरोपी ने स्वयं को हाईकोर्ट का कर्मचारी बताया और सहायक क्लर्क की नौकरी दिलाने का झांसा दिया और 25 हजार रुपए नकद लिए और बाद में फर्जी नियुक्ति पत्र थमा दिया।

पूछताछ और तकनीकी जांच के दौरान उसकी महिला सहयोगी रिंकू चौहान निवासी कुलकर्णी नगर, परदेशीपुरा को गिरफ्तार कर लिया। टीआइ के अनुसार रिंकू फर्जीवाड़े में बराबर की भागीदार थी। दोनों आरोपी मिलकर बेरोजगार युवाओं को नौकरी का लालच देते, खुद को रसूखदार बताकर विश्वास जीतते और फर्जी आवेदन पत्र व नियुक्ति आदेश देकर मोटी रकम वसूलते थे। करीब आठ लोगों का रिकार्ड मिल गया है। सभी को हाईकोर्ट में नौकरी के नाम पर ठगा है। रिंकू का विजय नगर में साइबर कैफे है। लक्ष्मण से उसकी मुलाकात उसी कैफे पर हुई थी। वह लेटर बनाने में माहिर है।

आकाशवाणी के 90 वर्ष और आकाशवाणी इंदौर के 71वें स्थापना दिवस पर मालवा हाउस में भव्य सांस्कृतिक उत्सव संपन्न

प्राइमरी और विविध भारती चैनल पर हुआ ऐतिहासिक 1 घंटे 50 मिनट का लाइव फोन-इन कार्यक्रम

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आकाशवाणी के गौरवशाली 90 वर्ष पूरे होने के राष्ट्रव्यापी उत्साह और आकाशवाणी इंदौर के 71वें स्थापना दिवस के ऐतिहासिक अवसर पर आज मालवा हाउस स्थित आकाशवाणी परिसर में एक भव्य और गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सुबह से लेकर रात तक चले इस उत्सव में परंपरा, तकनीक, संस्मरण और संस्कृति का अनूठा संगम देखने को मिला।

उत्सव की शुरुआत सुबह 10 बजे मुख्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुई। दीप प्रज्वलन कार्यक्रम प्रमुख श्री राजेश पाठक, अभियांत्रिकी प्रमुख श्री अभय कुमार गुप्ता एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इसके बाद आकाशवाणी के इतिहास में एक अनूठा और ऐतिहासिक क्षण आया, जब आकाशवाणी के प्राइमरी चैनल और विविध भारती चैनल से एक साथ (सिमुलकास्ट) 1 घंटे 50 मिनट का विशेष लाइव फोन-इन प्रोग्राम प्रसारित किया गया। इस कार्यक्रम में देश-विदेश के श्रोताओं ने लाइव जुड़कर अपने शुभकामना संदेश साझा किए और आकाशवाणी से जुड़े अपने 90 वर्षों के संस्मरण सुनाए।

इस ऐतिहासिक लाइव शो में आकाशवाणी के पूर्व उद्घोषक देवेंद्र कौर मधु, संतोष जोशी, विजय राय के साथ-साथ वर्तमान कार्यक्रम प्रमुख राजेश पाठक और अभियांत्रिकी प्रमुख अभय कुमार गुप्ता भी शामिल हुए। कार्यक्रम का कुशल संचालन आकाशवाणी इंदौर के वरिष्ठ उद्घोषक संजीव मालवीय ने किया। इस पूरे प्रसारण की लाइव स्ट्रीमिंग आकाशवाणी इंदौर के आधिकारिक फेसबुक पेज पर भी की गई, जिसे डिजिटल दर्शकों की भी शानदार प्रतिक्रिया मिली। दोपहर में स्टूडियो और पूरे प्रांगण में उत्सव का माहौल रहा, जहाँ सभी कर्मचारियों और अधिकारियों ने ढोल की थाप पर नृत्य किया और खूबसूरत रंगोलियां बनाई।

शाम को आकाशवाणी परिसर में ही बने एक विशाल और सुसज्जित मंच पर सांस्कृतिक व औपचारिक कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। शाम के सत्र की शुरुआत श्री अभय कुमार गुप्ता (अभियांत्रिकी प्रमुख), श्री राजेश पाठक (कार्यक्रम प्रमुख) के साथ कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती डॉक्टर प्रीति छड़ीदार, श्री असीम कैथवास, श्री जे.एन. वर्मा, श्री एस.के. जैन और श्री एस.डी. यादव द्वारा दीप प्रज्वलन से हुई।

समारोह के दौरान अभियांत्रिकी प्रमुख श्री अभय कुमार गुप्ता द्वारा उपस्थित समस्त आकाशवाणी परिवार के अधिकारियों और कर्मचारियों को संस्थान के प्रति निष्ठा की शपथ दिलवाई गई। अपने उद्बोधन में श्री गुप्ता ने कहा, ÷वक्त के साथ तकनीकी गुणवत्ता को बनाए रखना और उसे आधुनिक बनाना आकाशवाणी की सबसे अहम और प्राथमिक जरूरत है।

इंदौर के हनीट्रैप केस की जांच करेगी एसआईटी, इंटेलिजेंस का प्रधान आरक्षक भी गिरफ्तार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। हनीट्रैप-2026 की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन कर दिया है। क्राइम ब्रांच की एसआईटी ने पूछताछ शुरू कर दी है। गुरुवार को इंटेलिजेंस शाखा के प्रधान आरक्षक विनोद शर्मा की भी गिरफ्तारी ले ली गई। उस पर साजिश में शामिल होने का आरोप लगाया है। एसआईटी रेशू से एक अनुबंध जब्त करने का प्रयास चल रहा है, जो जमीन की खरीदी-बिक्री के संबंध में किया गया था। डीसीपी (अपराध) राजेश त्रिपाठी के अनुसार मकरोनिया (सागर) निवासी रेशू महेंद्र चौधरी से पुलिस ने पूछताछ की है। विदेश में पढ़ाई कर चुकी रेशू प्रतियोगी परीक्षा में भाग ले चुकी है। दिल्ली में पढ़ने के दौरान ही वह बड़े नेताओं के संपर्क में आ गई थी। इसका फायदा उठाकर उसने प्रदेश के नेताओं से नजदीकी बढ़ाई और जमीनों के धंधे में आ गई।

श्वेता विजय जैन पहले ही अलका दीक्षित के संपर्क में थी। अलका शराब तस्करी छोड़कर लाखन चौधरी के साथ प्रोपर्टी का व्यवसाय करने लगी थी। रेशू के हाईप्रोफाइल नेताओं से संबंध होने की जानकारी मिली तो ब्लैकमेलिंग का साजिश कर ली।

एमआर-10 ब्रिज पर पुराना टोल नाका हटने से बना नया ब्लैक स्पाट, बढ़ रही दुर्घटनाएं

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर को ट्रैफिक में नंबर-वन बनाने व ब्लैक स्पाट कम करने की कवायद लगातार चल रही है। एमआर-10 ब्रिज पर पुराने टोल नाका के पास अब एक नया ब्लैक स्पाट बन गया है। ब्रिज पर पिछले कई वर्षों से बना हुआ टोल नाका हटने से एमआर-10 ब्रिज से वाहन तेज गति से आते हैं, लेकिन डिवाइडर में कट नहीं होने के कारण वाहन चालकों को सड़क पर करने के लिए 70 से 80 मीटर तक गलत दिशा में आना पड़ता है। ऐसे में क्रासिंग के दौरान ब्रिज से आ रहे तेज गति से वाहन चालक यहां आपस में उलझते हैं और दुर्घटना की स्थिति बनती है। ब्रिज से ही बड़ी संख्या में वाहन चालक न्यू विजय नगर, कालिंदी कुंज सहित अन्य कालोनियों के वाहन चालक आवागम करते हैं। इससे दुर्घटनाओं की संभावना बढ़ रही है। जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में भी यह मुद्दा उठा था, तो कलेक्टर ने इंदौर विकास प्राधिकरण और यातायात पुलिस को निराकरण करने के लिए कहा था। एमआर-10 टोल नाका से लवकुश चौराहा तक की सड़क का स्वामित्व आईडीए के पास है। वहीं, यातायात विभाग के जिम्मेदारों के अनुसार एमआर-10 ब्रिज पर प्रीकास्ट लगाकर चौराहा बना दिया है। इससे दुर्घटनाओं में कमी आई है।

लवकुश चौराहा पर फ्लायओवर बनने और मेट्रो की क्रासिंग के बाद यहां यातायात जरूर कम होगा। सिंहस्थ-2028 के लिए उज्जैन आवागमन के लिए सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण सड़क होगी। सिंहस्थ के दौरान सबसे ज्यादा दो, चार वाहनों सहित छोटे-बड़े वाहनों का दवाब भी इसी सड़क पर होगा। हालांकि, आईडीए यहां अभी एमआर-10 ब्रिज को और चौड़ा करने की भी प्लानिंग कर रहा है। यदि वह काम होता है तो यह चौराहा और भी खतरनाक हो सकता है।

ब्लैक स्पाट को खत्म करने के लिए ट्रैफिक पुलिस का कहना है कि इसका सर्वे किया जाना जरूरी है। भविष्य में यहां और ज्यादा यातायात का दबाव बढ़ेगा। दीपमाला ढाबे की ओर से आने वाले वाहनों को होटल की ओर जाने के लिए डिवाइडर से कट देना होगा। ट्रैफिक कंसल्टेंट के माध्यम से मर्जिंग पाइंट पर ट्रैफिक सिग्नल लगाकर चौराहे को व्यवस्थित किया जा सकता है। रात के समय वाहनों की गति पर नियंत्रण के लिए पहले रंबल स्ट्रीप का निर्माण करना होगा। पहले जहां टोल नाका था, वहां डिवाइडर बनाकर एवं ग्रीन बेल्ट का कट बंद करना होगा।

शुद्ध के लिए युद्ध अभियान तेजः जावद में खाद्य प्रतिष्ठानों पर प्रशासन का छापा

केसरपुरा स्थित ढाबे से 100 लीटर सरसों तेल जब्त, बस स्टैंड की दो मिठाई दुकानों की जांच

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के निर्देशानुसार खाद्य पदार्थों में मिलावट एवं अस्वच्छता के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत शुक्रवार को एसडीएम जावद श्रीमती श्री प्रीति संघवी तहसीलदार जावद श्री नवीन गर्ग एवं खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री यशवंत कुमार शर्मा की संयुक्त टीम ने जावद शहर एवं फोरलेन केसरपुरा क्षेत्र में संचालित खाद्य प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया।

कार्रवाई का विवरण-

बस स्टैंड जावद क्षेत्र- खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के तहत समोसा-कचौरी एवं मिठाई विक्रेताओं के प्रतिष्ठानों पर तलने वाले खाद्य तेल, मसालों की गुणवत्ता एवं साफ-सफाई की जांच की गई।

- पवन मिष्ठान्न, बस स्टैंड जावद से मूंगफली का तेल एवं कचौरी का नमूना लिया गया।

- श्री मीनाक्षी मिष्ठान, बस स्टैंड जावद से मिल्क केक एवं लस्सी का नमूना जांच हेतु संग्रहित किया गया।

फोरलेन केसरपुरा क्षेत्र- श्री बालाजी होटल एंड ढाबा की रसोई में अस्वच्छ परिस्थितियों में खाद्य निर्माण एवं संग्रहण पाया गया। फ्रिज में फंगस लगी सब्जियों के साथ अन्य खाद्य सामग्री का भंडारण किया जा रहा था। तत्काल प्रभाव से रसोई को बंद कराया गया।

- प्रतिष्ठान में भंडारित 100 लीटर सरसों का तेल जांच रिपोर्ट आने तक जब्त किया गया।

- ढाबे से सरसों का तेल, दही रायता, घी लगी रोटी एवं दही सहित कुल 04 नमूने लिए गए।

इस कार्रवाई में कुल 08 नमूने जांच लेकर, राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला, भोपाल भेजे जा रहे है। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

यह संयुक्त कार्रवाई एसडीएम जावद सुश्री प्रीति संघवी, तहसीलदार जावद श्री नवीन गर्ग एवं अभिहित अधिकारी खाद्य एवं औषधि प्रशासन नीमच डॉ. दिनेश प्रसाद के मार्गदर्शन में की गई।

एसडीएम श्रीमती प्रीति संघवी ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि नागरिकों को शुद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने हेतु इस प्रकार की जांच एवं कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी। मिलावटखोरों एवं अस्वच्छता बरतने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

शामगढ़ पुलिस को मिली दोहरी सफलता, संतरे के बगीचे में 384 गांजे के पौधे जब्त, एमडी ड्रग्स व डोडाचूरा भी पकड़ा

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पुलिस मुख्यालय द्वारा चलाए जा रहे मादक पदार्थ के विरुद्ध अभियान अंतर्गत पुलिस अधीक्षक महोदय विनोद कुमार मीना के निर्देशन में एवं एएसपी गरोठ हेमलता कुरील एवं दिनेश प्रजापति एसडीओपी सीतामऊ के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी शामगढ़ उप निरीक्षक कपिल सौराष्ट्रीय की टीम द्वारा दो प्रकरणो में कार्रवाई की है। एक प्रकरण में संतरे के बगीचे में 384 गांजे के पौधे जब्त किए हैं तो दूसरे केस में 68 ग्राम एमडी ड्रग्स व पांच किलो डोडाचूरा भी पकड़ा है। दोनों मामले में फिलहाल दो आरोपी गिरफ्तार किए गए हैं।

प्रकरण एक के अनुसार 21 मई को चौकी चंदवासा थाना शामगढ़ पुलिस के द्वारा मुखबिर सूचना पर से आरोपी दिलीप सिंह पिता नारायण सिंह सोंधिया निवासी ग्राम भुण्डिया के खेत पर दबिश दी। यहां संतरे के बगीचो के बीच छिपाकर लगाये अवैध गांजे के पौधे मिले, जो आरोपी दिलीप सिंह को गिरफ्तार कर उसके खेत से 384 नग हरे गांजे के पौधे जप्त आरोपी के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट का केस दर्ज किया गया है। पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया।

प्रकरण दो के अनुसार 21 मई को ही मुखबिरी पर रेल्वे स्टेशन शामगढ़ के पास से आरोपी अंकित पिता गोपाल विश्वकर्मा निवासी ग्राम मधुर कालोनी शामगढ़ के कब्जे से 68 ग्राम एमडी ड्रग्स पावडर व 05 किलो डोडाचूरा जप्त किया गया। आरोपी अंकित विश्वकर्मा के द्वारा एमडी ड्रग्स पावडर फरदीन पिता आजाद खान निवासी ग्राम दुधालिया थाना डग जिला झालावाड राजस्थान से लाना बताया गया। जो प्रकरण में फरदीन पिता आजाद खान को भी आरोपी बनाया गया एवं उसकी तलाश की जा रही है। दोनों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट का केस दर्ज किया गया है। दोनों मामले में विवेचना जारी है। इस सराहनीय कार्य में उपनिरीक्षक कपिल सौराष्ट्रीय थाना प्रभारी शामगढ़ , उनि मनोज महाजन चौकी प्रभारी चंदवासा, सउनि शिवकुमार राजावात, सउनि रूप सिंह झाला, प्रधान आरक्षक सूरज पाल सिंह, प्रधान आरक्षक अजय मेडा, आरक्षक अनिल गुर्जर, आरक्षक मनीष सावलिया, आरक्षक प्रहलाद गरासिया, आरक्षक प्रेमकुमार, आरक्षक धर्मेश बेरागी, आरक्षक विशाल चौहान, आरक्षक हीरालाल यादव, आरक्षक इरफान खान का योगदान रहा।

सांवलिया जी के भंडार की गणना पांच चरणों में हुई पूरी- कुल 32 करोड़ 87 लाख से अधिक नगदी प्राप्त

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। उत्तर भारत के प्रमुख धार्मिक सुविख्यात कृष्णधाम भगवान श्री सांवलिया सेठ मंदिर में गत चतुर्दशी को खोले गए भंडार की सांवलिया जी मंदिर मंडल अध्यक्ष हजारी दास वैष्णव एवं अन्य पदाधिकारी की उपस्थिति में पांच चरणों में की गई गणना गुरुवार को पूर्ण हुई। जिसके बाद मंदिर को भंडार, भेंटकक्ष एवं ऑनलाइन से इस माह 32 करोड़ 87 लाख 92 हजार 570 रुपए की प्राप्ति हुई है?। गुरुवार को पांचवें चरण की गणना से 33 लाख 721 रुपए की धनराशि प्राप्त हुई. इसके पहले मंदिर मंडल सदस्य रामलाल गुर्जर पवन तिवारी हरिराम गाडरी एवं किशन लाल अहीर और लेखाधिकारी राघव शर्मा, प्रशासनिक अधिकारी प्रथम शिव शंकर पारीक, प्रशासनिक अधिकारी द्वितीय लेखाकार राजेंद्र सिंह के सानिध्य में इसके पहले चार चरणों में 25 करोड़ 16 लाख 10 हजार रुपये की गणना की जा चुकी थी। इसके बाद भंडार से कुल 25 करोड़ , 49 लाख 10 हजार 821 रुपये की प्राप्ति हुई। इसके साथ ही भंडार, कार्यालय एवं भेंट कक्ष से 725 ग्राम 550 मिलीग्राम सोना एवं 87 किलो 294 ग्राम 440 मिलीग्राम चांदी की प्राप्ति हुई। इसी के साथ कार्यालय एवं भेंटकक्ष में नगद एवं ऑनलाइन 07 करोड़, 38 लाख, 81 हजार 749 रुपये की प्राप्ति हुई।

इसके अलावा काफी मात्रा में विदेशी मुद्रा एवं चेक भी प्राप्त हुए। भंडार गणना में कार्यवाहक प्रशासनिक अधिकारी द्वितीय मनोहर लाल शर्मा, मंदिर एवं संपदा प्रभारी भेरू गिरी गोस्वामी, सुरक्षा प्रभारी गुलाब सिंह, वरिष्ठ निरीक्षक कालू लाल तेली, संपदा सहायक श्रवण शर्मा व राधेश्याम अहीर, जितेंद्र त्रिपाठी, सुरक्षा सहायक बिहारी लाल गुर्जर सहित मंदिर व बैंक कर्मचारियों ने भाग लिया। गत वर्ष इसी अवसर पर खोले गए भंडार से कुल करीब 26 करोड़ रुपए की प्राप्ति हुई थी जिसमें 20 करोड़ 48 लख रुपए भंडार से एवं 6 करोड़ 29 लख रुपए ऑनलाइन व कार्यालय में प्राप्त हुए। इधर मंदिर में ओसरा पुजारी गणेश दास वैष्णव ने भगवान को गंगाजल से स्नान करवा कर आकर्षक श्रृंगार किया। इस छवि का दिन भर में पहुंचे हजारों श्रद्धालुओं ने दर्शन करने का धर्म लाभ लिया।

नीमच बना मालवा का नया इंडस्ट्रियल वाइब्रेंट हब, टेक्सटाइल से ग्रीन एनर्जी तक तेज़ रफ्तार

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मालवा अंचल का नीमच जिला अब तेजी से औद्योगिक नक्शे पर उभर रहा है। पिछले ढाई वर्षों में निवेश, रोजगार और इंडस्ट्रियल एक्सपेंशन की रफ्तार ने जिले को ÷इंडस्ट्रियल वाइब्रेंट हब÷ की नई पहचान दी है।

जिले का झांझरवाड़ा औद्योगिक क्षेत्र इस बदलाव का केंद्र बन चुका है, जहां फिलहाल 44 इकाइयां उत्पादन में हैं, जबकि अन्य क्षेत्रों में भी नई फैक्टरियों का निर्माण तेजी से जारी है।

नीमच में सबसे अधिक निवेश टेक्सटाइल और डेनिम सेक्टर में हो रहा है।

स्वराज सूटिंग्स प्राइवेट लिमिटेड ने करीब 400 करोड़ रुपए से डेनिम यूनिट स्थापित की है, जहां 400 से अधिक युवाओं को रोजगार मिला है। विश्वेश्वरा डेनिम प्राइवेट लिमिटेड भी 135 करोड़ रुपए के निवेश से नई यूनिट विकसित कर रही है। मोरवन क्षेत्र में सुविधि रेयांस की 329 करोड़ रुपए की इंटीग्रेटेड टेक्सटाइल मिल निर्माणाधीन है, जिससे करीब 1500 लोगों को रोजगार मिलने की उम्मीद है।

झांझरवाड़ा औद्योगिक क्षेत्र के 200 से अधिक प्लॉट पूरी तरह आवंटित हो चुके हैं और यहां 2500 से ज्यादा लोगों को रोजगार मिल रहा है। बढ़ती मांग को देखते हुए एमपीआईडीसी अब चीताखेड़ा में 186 हेक्टेयर में नया औद्योगिक क्षेत्र विकसित कर रहा है।

राजस्थान और गुजरात से बेहतर कनेक्टिविटी के कारण नीमच अब लॉजिस्टिक हब के रूप में उभर रहा है।

भीलवाड़ा से मात्र 120 किमी दूरी होने के कारण इसे टेक्सटाइल सेक्टर में मजबूत विकल्प माना जा रहा है, और वहां की कई यूनिट्स विस्तार के लिए नीमच की ओर रुख कर रही हैं। नीमच अब सिर्फ टेक्सटाइल तक सीमित नहीं है।

मालवा पेट्रो प्रोडक्ट्स, एमपी ग्रीनरिज़, नंदीराज एग्रो प्रोडक्ट्स, ओसवाल एथेनॉल और धनुका बायोटेक जैसी कंपनियां यहां सक्रिय हैं।

फूड प्रोसेसिंग में जैन एग्रो प्रोडक्ट्स, इनाया एग्रो फूड्स, शकील एंड ब्रदर्स और सरकार ट्रेडिंग कंपनी जैसी इकाइयां काम कर रही हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में उद्योग हितैषी नीतियां, आसान प्रक्रियाएं और इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट ने निवेश को गति दी है।

रोजगार आधारित विकास और उद्योग-गांव कनेक्ट मॉडल के चलते जिले में नए अवसर तेजी से बन रहे हैं।

एमपीआईडीसी के कार्यकारी संचालक राजेश राठौड़ के अनुसार झांझरवाड़ा के सभी प्लॉट आवंटित हो चुके हैं और लगातार नए निवेश प्रस्ताव मिल रहे हैं।

चीताखेड़ा का नया औद्योगिक क्षेत्र आने वाले समय में नीमच को प्रदेश के प्रमुख मैन्युफैक्चरिंग सेंटर के रूप में स्थापित करेगा।

मिलावटखोरों पर कलेक्टर सख्त- अरनिया कुमार स्थित एक फर्म पर प्रशासन की छापेमारी

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के निर्देशन में जिला प्रशासन द्वारा मिलावटखोरों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई जारी है। इसी क्रम में शुक्रवार को जिला प्रशासन की टीम ने ग्राम अरनिया कुमार, नीमच स्थित एक फर्म पंकज कुमार नीरज कुमार का औचक निरीक्षण किया। कार्रवाई का विवरण-निरीक्षण के दौरान फर्म के परिसर में अखाद्य पदार्थ सल्फर, हाइड्रा आदि केमिकल पाए गए। जो मानव स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होने से जप्?त कर,नियमानुसार जांच उपरांत टीम द्वारा फर्म को तत्काल सील करने की कार्रवाई की गई। यह कार्रवाई एसडीएम नीमच श्री संजीव साहू, तहसीलदार नीमच नगर श्री संजय मालवीय एवं राजस्व विभाग की टीम द्वारा की गई है। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने स्पष्ट किया है, कि जिले में खाद्य पदार्थों में मिलावट या अखाद्य केमिकल का भंडारण/विक्रय करने वालों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई सतत जारी रहेगी।

नगर परिषद् ने पार्क में काटे प्लॉट, बाउंड्री वॉल हो गई चोरी, शिकायत सुनने कोई नहीं मिला CMO की खाली कुर्सी को सौंपा आवेदन

प्रदर्शनकारियों ने भूखंड घोटाला बंद करो के जमकर नारे लगाए

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंगोली नगर परिषद् में शुक्रवार को भारी प्रशासनिक लापरवाही और राजनीतिक गहमागहमी देखने को मिली। नगर में सार्वजनिक संपत्ति को हो रहे नुकसान और कथित घोटालों के खिलाफ जब ब्लॉक कांग्रेस, नगर कांग्रेस के नेता और आम नागरिक ज्ञापन सौंपने नगर परिषद कार्यालय पहुंचे, तो वहां कोई भी जिम्मेदार अधिकारी मौजूद नहीं था। घंटों इंतजार के बाद आक्रोशित प्रदर्शनकारियों ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी की खाली कुर्सी पर ही अपना ज्ञापन चस्पा कर दिया और जमकर नारेबाजी की।

सिंगोली में आज बड़ी संख्या में नागरिक और कांग्रेस कार्यकर्ता नगर परिषद् कार्यालय के बाहर एकत्रित हुए। इस दौरान व्यवस्था और प्रशासन के खिलाफ भारी रोष देखा गया। प्रदर्शनकारियों ने भूखंड घोटाला बंद करो के जमकर नारे लगाए। आक्रोशित भीड़ ने चेतावनी देते हुए स्पष्ट किया कि अभी तो यह अंगड़ाई है, आगे और लड़ाई है।

पार्क की बाउंड्रीवॉल चोरी करने के आरोप - खाली कुर्सी पर चिपकाए गए और पुलिस थाना प्रभारी को प्रेषित किए गए शिकायत पत्र के अनुसार, यह पूरा मामला भू-माफियाओं और असामाजिक तत्वों द्वारा सरकारी जमीन पर कब्जे के प्रयास से जुड़ा प्रतीत होता है। ज्ञापन में बताया गया है कि वार्ड नंबर 03 स्थित राजीव आवास योजना में नगर पंचायत द्वारा निर्मित सार्वजनिक बगीचे (पार्क) में असामाजिक तत्वों ने भारी तोड़फोड़ की है।

पार्क में लगे हरे भरे पेड़ काटने के आरोप - आरोप है कि इन तत्वों ने बगीचे की सुरक्षा के लिए बनाई गई चारदीवारी (बाउंड्रीवॉल) को तोड़ दिया है और वहां लगी कीमती लोहे की जालियां चुरा ली हैं। बात यहीं खत्म नहीं हुई, सरकारी जमीन को साफ़ करने की नीयत से वहां लगे बड़े-बड़े हरे पेड़ों को काट दिया गया है और सबूत मिटाने के लिए उनके निशान तक नष्ट कर दिए गए हैं।

सार्वजनिक पार्क पर भूखंड काटना गैरकानूनी - ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि राजीव गांधी आवासीय योजना के तहत आरक्षित पार्क की भूमि पर नगर परिषद् एन भूखंड काट दिए हैं जो नियम विरुद्ध है , इसपर असामाजिक तत्वों का जमावड़ा है, कब्ज़ा करने की नीयत से पार्क को उजाड़ा जा रहा है लेकिन कोई सुनने वाला नहीं है।

कांग्रेस नेताओं ने दोषियों पर एफआईआर की मांग की - इस पूरे घटनाक्रम पर कांग्रेस नेता पंकज तिवारी ने प्रतिक्रिया देते हुए प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। अपना कड़ा रोष व्यक्त करते हुए पंकज तिवारी ने कहा- सिंगोली नगर परिषद में भ्रष्टाचार और प्रशासनिक लापरवाही चरम पर है। दिनदहाड़े सार्वजनिक संपत्तियों को नष्ट किया जा रहा है और भू-माफियाओं को खुली छूट दे दी गई है। जब जनता और विपक्ष के लोग अपनी जायज शिकायत लेकर कार्यालय पहुंचते हैं, तो जिम्मेदार अधिकारी अपनी कुर्सियां छोड़कर नदारद हो जाते हैं। यह सीधा संकेत है कि प्रशासन और असामाजिक तत्वों के बीच गहरी मिलीभगत है। उन्होंने कहा खाली कुर्सी पर ज्ञापन चिपकाना हमारे विरोध का पहला और सांकेतिक कदम है। अगर बगीचे में तोड़फोड़ करने वाले दोषियों पर एफआईआर दर्ज कर तुरंत गिरफ्तारी नहीं हुई, तो कांग्रेस पार्टी उग्र आंदोलन करेगी और इसकी पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर उठे गंभीर सवाल- इस पूरे घटनाक्रम ने सिंगोली नगर परिषद की कार्यप्रणाली पर बड़ा प्रश्नचिह्न लगा दिया है। एक तरफ शहर में सरेआम सरकारी संपत्ति और पर्यावरण को नुकसान पहुंचाया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर जनता की सुनवाई करने वाला कोई नहीं है। अब देखना यह है कि खाली कुर्सी पर चिपकाए गए इस ज्ञापन के बाद प्रशासन नींद से जागता है या भू-माफियाओं के हौसले यूं ही बुलंद रहते हैं।

नपा की पीआईसी बैठक में शिवना सौन्दर्यीकरण कार्य को मिली मंजूरी, सिंहस्थ मद से 13 करोड़ खर्च होंगे

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर पालिका की प्रेजीडेंट इन कौंसिल (पीआईसी) ने कल शुक्रवार को एक महत्वपूर्ण बैठक में सिंहस्थ मद के अंतर्गत लगभग 13 करोड़ रूपये की राशि से होने वाले शिवना सौन्दर्यीकरण के निर्माण कार्यों को मंजूरी प्रदान की। नपाध्यक्ष रमादेवी गुर्जर ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को सिंहस्थ मद के अंतर्गत 13 करोड़ रू. की राशि स्वीकृत करने पर उन्हें धन्यवाद देते हुये बताया कि सिंहस्थ मद के अंतर्गत नगर पालिका परिषद मंदसौर को 13 करोड़ रू. की राशि प्राप्त हो रही है। इस राशि के अंतर्गत काश्तकार होटल के नीचे शिवना नदी के तट से लेकर पशुपतिनाथ महादेव मंदिर की नयी पुलिया तक विभिन्न निर्माण कार्य किये जायेगे। रोड की साईड में रिटेनिंग वाल बनेगी। शिवना नदी के तट पर रोड के समानांतर जो वाल बनी है उसकी हाईट बढ़ायी जायेगी शिवना नदी के तट को सुन्दर बनाने के लिये यहां फाउन्टेन वर्क एवं विद्युत साज सज्जा का कार्य होगा तथा बैठने के लिये छतरिया (गाजीबो) बनायी जायेगी। रोड के साइड में सुन्दर पौधे लगाये जायेगे तथा रोड के साईड को बगीचे के रूप में विकसित किया जायेगा। शिवना नदी सौंदर्यीकरण कार्य अंतर्गत घाट निर्माण एवं विद्युतीकरण का कार्य भी होगा। नपा की पी.आई.सी. बैठक में दर की स्वीकृति प्रदान की गयी। इस बैठक में नपा लोकनिर्माण सभापति निर्मला चंदवानी, निलेश जैन, दीपमाला मकवाना, रमेश ग्वाला, शांति दिनेश फरक्या, कौशल्या बंधवार, सत्यनारायण भांभी, नपा सीएमओ श्रीमती अनिता चकोटिया, उपयंत्री शाहिद मिर्जा, नपा कर्मचारी अजय मारोठिया, राजेन्द्र नीमा भी उपस्थित थे।

दो साध्वीजी की दुर्घटना में मृत्यु होने पर, सकल जैन समाज ने विरोध दर्ज करवाते हुए सौंपा ज्ञापन

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। म. प्र. के रीवा में एक वाहन चालक की लापरवाही से दिग्मबर जैन समाज पूज्य आर्यिका श्री श्रुतमति माताजी एवं पूज्य आर्यिका उपशममति माताजी का सड़क दुर्घटनों में असामयिक देवलोकगमन हो गया। इस हृदय विदारक घटना के विरोध एवं जैन संतो साध्वीगणों की सुरक्षा हेतु नियम बनाने की मांग को लेकर सकल जैन समाज द्वारा 22 मई शुक्रवार को मुख्यमंत्री मोहन यादव के नाम एक ज्ञापन कलेक्टर व पुलिस अधीक्षक के प्रतिनिधि को सौंपा गया। इससे पूर्व सकल जैन समाज द्वारा आर्यिकाद्वय के देहावसान पर दिगम्बर जैन मुनि श्री निर्णय सागरजी व क्षुल्लक श्री तत्व सागरजी महाराज के सानिध्य में जीवन विलास जनकपुरा पर विनयांजली सभा प्रात: 8.30 बजे आयोजित की गई।

विनयांजली के पश्चात सकल जैन समाज महानुभाव व महिलाएं मौन रैली के रूप में विशाल जैन समुदाय के साथ घंटाघर स्थित शहर थाना पहुंचे, वहाँ कलेक्टर व एसपी के प्रतिनिधि को ज्ञापन देकर दुर्घटना में दोषी वाहन चालक व अन्य दोषियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की मांग की गई तथा संतगणों के विह पैदल विहार के दौरान सुरक्षा व्यवस्था दिलवाने की मांग भी शासन से की गई। इस अवसर पर ज्ञापन का वाचन सकल जैन समाज के अध्यक्ष लोकेन्द्र जैन ने किया, संयोजक सुरेन्द्र लोढा ने भी समाजजनों को संबोधित किया। सकल जैन समाज के अध्यक्ष भी लोकेन्द्र जैन गोटावाला, संयोजक श्री सुरेन्द्र लोढ़ा, उपसंयोजक श्री अशोक कुमार मारू, श्री अरविन्द मेहता, श्री संजय मुरड़िया, महामंत्री श्री शेखर कासमा, श्री मनीष सेठी, श्री प्रताप कोठारी, कोषाध्यक्ष श्री अनिल जैन नगरी वाला, प्रवक्ता विजयेन्द्र फांफरिया ने बताया कि विनयांजली सभा का प्रारंभ सामूहिक क णमोकार मंत्र के साथ हुआ। मुनिश्री ने विनयांजली सभा को संबोधित करते हुए कहा जैन समाजजन अपने आराध्य गुरुओं की एक आवाज पर करोडों रुपए दान कर देते हैं विशाल भव्य धार्मिक कार्यक्रम आयोजित करते हैं परन्तु उन्ही संतगणों के विहार आदि का चर्यायों के पालन में सहयोग नहीं कर पाते। आपने कहा धन के मार्ग में नहीं धर्म के मार्ग में ही सुख मिलेगा। साधु संतों के नियमों में दृढता होती है उनके नियमों का समर्पण भाव से पालन करवाने में असीम पुण्य संचय होता है। श्री क्षुल्लक श्री तव्वसागरजी व ब्रह्मचारी अमन भैया ने संबोधित किया। साथ ही विनयांजली सभा को सकल जैन समाज के पूर्व अध्यक्षगण सर्वश्री पं. विजय कुमार गांधी, शांतिलाल बड़जात्या, नंद किशोर अग्रवाल, डॉ राजकुमार बाकलीवाल सिंधी समाज प्रमुख दृष्टानंद नैनवानी, अध्यक्ष लोकेन्द्र जैन व संयोजक सुरेन्द्र लोढा ने संबोधित करते हुए इस दुर्घटना में दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की ब ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति ना हो ऐसे नियम बनाने की मांग की गई। समस्त वक्ताओं व उपस्थित जैन धर्मावलम्बियों ने दिवंगत आर्यिकाद्वय की विनयांजली में नौ बार सामूहिक णमोकार मंत्र के जाप किये। सभा का संचालन डॉ चंदा कोठारी ने किया। आभार महामंत्री शेखर कासमा ने माना।

खाद व्यवसाय की समस्याओं को लेकर गृहमंत्री अमित शाह से मिला प्रतिनिधिमंडल

जीएसटी घटाने, नकली खाद कंपनियों पर कार्रवाई और डीलर्स का मार्जिन बढ़ाने की उठाई मांग

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देशभर के खाद व्यवसायियों एवं किसानों से जुड़ी समस्याओं को लेकर खाद डीलर्स संगठन के प्रतिनिधिमंडल ने नई दिल्ली में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात कर विभिन्न मांगों का ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने खाद व्यवसाय में आ रही व्यावहारिक परेशानियों, किसानों पर बढ़ती खेती लागत तथा नकली एवं दोषपूर्ण उत्पादों के कारण उत्पन्न समस्याओं से अवगत कराते हुए त्वरित समाधान की मांग की। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि देशभर में लगभग 12 लाख खाद डीलर्स और करोड़ों किसान इस व्यवस्था से जुड़े हुए हैं, लेकिन वर्तमान समय में खाद व्यवसाय लगातार जटिल होता जा रहा है। डीलर्स को आर्थिक नुकसान के साथ प्रशासनिक परेशानियों का भी सामना करना पड़ रहा है, वहीं किसान महंगे उर्वरकों और कीटनाशकों के कारण परेशान हैं।

एफएआई नई दिल्ली के सदस्य अशोक कुमठ निवासी पिपलियामण्डी जिला मंदसौर ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रतिनिधिमंडल ने गृहमंत्री के समक्ष मांग रखी कि नकली एवं निम्न गुणवत्ता वाले खाद और कीटनाशक बनाने वाली कंपनियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए। ऐसे उत्पाद किसानों की फसलों को नुकसान पहुंचाते हैं और उत्पादन क्षमता पर भी विपरीत प्रभाव डालते हैं। उन्होंने कहा कि दोषपूर्ण उत्पादों के कारण किसानों का आर्थिक नुकसान बढ़ रहा है, इसलिए इस पर नियंत्रण आवश्यक है। प्रतिनिधिमंडल ने कीटनाशकों पर लगने वाली 18 प्रतिशत जीएसटी को घटाकर 5 प्रतिशत करने की मांग भी उठाई। पदाधिकारियों का कहना था कि यदि जीएसटी दर कम होती है तो किसानों को हजारों करोड़ रुपये की राहत मिलेगी और खेती की लागत में कमी आएगी। इससे कृषि क्षेत्र को मजबूती मिलेगी तथा किसानों की आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। ज्ञापन में यह भी बताया गया कि वर्ष 1995 से खाद विक्रेताओं के मार्जिन में कोई वृद्धि नहीं की गई है। लगातार बढ़ती महंगाई, परिवहन व्यय एवं संचालन लागत के बीच डीलर्स को पुराने मार्जिन पर कार्य करना पड़ रहा है, जिससे व्यवसाय प्रभावित हो रहा है। संगठन ने खाद विक्रेताओं के लिए न्यूनतम लाभ सुनिश्चित करने एवं मार्जिन बढ़ाने की मांग की। प्रतिनिधिमंडल ने यह मुद्दा भी उठाया कि कई कंपनियां यूरिया के साथ अन्य उत्पादों की अनिवार्य बिक्री कर रही हैं। इससे किसानों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ बढ़ता है और बाजार में ब्लैक मार्केटिंग को बढ़ावा मिलता है। संगठन ने ऐसी व्यवस्था पर रोक लगाने की मांग करते हुए कहा कि किसानों को उनकी आवश्यकता के अनुसार ही खाद उपलब्ध कराया जाना चाहिए। बैठक के दौरान असंतुलित उर्वरक उपयोग का मुद्दा भी प्रमुखता से रखा गया। प्रतिनिधिमंडल ने सुझाव दिया कि किसानों के लिए 'सॉयल हेल्थ कार्ड' की अनिवार्यता लागू की जाए ताकि भूमि की गुणवत्ता के अनुसार संतुलित खाद उपयोग सुनिश्चित हो सके। साथ ही जैविक एवं प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए केंद्र सरकार द्वारा ठोस एवं विश्वसनीय योजना लागू करने की मांग भी की गई। गृहमंत्री अमित शाह ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को गंभीरता से सुनते हुए आश्वासन दिया कि संबंधित मंत्रालयों के माध्यम से समस्याओं के निराकरण हेतु आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने किसानों और खाद व्यवसायियों से जुड़े विषयों पर सकारात्मक पहल का भरोसा दिलाया। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष मनमोहन कलंत्री, प्रवीण पटेल, सुभाष शाह, अरविंद पटेल, रमेश पटेल सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। प्रतिनिधिमंडल ने गृहमंत्री अमित शाह का शॉल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान भी किया।

हमारी आंगनवाड़ी - पोषण भी, पढ़ाई भी, आंगनवाड़ी सेमली ईस्तमुरार में सुविधाओं का विस्तार

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शासन की एडॉप्ट एन आंगनवाड़ी योजना के तहत मनासा क्षेत्र के आंगनवाड़ी केंद्र सेमली ईस्तमुरार को जनभागीदारी से सुसज्जित किया गया है। विद्युत सुविधा- सरपंच एवं सचिव ने आंगनवाड़ी केंद्र में नया विद्युत कनेक्शन करवाकर ट्यूबलाइट व पंखे लगवाए। जिससे गर्मी में बच्चों को राहत मिलेगी और पढ़ाई का माहौल बेहतर होगा। पेयजल व्यवस्था- केंद्र में बच्चों एवं कार्यकर्ताओं के लिए शुद्ध पेयजल हेतु वाटर कैम्पर उपलब्ध करवाए गए हैं। एडॉप्ट एन आंगनवाड़ी का उद्देश्य जनसहयोग से आंगनवाड़ी केंद्रों को संसाधन संपन्न बनाना है, ताकि पोषण भी, पढ़ाई भी की संकल्पना साकार हो सके। सभी जनप्रतिनिधियों एवं समाजसेवियों से आंगनवाड़ी केंद्रों को गोद लेकर सुविधाएं बढ़ाने में सहयोग की अपील की गई है।

सम्पादकीय

काला सोना या हरा भविष्य? सिंगरौली अब दोनों का मेल सिखाएगा

ऊर्जा और विकास की जटिल धारा में बहता सिंगरौली आज फिर सुर्खियों के शिखर पर है। यह वही क्षेत्र है जहाँ कोयले की परतों के नीचे आर्थिक आकांक्षाएँ और पर्यावरणीय प्रश्न साथ-साथ सांस लेते हैं। 21 मई 2026 को सुप्रीम कोर्ट ने अजय दुबे की याचिका विलंब के आधार पर खारिज की, जिसमें अडानी समूह की महान एनर्जन लिमिटेड (धीरौली कोल ब्लॉक) की वन/पर्यावरण मंजूरी को चुनौती दी गई थी। यह आदेश केवल न्यायिक प्रक्रिया की औपचारिकता नहीं, बल्कि विकास की रफ्तार और नीति-स्थिरता को नई दिशा देने वाला संकेत भी है। कोयला उत्पादन के लिए प्रसिद्ध यह इलाका अब एक बार फिर राष्ट्रीय ऊर्जा विमर्श के केंद्र में मजबूती से उभर आया है, जहाँ भविष्य की राह अब अधिक स्पष्ट दिखाई देने लगी है।

कानूनी अनिश्चितता की परत हटते ही परियोजना के लिए स्थिरता का नया आधार तैयार हो गया है, जो बड़े निवेश और खनन गतिविधियों को गति देता है। सुप्रीम कोर्ट ने समयबद्ध न्याय व्यवस्था का महत्व स्पष्ट करते हुए कहा कि देरी से दाखिल याचिकाएँ विकास की प्रक्रिया को बाधित नहीं कर सकतीं। इसी संदर्भ में सिंगरौली की यह परियोजना राष्ट्रीय ऊर्जा ढांचे में एक मजबूत कड़ी बनती दिखाई दे रही है। बढ़ती ऊर्जा जरूरतों के बीच यह निर्णय वर्तमान मांगों को संभालते हुए भविष्य की दिशा भी निर्धारित करता है। यह फैसला न्याय और विकास के बीच संतुलन का सशक्त उदाहरण है।

ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में यह परियोजना एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। धीरौली कोल ब्लॉक की अधिकतम उत्पादन क्षमता 6.5 मिलियन टन प्रति वर्ष (6.5 एमटीपीए) निर्धारित है, जिसमें मुख्य रूप से ओपन-कास्ट खनन शामिल है। इस कोयला उत्पादन से अडानी पावर की बिजली उत्पादन श्रृंखला मजबूत होने की उम्मीद है। तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था और ऊर्जा की बढ़ती मांग को देखते हुए यह परियोजना बिजली आपूर्ति को स्थिर बनाए रखने, उत्पादन लागत को नियंत्रित करने और औद्योगिक विकास को गति देने में सहायक सिद्ध हो सकती है। आधुनिक खनन प्रौद्योगिकी के उपयोग से न केवल उत्पादकता बढ़ेगी बल्कि ऊर्जा क्षेत्र में देश की आत्मनिर्भरता को भी मजबूती मिलेगी।

इस परियोजना से मध्य प्रदेश में आर्थिक संभावनाओं का विस्तार होने की संभावना है। स्थानीय स्तर पर हजारों प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होंगे, जिससे सिंगरौली और आसपास के क्षेत्रों में बेरोजगारी दर कम करने में मदद मिलेगी। छोटे-मध्यम उद्योगों, ट्रांसपोर्ट, होटल, दुकानों और सेवा क्षेत्र को नई गति मिलने की उम्मीद है। राज्य सरकार को रॉयल्टी, टैक्स और अन्य मदों से पर्याप्त राजस्व प्राप्त होगा। साथ ही सड़क, बिजली, स्वास्थ्य, शिक्षा और पेयजल जैसी बुनियादी सुविधाओं के विकास को भी गति मिलेगी।

विकास की दौड़ जितनी तेज हो रही है, पर्यावरणीय चेतावनी उतनी ही स्पष्ट और गंभीर स्वर में सामने खड़ी है। सिंगरौली की धरती पहले से ही कोयला खनन के दबाव तले संतुलन बनाए रखने की कोशिश करती रही है। वन भूमि का घटता दायरा, वृक्षों की कटाई और जैव विविधता पर बढ़ता संकट अब अनदेखा नहीं किया जा सकता। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि आधुनिक तकनीकों जैसे धूल नियंत्रण प्रणाली, जल पुनर्चक्रण और उन्नत प्रदूषण नियंत्रण उपकरणों का प्रभावी उपयोग किया जाए, तो पर्यावरणीय क्षति को काफी हद तक कम किया जा सकता है। इसके साथ ही अनिवार्य वनरोपण, मिट्टी संरक्षण और जल स्रोतों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देना आवश्यक है।

किसी भी बड़े विकास की असली कसौटी उसकी सामाजिक स्वीकार्यता और स्थानीय भागीदारी होती है। यह परियोजना भी केवल आर्थिक या तकनीकी सफलता पर नहीं, बल्कि समुदायों के समावेशन पर निर्भर करेगी। प्रभावित क्षेत्रों के हजारों परिवारों के लिए पुनर्वास और उचित मुआवजा जरूरी है।

तपती धरती, झुलसता जीवनः हीटवेव की चुनौती

वर्ष 2026 की गर्मी केवल एक मौसमीय घटना नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के सामने खड़ी एक गंभीर चेतावनी बनकर सामने आई है। अप्रैल-मई के दौरान भारत सहित दक्षिण एशिया के अनेक हिस्सों में पड़ी रिकॉर्ड हीटवेव ने यह स्पष्ट कर दिया है कि जलवायु परिवर्तन अब भविष्य का संकट नहीं, वर्तमान की भयावह वास्तविकता है। दिल्ली, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और मध्य भारत के अनेक क्षेत्रों में तापमान 46 से 48 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। कई शहरों में बिजली की मांग ने रिकॉर्ड तोड़ दिए। सड़कें सूनी दिखने लगीं, श्रमिकों का श्रम ठहरने लगा और बच्चों, बुजुर्गों तथा गरीब तबकों के सामने जीवन बचाने की चुनौती खड़ी हो गई। यह संकट अचानक नहीं आया। यह दशकों से प्रकृति के साथ किए गए असंतुलित व्यवहार, अंधाधुंध शहरीकरण, जंगलों की कटाई, संसाधनों के दोहन और सुविधावादी जीवनशैली का परिणाम है। प्रकृति ने बार-बार संकेत दिए, लेकिन विकास की अंधी दौड़ में हमने उन संकेतों को अनसुना किया। आज वही उपेक्षित चेतावनियां लू बनकर हमारे सामने खड़ी हैं।

हीटवेव का सबसे बड़ा कारण केवल बढ़ता तापमान नहीं, बल्कि वह विकास मॉडल है जिसने धरती की प्राकृतिक ढाल को कमजोर कर दिया। जंगल सदियों से पृथ्वी के प्राकृतिक एयर कंडीशनर रहे हैं। वे कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करते हैं, वाष्पोत्सर्जन द्वारा वातावरण को शीतल रखते हैं और वर्षा चक्र को संतुलित बनाए रखते हैं। लेकिन विडंबना है कि विकास के नाम पर जंगलों का तेजी से विनाश हुआ। हर वर्ष लाखों हेक्टेयर वन क्षेत्र समाप्त हो रहे हैं। इसका परिणाम यह हुआ कि स्थानीय स्तर पर तापमान बढ़ा, नमी कम हुई, वर्षा चक्र प्रभावित हुआ और गर्म हवाओं की अवधि लंबी होती गई। आज शहर ÷कंक्रीट के जंगल÷ बन चुके हैं। महानगरों में हरित क्षेत्र सिकुड़ते जा रहे हैं और उनकी जगह सीमेंट, डामर और शीशे की ऊंची इमारतें ले रही हैं। इससे अर्बन हीट आइलैंड प्रभाव तेजी से बढ़ा है। शहर अब आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में कई डिग्री अधिक गर्म हो चुके हैं। कंक्रीट दिनभर सूर्य की ऊष्मा को सोखता है और रात में धीरे-धीरे छोड़ता है। परिणामस्वरूप रातें भी गर्म होती जा रही हैं और शरीर को राहत नहीं मिल पाती।

दिल्ली, मुंबई, जयपुर और लखनऊ जैसे शहरों में रात का तापमान पहले की तुलना में लगातार बढ़ रहा है। गरीब बस्तियों में स्थिति और भी गंभीर है। वहां न हरित क्षेत्र हैं, न पर्याप्त जल आपूर्ति, न शीतलन के साधन। टीन की छतों वाले घर दिन में भट्ठी बन जाते हैं। गर्मी की मार सामाजिक असमानता को और गहरा करती है। अमीर वर्ग एयर कंडीशनर और बंद कमरों में राहत खोज लेता है, लेकिन मजदूर, रिक्शाचालक, रेहड़ी वाले और निर्माण कार्य में लगे श्रमिक खुले आसमान के नीचे झुलसते रहते हैं। विडंबना यह भी है कि गर्मी से राहत का सबसे लोकप्रिय साधन एयर कंडीशनर स्वयं संकट को बढ़ाने वाला कारक बनता जा रहा है। एक एयर कंडीशनर कमरे को ठंडा करता है, लेकिन बाहर उतनी ही गर्म हवा छोड़ता है। इसके साथ ही बिजली की खपत बढ़ती है, जिसका बड़ा हिस्सा अभी भी कोयला आधारित ऊर्जा से आता है। रेफ्रिजरेंट गैसें अतिरिक्त ग्रीनहाउस प्रभाव पैदा करती हैं। इस प्रकार एक दुष्चक्र निर्मित हो गया है-गर्मी बढ़ती है, एसी बढ़ते हैं, उत्सर्जन बढ़ता है और फिर गर्मी और बढ़ जाती है।

जलवायु परिवर्तन का प्रभाव केवल तापमान तक सीमित नहीं है। यह कृषि, खाद्य सुरक्षा, स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था पर भी व्यापक असर डाल रहा है। वैज्ञानिक अध्ययनों से संकेत मिले हैं कि बढ़ती गर्मी और अनिश्चित मौसम के कारण गेहूं, धान और अन्य फसलों की उत्पादकता प्रभावित हो रही है। गर्म हवाएं पौधों की वृद्धि रोकती हैं, जल स्रोतों को सुखाती हैं और मिट्टी की उर्वरता को प्रभावित करती हैं। यदि यही स्थिति बनी रही तो आने वाले वर्षों में खाद्य संकट भी गहरा सकता है। स्वास्थ्य क्षेत्र पर भी इसका गंभीर प्रभाव दिख रहा है। लू लगना, निर्जलीकरण, हीट स्ट्रोक, हृदय रोग और मानसिक तनाव जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं। अस्पतालों में गर्मी से जुड़ी बीमारियों के मरीजों की संख्या बढ़ रही है। सबसे अधिक खतरा बुजुर्गों, बच्चों, गर्भवती महिलाओं और बाहर काम करने वाले श्रमिकों को है।

गर्मी का यह संकट सामाजिक और मानवीय संकट भी बन सकता है। जल स्रोतों के सूखने, कृषि संकट और जीवन परिस्थितियों के बिगड़ने से बड़े पैमाने पर पलायन बढ़ सकता है। जैव विविधता पर भी इसका गहरा प्रभाव पड़ रहा है। अनेक जीव-जंतु और वनस्पतियां अपने प्राकृतिक आवास खो रही हैं। हजारों प्रजातियों के अस्तित्व पर संकट मंडरा रहा है। ऐसी स्थिति में सरकारों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। केवल रेड अलर्ट और ऑरेंज अलर्ट जारी करना पर्याप्त नहीं है। हीटवेव को राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन के प्रमुख विषय के रूप में स्वीकार करते हुए दीर्घकालिक नीतियां बनानी होंगी। सबसे पहले शहरों में हीट एक्शन प्लान को प्रभावी ढंग से लागू करना होगा। प्रत्येक शहर में हरित क्षेत्र बढ़ाने, जल संरक्षण, छायादार मार्ग, सार्वजनिक प्याऊ और शीतलन केंद्रों की व्यवस्था आवश्यक है। स्कूलों, कॉलेजों और कार्यस्थलों के समय निर्धारण में क्षेत्रीय तापमान को ध्यान में रखा जाना चाहिए। तीखी दोपहर में श्रमिकों के लिए कार्यावधि सीमित की जाए और उनके लिए विश्राम तथा पेयजल की व्यवस्था अनिवार्य हो।

सरकार को भवन निर्माण नीति में भी परिवर्तन लाना होगा। पारंपरिक भारतीय वास्तुकला-हवादार घर, आंगन, मिट्टी आधारित निर्माण, हरित छतें और प्राकृतिक वेंटिलेशन को बढ़ावा देना चाहिए। कांच की चमचमाती इमारतों और ऊष्मा अवशोषित करने वाले निर्माणों पर पुनर्विचार की आवश्यकता है। ÷कूल रूफ÷ तकनीक, वर्षा जल संचयन और सौर ऊर्जा आधारित शीतलन प्रणाली को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। वन संरक्षण और वृक्षारोपण केवल अभियान नहीं, राष्ट्रीय प्राथमिकता बनना चाहिए। शहरों में माइक्रो फॉरेस्ट, पार्क और हरित गलियारों का निर्माण किया जाए। जल निकायों और पारंपरिक तालाबों को पुनर्जीवित किया जाए क्योंकि वे स्थानीय तापमान नियंत्रण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। लेकिन केवल सरकारें यह लड़ाई नहीं जीत सकतीं। आम जनता को भी अपनी भूमिका समझनी होगी। हमें उपभोगवादी जीवनशैली पर पुनर्विचार करना होगा। पानी का संयमित उपयोग, ऊर्जा की बचत, वृक्षारोपण, सार्वजनिक परिवहन का उपयोग और स्थानीय पर्यावरण संरक्षण अब व्यक्तिगत विकल्प नहीं, सामाजिक जिम्मेदारी हैं।

भारतीय समाज में कभी सार्वजनिक प्याऊ, छायादार विश्राम स्थल और जल सेवा की समृद्ध परंपरा थी। गर्मियों में राहगीरों के लिए जल की व्यवस्था पुण्य कार्य माना जाता था। आज उस परंपरा को पुनर्जीवित करने की आवश्यकता है। समाज, धार्मिक संस्थाएं और स्वयंसेवी संगठन मिलकर जल सेवा और राहत कार्यों का अभियान चला सकते हैं। गर्मी और जल संकट को राजनीति का विषय बनाने के बजाय सहयोग और समाधान का विषय बनाना होगा। जल विवादों और संसाधनों पर स्वार्थपूर्ण राजनीति भविष्य को और कठिन बनाएगी। आवश्यकता इस बात की है कि जल प्रबंधन, पर्यावरण संरक्षण और जलवायु अनुकूलन को राष्ट्रीय सहमति का विषय बनाया जाए। वर्ष 2026 की यह झुलसाती गर्मी हमें चेतावनी दे रही है कि यदि हमने अभी भी प्रकृति के साथ संतुलन स्थापित नहीं किया तो आने वाले वर्षों में स्थिति और विकराल होगी। पृथ्वी का तापमान बढ़ेगा, जैव विविधता नष्ट होगी, खाद्य संकट गहराएगा और मानव जीवन अधिक कठिन हो जाएगा। यह समय प्रकृति से संघर्ष का नहीं, उसके साथ सामंजस्य का है। हमें विकास की ऐसी दिशा चुननी होगी जिसमें पर्यावरण, मानव जीवन और भविष्य सुरक्षित रह सके। अन्यथा वह दिन दूर नहीं जब सूरज की तपिश केवल असुविधा नहीं, अस्तित्व का संकट बन जाएगी।

-ललित गर्ग

वैचारिकता से उत्सर्जित आत्मगौरव और स्वाभिमान .चिंतन से अवलोकित आत्मप्रकाश

बैंक बोर्ड बैठकों में अहम मुद्दों पर ध्यान नहीं, क्यों जरूरी है गवर्नेंस में बड़ा बदलाव?

मनुष्य के जीवन में अध्ययन जितना आवश्यक है, उतना ही आवश्यक मनन और चिंतन भी है। केवल पुस्तक पढ़ लेना ही मानवीय उद्देश्य की पूर्णता नहीं है, बल्कि उससे प्राप्त ज्ञानामृत का आत्मसात करना, उसका मनन करना और जीवन में उतारना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। किसी भी पुस्तक का अध्ययन, उस पर गंभीर चिंतन और उसके संदेशों का अनुसरण मनुष्य के संस्कारों को परिष्कृत करता है तथा उसे उच्च आदर्शों की ओर अग्रसर करता है। इसलिए आवश्यक है कि मनुष्य केवल ज्ञानवर्धक पुस्तकों का अध्ययन ही न करे, बल्कि उनके विचारों पर निरंतर मनन भी करे, तभी जीवन के उद्देश्य सार्थक हो सकते है महात्मा गांधी जी ने कहा था पुराने वस्त्र पहनिए, पर नई पुस्तकें खरीदिए। उन्होंने पुस्तकों को रत्नों से भी अधिक मूल्यवान बताया, क्योंकि पुस्तकें अंतःकरण को प्रकाशित करती हैं। वास्तव में पुस्तकें केवल अक्षरों का संग्रह नहीं होतीं, वे अनुभव, संस्कार और सत्य का जीवंत भंडार होती हैं। जो व्यक्ति पुस्तकों से दूर रहता है, वह जीवन की अनेक सच्चाइयों से अनभिज्ञ रह जाता है। पुस्तकें मनुष्य को संघर्ष करना सिखाती हैं, कठिन परिस्थितियों में धैर्य देती हैं तथा जीवन का मार्गदर्शन करती हैं।

पूर्व राष्ट्रपति एपीजे कलाम साहब ने कहा था कि एक अच्छी पुस्तक सौ मित्रों के बराबर होती है और एक अच्छा मित्र एक पुस्तकालय के समान। वहीं शिक्षाविद चार्ल्स इलियट के अनुसार पुस्तकें सबसे शांत, स्थिर और धैर्यवान मित्र होती हैं। निस्संदेह, पुस्तकें मनुष्य के मानसिक, सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक, नैतिक तथा राजनीतिक विकास में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

प्राचीन काल से ही बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास के लिए श्रेष्ठ साहित्य की रचना की जाती रही है। पंचतंत्र तथा हितोपदेश इसके उत्कृष्ट उदाहरण हैं। इन ग्रंथों में नीति, व्यवहार, शिक्षा और जीवनोपयोगी ज्ञान को सरल कथाओं के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है। यही साहित्य भारतीय संस्कृति और सभ्यता के संरक्षण एवं प्रसार का आधार बना। पुस्तकों ने ही समाज को दिशा दी, संस्कृति को जीवित रखा और ज्ञान का विस्तार किया।

इतिहास, धर्म, राजनीति और संस्कृति से संबंधित पुस्तकें व्यक्ति के व्यक्तित्व विकास में अत्यंत सहायक होती हैं। वे हमें अतीत की घटनाओं, महान व्यक्तित्वों और सामाजिक मूल्यों से परिचित कराती हैं। डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन कहा था कि पुस्तकें वह साधन हैं जिनके माध्यम से हम विभिन्न संस्कृतियों के बीच सेतु का निर्माण कर सकते हैं। वास्तव में पुस्तकें समाज को जोड़ने, विचारों को परिष्कृत करने और मानवीय चेतना को जागृत करने का कार्य करती हैं। वर्तमान समय डिजिटल युग का युग है।

-संजीव ठाकुर

सुबह के 11ः00 बज रहे हैं। तारीख कौन सी थी इसे दरकिनार करते हुए सीधे उस जगह पहुंचते हैं जहां सार्वजनिक क्षेत्र के एक बैंक (पीएसबी) का निदेशक मंडल कक्ष (बोर्डरूम) है। महीने के इस दिन बोर्ड सचिवालय सुबह 7 बजे से काम शुरू कर देता है। पूर्वाह्न 11ः02 बजे निदेशक अंदर आते हैं। बैंक के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी के अलावा पूर्णकालिक निदेशक (दो कार्यकारी निदेशक), सरकार द्वारा नामित निदेशक, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा नामित निदेशक, चार्टर्ड अकाउंटेंट निदेशक और कुछ अन्य लोगों की मौजूदगी से बोर्ड रूम भारी भरकम हो जाता है।

एक स्वतंत्र निदेशक दूसरे शहर से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये जुड़े हैं। बोर्ड सचिव उनसे कहते हैं,'महोदय, कृपया पुष्टि करें कि आप अकेले हैं और लाइन सुरक्षित है।' वह सिर हिला कर इसकी पुष्टि करते हैं। फिर 11ः05 बजे चेयरमैन कंपनी सचिव की ओर मुखातिब होते हुए कहते हैं कि अगर सभी मौजूद हैं तो बैठक शुरू की जा सकती है। इसके बाद तत्काल पिछली बोर्ड बैठक की गूढ़ या मुख्य बातों पर चर्चा शुरू हो जाती है। 11ः06 बजे आइटम 1 पेश होता है, पिछली बोर्ड मीटिंग के मिनट्स की पुष्टि। प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी द्वारा हस्ताक्षरित मिनट्स स्क्रीन पर दिखाई देते हैं। इस रिपोर्ट पर कोई टीका टिप्पणी नहीं हुई और अध्यक्ष ने इसे पढ़ा हुआ मान लिया।

यह कवायद महज 90 सेकंड में समाप्त हो जाती है। फिर स्क्रीन पर एक दूसरी रिपोर्ट दिखनी शुरू हो जाती है। इसके अनुसार बोर्ड के 23 निर्देशों में 19 का अनुपालन किया गया और तीन पर काम चल रहा है। कोर बैंकिंग माइग्रेशन से संबंधित एक निर्देश में देरी हुई है। एक कार्यकारी निदेशक दो मिनट में देरी के कारणों की व्याख्या करते हैं और एक नई समय सीमा निर्धारित करते हैं।

संबंधित विभागों के प्रमुख, मुख्य जोखिम अधिकारी (सीआरओ) के साथ मिलकर प्रत्येक विषय पर तीन स्लाइडों के माध्यम से बैठक का संचालन करते हैं। ज्यादा सवाल नहीं पूछे जाते क्योंकि इन्हें पहले ही बोर्ड की जोखिम प्रबंधन समिति और लेखा परीक्षा समिति तथा बैंक की विभिन्न स्तरों की संबंधित समितियों द्वारा अनुमोदित किया जा चुका है।

इसी तरह, कई विषयों पर बेहद संक्षिप्त चर्चा होती है। दोपहर से ठीक पहले गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों (एनपीए) की स्थिति, साइबर घटनाएं, मानव संसाधन, सहायक कंपनियां आदि मसलों पर भी चर्चा होती है। इसी बीच, दो निदेशक अपनी घड़ियां देखते हैं क्योंकि दोपहर के भोजन के बाद बैंक के बाहर एक और बैठक निर्धारित है। 2 बजने के साथ ही मध्याह्न भोजन का समय हो जाता है। सभी को भोजन कक्ष में एकत्र होने के लिए कहा जाता है।

यह तो हुई बैठक और उसमें होने वाले तामझाम, मगर यह भी समझना जरूरी है कि आखिर निदेशक मंडल की ऐसी बैठकों के क्या मुख्य निष्कर्ष निकलते हैं? चूंकि, नीतियों की आरबीआई द्वारा निर्धारित और बोर्ड समितियों द्वारा पहले ही समीक्षा हो जाती है इसलिए समय केवल औपचारिकताओं को पूरा करने में व्यतीत होता है, रणनीति पर चर्चा नहीं होती। कोई नीति क्या कहती है और बैंक शाखाएं उनका क्रियान्वयन कैसे करती हैं उसका विश्लेषण बोर्ड मीटिंग में शायद ही कभी किया जाता है।

अंततः क्या महीने में एक बार तीन घंटे की (कभी-कभी महीने में दो बार या छह सप्ताह में) होने वाली ऐसी बैठकें खरबों रुपये के बहीखाते की निगरानी के लिए पर्याप्त हैं? आरबीआई की अप्रैल की मौद्रिक नीति में कारोबार करने में सुगमता को बढ़ावा देने के लिए तीन उपाय प्रस्तावित किए गए हैं। इनमें से पहला है बैंक बोर्ड के समय का बेहतर इस्तेमाल। यह प्रक्रिया सुगम बनाने के लिए सभी मौजूदा निर्देशों की व्यापक समीक्षा के बाद आरबीआई ने बैंक बोर्ड के ध्यान में आने वाले मामलों को संशोधित और तर्कसंगत बनाने का प्रस्ताव दिया है।

इससे पहले आरबीआई ने पिछले वर्ष नवंबर में आरबीआई (वाणिज्यिक बैंक ङ्क शासन) निर्देश 2025 जारी किए थे ताकि सार्वजनिक क्षेत्र एवं निजी क्षेत्र के और विदेशी बैंकों के लिए कंपनी संचालन को बढ़ाने वाला एक मजबूत ढांचा स्थापित किया जा सके। तत्काल प्रभाव? से लागू होने वाले इन निर्देशों का उद्देश्य बैंक बोर्ड की निगरानी, जोखिम प्रबंधन और जवाबदेही को मजबूत करना है।

पिछले कई वर्षों से कई बैंक बोर्ड नीतियां निर्धारित करने, जोखिम उठाने की क्षमता परिभाषित करने और रणनीति पर सवाल उठाने के बजाय परिचालन संबंधी छोटी-छोटी बातों में उलझे रहे हैं यानी व्यक्तिगत ऋणों को मंजूरी देना, विक्रेताओं की जांच करना, अधिकारियों की पदोन्नति पर विचार करना आदि तक सीमित रह जाते हैं। इससे शासन और प्रबंधन के बीच की सीमा अस्पष्ट हो गई जिससे कई बार वरिष्ठ अधिकारियों के साथ टकराव हुआ और नीतिगत निगरानी की गुणवत्ता कम हो गई। आरबीआई ने स्पष्ट संदेश दिया है कि निदेशकों को दिशा-निर्देश तय करने चाहिए, कड़े सवाल पूछने चाहिए और प्रबंधन को जवाबदेह बनाना चाहिए न कि रोजमर्रा के फैसलों के लिए पूर्णकालिक निदेशकों की भूमिका निभानी चाहिए।

बोर्ड को नीति, जोखिम लेने की क्षमता और भविष्य की रणनीति पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए और बैंक प्रबंधन को बोर्ड द्वारा अनुमोदित ढांचे के भीतर संचालन करना चाहिए। विशेष रूप से सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में एक लगातार चुनौती बोर्ड में रिक्त पदों की संख्या और विविधता में कमी रही है। बैंक निदेशक मंडल कक्ष में महिलाओं की अधिक गहन और प्रभावशाली भागीदारी के लिए पर्याप्त गुंजाइश है। कानूनी संरचना बैंक बोर्डों में विविधता के लिए पर्याप्त अवसर प्रदान करती है। बोर्ड को सूक्ष्म प्रबंधन से ध्यान हटाकर नीति अनुपालन की निगरानी पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

संक्षिप्त मगर बेहतर ढंग से तैयार कार्य सूची रखने की रणनीति जोखिम, आचरण और संस्कृति पर गहन जुड़ाव की अनुमति देंगे जबकि नियमित अनुमोदन बोर्ड द्वारा अनुमोदित प्रतिनिधिमंडल और समिति संरचनाओं के माध्यम से किए जा सकते हैं। दोहराव वाले या कम प्रभाव वाले मद कम कर आरबीआई चाहता है कि बोर्ड के पास नियमित आदेशों की लंबी सूची पर मुहर लगाने के बजाय अहम मुद्दों से निपटने के लिए समय और संसाधन हों। अद्यतन ढांचे के तहत बोर्ड से अपेक्षा की जाती है कि वे रणनीति, प्रमुख नीतिगत स्वीकृतियों और जोखिम उठाने की क्षमता के निर्धारण और नियमित समीक्षा पर अपना नियंत्रण बनाए रखें। उन्हें बड़े ऋणों, संबंधित पक्ष लेनदेन, सहायक कंपनियों के संचालन और समग्र आचरण एवं अनुपालन ढांचे की निगरानी का भी दायित्व सौंपा गया है। इसका उद्देश्य बोर्ड को दरकिनार करना नहीं है बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि जहां आवश्यक हो, वहां उनकी भागीदारी प्रासंगिक होनी चाहिए।

-धनंजय राजौरा

आत्म प्रकाशन से जुड़ा है पुरुषोत्तम मास का दीपदान

पुरुषोत्तम मास याने विक्रम संवत काल गणना पद्धति में ऐसा माह जिसमें नक्षत्र और राशि परिवर्तित नहीं होते अर्थात सूर्य एक ही राशि पर स्थिर हो जाता है । सूर्य एवं चंद्रमा की गति के आधार पर प्रत्येक तीन वर्ष के बाद एक माह ऐसा आता है जिसे अधिक मास कहा जाता है ।

इस काल में सभी मांगलिक कार्य निषिद्ध हैं परंतु यह जप तप स्वाध्याय एवं दान पुण्य के सञ्चय का अप्रतिम संयोग ले कर आता है । यह काल आत्म चिंतन, आत्म दर्शन एवं आत्म शुद्धि का काल है। पद्म पुराण में कहा गया है कि

पुरुषोत्तमम् मासे तु यत्कृते पुण्यकर्मणा ।
तत्सर्वमक्षयम ज्ञेयम् विष्णुलोक प्रदायकम ॥

विष्णुलोक लोक की प्राप्ति कराने वाला पुरुषोत्तम मास आखिर किस ओर संकेत कर रहा है इसे विस्तार से समझते हैं। इस एक माह के काल खण्ड में दीप दान का अप्रतिम महत्व है। दीपन करना, प्रकाश करना या ज्योति प्रज्वलित करना यह पुण्य कार्य देवत्व का प्रतीक है क्योंकि देवता वे हैं जो स्वयम् प्रकाशित होते हैं एवं अन्य को प्रकाशित करते हैं।

भारतीय ज्ञान परंपरा में प्रत्यक्ष को प्रमाण माना गया एवं अनुभव को प्रत्यक्ष ज्ञान माना गया क्योंकि वह मानव की ज्ञान इन्द्रियों पर अनुभूत होता है । दर्शन की भारतीय परंपरा में आत्मा के बोध का उल्लेख है अर्थात आत्मा का अनुभव होना ईश्वर से प्रत्यक्ष साक्षात्कार से जुड़ा है ।

स्वाध्याय का यही महत्व है कि अध्ययन से आत्म जागरण की कला को जाना जाए। दान का महत्व भी यहीं से जुड़ा है कि धन के तीन उपयोगों दान भोग एवं नाश में दान विरक्ति से ही उपजता है । जो आत्म बोध की अनिवार्य शर्त है। जप एवं तप तो आत्म ज्ञान के उद्देश्य के प्रबल कारक हैं हीं। तो कुल मिलाकर निष्कर्ष यह है कि आत्मा के जागरण एवं श्री विष्णुदेव के सत्वगुणी मार्ग के अवलम्बन का यही काल है। इड़ा पिंगला और सुषुम्ना नाड़ी के त्रिसंग में भी इड़ा तमो गुणी प्रवृत्ति का द्योतक है और पिंगला रजो गुण को संजोती है जबकि मध्य नाड़ी विष्णु ग्रंथि विभेदिनी शक्ति के साथ सत्व गुणों के दीपन की कारक है। इसलिए दीप प्रज्ज्वलित करने से तात्पर्य सत्वगुणी हो कर आत्मा का दीपक जला कर स्वयं के आत्म प्रकाशन से है। आत्म प्रकाशित व्यक्ति को ही अधिकार है कि वह अन्य को आत्मबोध की अनुभूति करा सके । भारतीय योग दर्शन में ध्यान धारणा का महत्व यम नियम से अग्रिम सोपान में जुड़ता है जो संकेत देता है कि कारक एवं निषिद्ध कर्मों का बंधन एक सीढ़ी मात्र है वास्तविक लक्ष्य तो आत्म जागरण है । त्रिदेवों के कार्यों में श्रीब्रह्मा सृजन के श्रीविष्णु पालन के एवं श्री शिव पुनर्सृजन हेतु विनाश के देव कहे गए हैं इस दृष्टि से अन्नदान , जलदान एवं वस्त्र दान भी नाभि से जुड़ा है जो विग्रह का द्योतक है । औषधि दान जीव जंतु पर करुणा एवं वृक्षारोपण भी पोषण कार्य से जुड़ा होने के कारण श्री विष्णु को प्रिय है। नाभि की संतुष्टि से ही उत्थान का मार्ग प्रशस्त होता है । अतः दान के पश्चात दीपन का महत्व है आत्मप्रकाश भारत के दर्शन में परम लक्ष्य कहा गया इसे ही मुक्ति का मार्ग अर्थात मोक्ष कहा गया ।

सहजयोग की आत्मसाक्षात्कार पद्धति श्री माता जी निर्मला देवी प्रणित एक ऐसी खोज है जो कलयुग में अर्थाभाव समयाभाव एवं परिश्रम साध्य होने के तीनो अवगुणों के ऊपर है । यह निशुल्क है , तत्क्षण आत्म दर्शन की नवीन पद्धति है जो समय बचाती है और स्वयं को जानने की उत्सुकता बढ़ाती है। मात्र कुछ ही मिनिट प्रतिदिन अभ्यास से यह बीज के अंकुरण की भाँति कोंपल कोंपल बढ़ने लगती है। सरल एवं सहज होने के कारण बच्चे बूढ़े महिला पुरुष शिक्षित अर्ध शिक्षित अशिक्षित सभी इसे अपना सकते हैं। मानव जाति के उत्थान के लिए की गई इस खोज को अनुभव ज्ञान से सीख कर अन्य को भी सिखाया जा सकता है। पुरुषोत्तम काल में स्वयं को पुरुषोत्तम गढ़ने महा मानव बनाने का समय है ।

भारत में तेजी से बदलते रोजगार परिदृश्य पर नीति निर्माताओं को देना होगा ध्यान

बड़े चुनावों से पहले अक्सर जनता की नब्ज टटोलने के लिए सर्वेक्षण कराए जाते हैं। इन सभी सर्वेक्षणों में मोटे तौर पर यह निकल कर आता है कि बेरोजगारी मतदाताओं के लिए सबसे अहम मुद्दों में एक है। अक्सर ऐसा देखा गया है कि अधिकांश राजनीतिक दल सत्ता में आने पर बड़े पैमाने पर रोजगार मुहैया करने का वादा करते हैं। लेकिन रोजगार उपलब्ध कराना एक ऐसा वादा है जो राजनीतिक दल सत्ता में आने के बाद कभी पूरा नहीं कर पाते। यह बात उन राजनीतिक दलों पर भी लागू होती है जो लंबे समय से सत्ता में हैं या रहे, चाहे वह पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस (15 व?र्ष) हो या बिहार में जनता दल (यूनाइटेड)। अन्य राज्यों में भी स्थिति बेहतर नहीं है और उन राज्यों में भी नहीं जहां तुलनात्मक रूप से राजनीतिक स्थिरता है। सिद्धांत रूप में अगर हम यह मान भी लें कि रोजगार से जुड़ी समस्या का कोई अल्पकालिक समाधान नहीं है तो यह बात भी उतनी ही सच है कि लंबे समय तक सत्ता पर काबिज रहने के भी कोई खास परिणाम नहीं दिखे हैं।

ऐसा इसलिए है क्योंकि न तो अर्थशास्त्री और न ही राजनीतिज्ञ इस कठोर वास्तविकता को स्वीकार करना चाहते हैं। जब तक हम इसे स्वीकार नहीं नहीं करते तब तक रोजगार की समस्या का प्रभावी ढंग से समाधान नहीं किया जा सकेगा। हमें यह बात अच्छी लगे या न लगे मगर सच तो यह है कि भारत में व्यापक स्तर पर रोजगार का भविष्य या तो गिग व्यवस्था (अस्थायी) और अनुबंध (कॉन्ट्रैक्ट) आधारित होगा या वर्ष 2030 तक रोजगार बाजार में कदम रखने वाले अधिकांश युवाओं के लिए स्व-रोजगार ही सहारा होगा। हमारी युवा आबादी यानी 15-29 वर्ष की आयु वर्ग के कामकाजी लोगों की संख्या तब तक चरम पर पहुंचने की बात कही जा रही है। इस सच्चाई को स्वीकार करने के लिए नीति-निर्माताओं और नौकरी की चाह रखने वालों, दोनों की मानसिकता में बदलाव की जरूरत है।

आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) और स्वचालन (ऑटोमेशन) के बीच कंपनी क्षेत्र के सामने पेश आ रही आंतरिक और बाहरी प्रतिस्पर्द्धी चुनौतियों और सर

देवास में आबकारी का बड़ा एक्शनः इंदौर की अवैध शराब का जखीरा पकड़ा, फरार रोहित चावड़ा पर 34(2) का केस

2 वाहन समेत 65.76 लीटर शराब जब्त, अवैध नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भी जांच शुरू

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर ऋतुराज सिंह के निर्देशन एवं सहायक आबकारी आयुक्त मनीष खरे के मार्गदर्शन में आबकारी विभाग ने अवैध शराब कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए इंदौर जिले की भारी मात्रा में अवैध शराब जब्त की है। कार्रवाई के दौरान फरार आरोपी रोहित चावड़ा के खिलाफ मध्य प्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(2) के तहत प्रकरण दर्ज किया गया। जिले में कुल 04 प्रकरण पंजीबद्ध करते हुए 02 वाहन समेत 65.76 लीटर शराब जब्त की गई।

आबकारी विभाग की टीम ने 21 मई 2026 को देवास शहर के संदिग्ध इलाकों में दबिश कार्रवाई की। मुखबिर सूचना पर शांतिपुरा गली नंबर-4 स्थित रोहित चावड़ा के मकान पर छापा मारा गया। कार्रवाई के दौरान आरोपी मौके से फरार मिला, लेकिन उसके मकान से 26 बोतल अंग्रेजी शराब, 96 पाव अंग्रेजी शराब तथा 81 पाव देशी प्लेन शराब जब्त की गई। कुल 51.36 बल्क लीटर मदिरा बरामद होने पर आरोपी के खिलाफ नए प्रावधानों के तहत धारा 34(2) का मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

आबकारी विभाग के अनुसार रोहित चावड़ा के खिलाफ पूर्व में भी आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज हैं। विभाग अब इस अवैध शराब नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच कर रहा है।

इसी अभियान के तहत पुष्पराज होटल से 10 पाव प्लेन शराब जब्त की गई, जबकि बिहारीगंज में 50 पाव प्लेन शराब के साथ एक TVS जुपिटर वाहन पकड़ा गया। वहीं शांतिपुरा क्षेत्र से 20 पाव प्लेन शराब एवं एक अन्य TVS जुपिटर वाहन जब्त किया गया। जब्त मदिरा और वाहनों की कुल कीमत लगभग 1 लाख 51 हजार रुपये बताई गई है।

कार्रवाई में सहायक जिला आबकारी अधिकारी नीलेश पवार, आबकारी उपनिरीक्षक प्रेम यादव, मुख्य आरक्षक दीपक धुरिया, राजाराम रैकवार, आरक्षक बालकृष्ण जायसवाल, दीपक तटवाड़े, निहाल खत्री एवं आशीष गुप्ता शामिल रहे। विभाग ने स्पष्ट किया है कि अवैध मदिरा के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा।

कलेक्टर सिंह ने तीन कर्मचारियों को अनुकंपा नियुक्ति पत्र प्रदाय किये

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला स्तर पर शासकीय विभागों में कार्यरत कर्मचारियों के आकस्मिक निधन उपरान्त शासन निर्देशानुसार परिवार के आश्रित सदस्यों में से अनुकंपा नियुक्ति प्रदाय किये जाने के निर्देशों के तहत शुक्रवार को राजस्व विभाग अंतर्गत दिवगंत कर्मचारी स्व. मंयक बारोड की पत्नि श्रीमती शिखा बारोड देवास, स्व. श्री रमेशचंद्र पर्ते के पुत्र राहुल पर्ते को सहायक ग्रेड तीन तथा स्व. श्री सौदान सिंह रावत के पुत्र अभिषेक रावत को भृत्य के पद पर अनुकंपा नियुक्ति प्रदाय की जाकर ऋतुराज कलेक्टर जिला देवास द्वारा संबंधितों को समक्ष में आदेश प्रदान किये गये। उल्लेखनीय है कि जिले में राजस्व एवं विभिन्न विभागो के अंतर्गत अनुकंपा नियुक्ति के लंबित 20 प्रकरणों में से 03 प्रकरणों में राजस्व विभाग में नियुक्ति आदेश प्रदाय किये गये है तथा 06 प्रकरणों में अन्य विभागो में रिक्त सहायक ग्रेड तीन पदों पर नियुक्ति की प्रकिया प्रचलित है।

परिवहन विभाग ने 2 बसों के फिटनेस निरस्त कर, 11 बसों से 55 हजार का राजस्व वसूला

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर ऋतुराज सिंह के निर्देशानुसार जिले में परिवहन विभाग द्वारा लगातार कार्यवाही की जा रही है। इस कड़ी में ट्रैफिक पुलिस एवं परिवहन विभाग के जांच दल द्वारा इंदौर-देवास तथा इंदौर-उज्जैन मार्ग पर यात्री बसों की जांच के लिए विशेष जांच अभियान चलाया गया। जांच के दौरान बसों में यात्रियों की सुरक्षा, वैध दस्तावेज, परमिट, फिटनेस, बीमा, पार्टिशन गेट आदि दस्तावेजों की जांच की गई। जांच कार्यवाही के दौरान बसों के अंदर से पार्टिशन गेट और स्लाइडिंग हटवाई गई, आपातकालीन खिड़की को खुलवाकर चेक किया गया।जिला परिवहन अधिकारी श्रीमती निशा चौहान ने बताया कि आगे भी इस तरह का जांच अभियान जारी रहेगा। ताकि सड़कों पर केवल सुरक्षित और नियमों का पालन करने वाले वाहन ही चल सके।

सीएमएचओ ने किया टीकाकरण शिविर का निरीक्षण

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। सीएमएचओ डॉ. सुधीर कुमार डेहरिया ने ग्राम अमलाहा में आयोजित टीकाकरण शिविरों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्देश दिए कि सभी बच्चों का समय पर टीकाकरण सुनिश्चित किया जाए। टीकाकरण बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं को गंभीर बीमारियों से सुरक्षित रखने का सबसे प्रभावी माध्यम है। उन्होंने टीकाकरण रजिस्टर के साथ ही वैक्सीन उपलब्धता की जानकारी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। सीएमएचओ के साथ ही स्वास्थ्य विभाग के अनेक अधिकारियों ने अलग-अलग केंद्रो पर जाकर शिविरों का निरीक्षण किया। उल्लेखनीय है कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा सभी शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं पर प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को शिविर लगाकर गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों का विभिन्न बीमारियों से बचाव के लिए टीकाकरण किया जा रहा है। इसके साथ ही प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस मनाया जाता है, जिसके तहत शिविर लगाकर टीकाकरण के साथ ही बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं को अन्य स्वास्थ्य सेवाएं भी उपलब्ध कराई जाती है। जिले में 22 मई को आयोजित शिविरों में शून्य से एक वर्ष की आयु के 317 बच्चों तथा एक वर्ष से अधिक आयु के 152 बच्चों का टीकाकरण किया गया। इसके साथ ही 76 गर्भवती महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।

विधायक ने पूरा किया वादा, भूमिपूजन कर शुरू कराया गौशाला का निर्माण कार्य

आधुनिक होगा गौशाला का निर्माण, 2000 गायों के आवास की रहेगी व्यवस्था, तालाब का भी होगा निर्माण

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। तालाब खेड़ा रोड स्थित कांजा बल्डी पर विधायक ने आधुनिक गौशाला का भूमिपूजन किया। इसके साथ ही वहां निर्माण कार्य भी शुरू करवा दिया गया, जिसके चलते जल्द ही बेसहारा गायों व नंदी को आधुनिक गौशाला मिलेगी, जहां खाने के साथ ही पीने के पानी की भी पूरी व्यवस्था होगी। इसके लिए विधायक ने सितंबर माह में गौशाला निर्माण का वादा किया था और शुक्रवार को उन्होंने अपना वादा पूरा कर दिया।

भूमिपूजन समारोह को संबोधित करते हुए विधायक अरूण भीमावद ने कहा कि इस गौशाला के निर्माण के लिए 1 करोड़ रुपए की राशि प्रदान की गई है। इस आधुनिक परिसर में लगभग 2000 गौवंश को सुरक्षित रखने की क्षमता होगी। सुरक्षा के लिए परिसर के चारों ओर मजबूत बाउंड्री वॉल का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस गौशाला परिसर में गौवंश के पीने के पानी की सुविधा के लिए एक विशेष तालाब का निर्माण कराया जाएगा और यदि निर्माण कार्य के दौरान अतिरिक्त बजट की आवश्यकता हुई तो मध्यप्रदेश सरकार की ओर से और राशि उपलब्ध कराई जाएगी। लेकिन कार्य में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। क्योंकि गौ सेवा हमारी भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा की आत्मा है। उन्होंने इस परियोजना को समाज में सेवा भाव और संस्कारों को मजबूत करने वाला कदम बताया। इस अवसर पर कलेक्टर ऋजू बाफना, भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ. रवि पांडे, एसपी यशपालसिंह राजपूत, राजस्थान से पधारे संत भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन गौशाला सचिव राजेंद्र नागर ने किया तथा आभार सर्व हिंदू उत्सव समिति अध्यक्ष पं. आशीष नागर ने माना। इस अवसर पर नपा उपाध्यक्ष पं. संतोष जोशी, ग्रामीण मंडल अध्यक्ष हरिओम गोठी, संस्था अध्यक्ष दिनेश नवाब, गोविंद नायक, विकास सिंदल, प्रेस क्लब अध्यक्ष दीपक चौहान, एएसपी घनश्याम मालवीय, कोतवाली थाना प्रभारी संतोष वाघेला, एसडीएम मनीषा वास्कले, तहसीलदार गौरव पोरवाल सहित सभी सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारी, सभी समाजों के अध्यक्षों सहित बड़ी संख्या में गौभक्त उपस्थित थे।

गौपूजन से की कार्यक्रम की शुरूआत- कार्यक्रम में पहुंचे विधायक ने सर्वप्रथम दो गायों का विधि-विधान से पूजन किया। उन्होंने गौ माता का पूजन कर उनका आशीर्वाद लिया और कहा कि गौ माता की सेवा और सुरक्षा करना हम सभी भारतवासियों का परम धर्म है। इसे सभी को निभाना चाहिए। आज जो गौशाला का निर्माण होने जा रहा है यहां पर गायों और नंदियों के लिए सभी सुविधाएं रहेंगी ताकि कोई गौ माता बेसहारा और भूखी-प्यासी नहीं रहेगी।

विधायक ने पूरा किया वादा- गोपाल गौशाला की बैठक में उपस्थित हुए विधायक अरूण भीमावद ने गौशाला समिति के पदाधिकारियों से गौशाला का जल्द निर्माण कराने और हर संभव मदद का वादा किया था। जिसे उन्होंने पूरा किया और शुक्रवार को गौ माता के लिए आधुनिक गौशाला निर्माण का भूमिपूजन कर इसकी आधारशिला रखी। जिसका निर्माण कार्य भी शुरू कर दिया गया जो जल्द ही बनकर तैयार होगी।

मुखबिर की सूचना पर 13 माह बाद धराया मीडियाकर्मी पर हमला करने वाला मुख्य आरोपी

पुलिस ने की थी इनाम की घोषणा, पुलिस को देख भागने लगा आरोपी, घेराबंदी कर पकड़ा

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। गत वर्ष मीडियाकर्मी पर जानलेवा हमला करने वाले मुख्य आरोपी अफजल को लालघाटी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपी लोंदिया रोड पर घूम रहा था जिसकी सूचना पुलिस को मुखबिर से मिली। जैसे ही पुलिस मौके पर पहुंची आरोपी उन्हें देखकर भागने लगा, जिसे घेराबंदी कर पुलिस ने पकड़ लिया। जिसके न्यायालय में पेश किया गया जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

दरअसल पुराने कवरेज के मामले में नगर के मीडियाकर्मी मुकेश (38) पिता रमेशचंद्र राठौर निवासी सोमवारिया बाजार को 16 अप्रेल 2025 को ज्योतिनगर क्षेत्र में मुख्य आरोपी इकबाल खान ने आवाज लगाकर बुलाया और अपने दो बेटों और पत्नी के साथ मिलकर बर्बरतापूर्वक मारपीट की थी। इस दौरान आरोपियों ने डंडे से वार करके मुकेश का पैर फ्रेक्चर कर दिया था। मामले में लालघाटी पुलिस ने मुकेश की शिकायत पर आरोपी इकबाल खान, अफजल पिता इकबाल खान, अल्फेज पिता इकबाल खान और इकबाल की पत्नी सुल्ताना बी चारों निवासी ज्योतिनगर शाजापुर के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया था और तीन आरोपी अल्फेज, इकबाल और सुल्ताना बी को पुलिस ने उसी दिन गिरफ्तार भी कर लिया था। पुलिस द्वारा चौथे मुख्य आरोपी इकबाल खान की तलाश की जा रही थी। जिस पर पुलिस ने 5 हजार रू. का इनाम भी घोषित किया था।

पूरा परिवार आदतन अपराधी- जानकारी के अनुसार घटना के मुख्य फरार आरोपी इकबाल खान के खिलाफ शाजापुर सहित आसपास के जिलों एवं प्रदेश भर के अलग-अलग थानों में चार दर्जन से ज्यादा प्रकरण दर्ज हैं। इसमें मुख्य रूप से प्रशु क्रुरता अधिनियम, गोवंश प्रतिषेध अधिनियम, मारपीट आदि के मामले दर्ज हैं। वहीं जानलेवा हमले के आरोपी अफजल के खिलाफ भी अलग-अलग थानों में पशु क्रुरता, गोवंश प्रतिषेध अधिनियम, मारपीट, प्राणघातक हमले सहित अन्य मामलों में प्रकरण दर्ज हैं। पुलिस द्वारा आरोपी अफजल के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई भी की जा चुकी हैं। इस दौरान आरोपी से एक लाख रुपए का बांड ओवर भी भरवाया गया था। पुलिस के अनुसार इस मामले में भी कार्रवाई की गई हैं। बताया गया कि मामले की आरोपी सुल्ताना बी पति इकबाल खान के खिलाफ भी मारपीट और अन्य मामले दर्ज हैं।

विभिन्न संगठनों ने सौंपे ज्ञापन, की थी कड़ी कार्रवाई की मांग- मीडियाकर्मी मुकेश राठौर पर हुए जानलेवा हमले के बाद विभिन्न संगठनों ने इस हमले की कड़ी निंदा करते हुए पुलिस से उचित कार्रवाई की मांग की थी। मामले में राठौर क्षत्रिय समाज, करणी सेना परिवार, हिन्दू जागरण मंच व पत्रकारों सहित जनप्रतिनिधियों ने भी ज्ञापन सौंपकर पुलिस से सभी आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर उचित कार्रवाई की मांग की थी। जिसके चलते पुलिस ने उसी दिन कुछ आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था। जबकि अफजल तभी से फरार चल रहा था जो शुक्रवार को पुलिस गिरफ्त में आ गया।

लोंदिया रोड से धराया अफजल- शुक्रवार को पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि मीडिया कर्मी पर हमला करने वाला आरोपी अफजल पिता लोंदिया रोड पर है। इस सूचना पर जैसे ही पुलिस वहां पहुंची तो पुलिस को देखकर आरोपी अफजल भागने लगा। जिसे पकड़ने के लिए पुलिस ने घेराबंदी की और उसे धरदबोचा। जिसे पुलिस ने न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया। इस कार्रवाई में प्रधान आरक्षक अरविंद तिलावदिया, जसवंत जाटव, चंद्रपाल जाट की सराहनीय भूमिका रही। उल्लेखनीय हे कि आरोपी के खिलाफ जिला बदर की कार्रवाई की गई थी जिसकी अवधि 19 मई को समाप्त हो गई थी। फिर भी आरोपी प्रतिबंधात्मक क्षेत्र में मौजूद था। लालघाटी थाना प्रभारी अर्जुनसिंह मुजाल्दे ने बताया कि आरोपी द्वारा अगर अब कोई अपराध किया जाता है तो उसके खिलाफ एनएसए (रासुका) की कार्रवाई की जाएगी।

पानी की उपलब्धता हो तो हरी खाद की फसलें बोएं, मृदा के स्वास्थ्य में सुधार करें

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कृषि वैज्ञानिक के अनुसार खेती में हरी खाद उस सहायक फसल को कहते हैं जिसकी खेती मुख्यतः भूमि में पोषक तत्वों को बढ़ाने एवं जैविक पदार्थ की पूर्ति करने के लिए की जाती है। ऐसी फसल को फूल आने से पहले कल्टीवेटर चलाकर मिट्टी में मिला दिया जाता है। हरी खाद से लाभ हरी खाद के उपयोग से मृदा में नाइट्रोजन व कार्बनिक पदार्थ की पूर्ति होती है। मृदा संरचना में सुधार, वायु संचार एवं जलधारण क्षमता में वृद्धि होती है। मृदा में सूक्ष्म जीवों की संख्या व क्रियाशीलता बढ़ती है। कृषि वैज्ञानिक के अनुसार हरी खाद की फसलें हरी खाद के लिए दलहनी फसल सनई, ढेंचा, लोबिया, मूंग, उड़द ज्वार आदि फसलों का उपयोग करें। इन फसलों की जल मांग व उर्वरक की आवश्यकता कम होती है, जिससे कम लागत में अधिक कार्बनिक पदार्थ मिलता है। दलहनी फसलों की जड़ों में नाइट्रोजन को वातावरण से मृदा में स्थिर करने वाले जीवाणु राइजोबियम पाए जाते हैं। सनई, ढेंचा फसल की बुवाई के लिए बीज दर 40 से 50 किग्रा प्रति हेक्टेयर एवं मूंग, उड़द की बुवाई के लिए बीज दर 20 से 25 किग्रा प्रति हेक्टेयर की दर से उपयोग करें।

कृषि वैज्ञानिक के अनुसार हरी खाद की फसल लेने की विधियां... पानी की व्यवस्था होने पर मई के अंतिम सप्ताह में हरी खाद की फसलों की बुवाई करें या मानसून आने पर बोएं। बुवाई के 30 से 35 दिन बाद फूल आने से पहले खेत में पाटा लगाकर या कल्टीवेटर लगाकर हरी खाद की फसल को खेत में मिला दें। इस दौरान ध्यान रखें कि हरी खाद की फसल 15 से 20 सेंटीमीटर की गहराई पर पलटे। समय से पहले पलटने से पर्याप्त कार्बनिक पदार्थ नहीं मिलते एवं देर से पलटने से रेशा अधिक होने से फसल को सड़ने-गलने में अधिक समय लगता है।

डिवाईन पब्लिक हायर सेकेण्डरी स्कूल से अक्ष गाँधी का विज्ञान मंथन यात्रा स्कॉलरशिप के लिए हुआ चयन

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर की अग्रणीय संस्था डिवाईन पब्लिक हायर सेकेण्डरी स्कूल से विज्ञान मंथन यात्रा की स्कॉलरशिप पात्रता में विद्यालय के होनहार बालक अक्ष गाँधी का चयन हुआ है। जिसमें मध्यप्रदेश शासन द्वारा 5 वर्षों तक 12,000 रुपये प्रतिवर्ष विद्यार्थियों को प्रदान किये जाते हैं। प्रतिवर्ष डिवाईन पब्लिक हायर सेकेण्डरी स्कूल से अनेक विद्यार्थी शासन की इस महत्वपूर्ण योजना से लाभान्वित हो रहे हैं। विज्ञान मंथन यात्रा में विद्यालय से अब तक 77 बालक-बालिकाओं द्वारा अनेक शहरों अंतरिक्ष अनुसंधान केन्द्रों का भ्रमण किया गया है। संस्था के संचालक निर्मल मेहता, प्राचार्य सुनील नागोरी, व्यवस्था प्रभारी रामलाल धाकड़, विज्ञान मंथन यात्रा मार्गदर्शक मुरली धाकड़, जसराज शर्मा,धर्मराज धाकड़, गिरीराज सोनी और समस्त विद्यालय परिवार द्वारा विद्यार्थी अभिभावकों को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएँ और बधाईयाँ प्रेषित की गई।

नीमच में सियासी बवाल- राहुल गांधी के 'गद्दार' बयान पर माधव मारू की शिकायत

कांग्रेस का प्रदर्शन, सोशल मीडिया पर बढ़ा टकराव

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय राजनीति का असर अब जिले की सियासत में खुलकर दिखाई दे रहा है। रायबरेली में आयोजित कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह पर तीखा हमला बोलते हुए उन्हें गद्दार कहा।

इसके साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि ये लोग देश को बेचने और संविधान पर हमला करने का काम कर रहे हैं।

इस बयान के बाद नीमच में राजनीतिक माहौल अचानक गरमा गया।

विधायक माधव मारू की शिकायत- राहुल गांधी के बयान के विरोध में मनासा विधायक अनिरुद्ध माधव मारू ने थाना मनासा में लिखित आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की।

अपने पत्र में उन्होंने कहा- देश के प्रधानमंत्री और गृहमंत्री के लिए इस तरह की अभद्र भाषा का प्रयोग लोकतांत्रिक मर्यादाओं के खिलाफ है और इससे लाखों कार्यकर्ताओं की भावनाएं आहत हुई हैं। मामले में उचित कानूनी कार्रवाई की जाए।

रामपुरा में पुतला दहन, कांग्रेस का विरोध- विधायक के इस कदम के विरोध में रामपुरा में कांग्रेस कार्यकर्ता जिलाध्यक्ष तरुण बाहेती के नेतृत्व में सड़क पर उतर आए। देर रात कांग्रेस समर्थकों ने विधायक माधव मारू का पुतला दहन कर जोरदार नारेबाजी की।

प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया- माधव मारू ने सस्ती लोकप्रियता हासिल करने के लिए यह कदम उठाया है, कांग्रेस इसका जोरदार विरोध करेगी।

राजेंद्र सिंह तोमर का सोशल मीडिया वार- मामले ने और तूल तब पकड़ा जब कांग्रेस नेता राजेंद्र सिंह तोमर ने सोशल मीडिया पर विधायक को लेकर लिखा माधव मारू तेरे जैसे तो वहां उसके जूते के बराबर भी नहीं है।

इस पोस्ट के बाद सियासी बयानबाजी और तेज हो गई।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष तरुण बाहेती ने भी तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा- विधायक माधव मारू द्वारा राहुल गांधी के खिलाफ थाने में दिया गया आवेदन सस्ती लोकप्रियता पाने का प्रयास है। कांग्रेस इस मुद्दे पर चुप नहीं बैठेगी, जरूरत पड़ी तो जिलेभर में उग्र आंदोलन किया जाएगा।

इस मामले में मनासा थाना प्रभारी नीलेश अवस्थी ने कहा कि- मनासा विधायक अनिरुद्ध माधव मारू की ओर से शिकायत पत्र मिला है। मामले में तमाम बिंदुओं पर जांच की जा रही है बयान का भी अवलोकन किया जा रहा है। जो भी नियमानुसार कार्रवाई होगी जांच उपरांत की जाएगी।

रायबरेली से दिया गया एक बयान अब नीमच में बहुस्तरीय सियासी टकराव में बदल चुका है। बयान .. शिकायत ..सड़क पर विरोध .. सोशल मीडिया वार।

यह मामला दिखाता है कि राष्ट्रीय राजनीति की चिंगारी अब सीधे जिलों की सियासत में आग बन रही है। फिलहाल नीमच में सियासत उफान पर है–अब देखना होगा कि यह टकराव और बढ़ता है या प्रशासनिक स्तर पर थमता है।

नशा मुक्ति के लिए कड़ी निगरानी और प्रभावी कार्रवाई के कलेक्टर-एसपी ने दिए निर्देश

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री बालागुरू के. की अध्यक्षता में नार्को कॉर्डिनेशन सेंटर समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर श्री बालागुरू के. तथा एसपी श्रीमती सोनाक्षी सक्सेना ने नशा उन्मूलन एवं मादक पदार्थों की तस्करी पर नियंत्रण को लेकर विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने कहा कि नागरिकों को नशे की प्रवृत्ति से बचाना प्रशासन का उद्देश्य है। इसके लिए तस्करों और अवैध गतिविधियों पर कड़ी निगरानी के साथ-साथ समाज में जागरूकता बढ़ाना भी आवश्यक है। उन्होंने निर्देश दिए कि स्कूल-कॉलेजों में नशा उन्मूलन जागरूकता कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाएं। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने कहा कि जिले में संवेदनशील स्थानों पर सतत् निगरानी रखी जाए। उन्होंने डीएफओ को जिले में अफीम, भांग आदि मादक फसलों की अवैध खेती पर कड़ी निगरानी रखने तथा ऐसी गतिविधियों को तुरंत चिन्हित कर कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

समीक्षा बैठकजनगणना-2027 के तहत कार्यों की प्रगति एवं गुणवत्ता के संबंध में बैठक संपन्न

बुरहानपुर/ आयूष भावसार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में जारी जनगणना-2027 के प्रथम चरण अंतर्गत मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना कार्यों की प्रगति, गुणवत्ता का निरीक्षण एवं पर्यवेक्षण करने हेतु शुक्रवार को जनगणना निदेशालय भोपाल से आए संयुक्त निदेशक एवं कार्यालय प्रमुख श्री रामावतार पटेल की अध्यक्षता में संयुक्त जिला कार्यालय सभाकक्ष में समीक्षा बैठक आयोजित की गई।बैठक में डिप्टी कलेक्टर श्री राजेश पाटीदार, जिला प्रभारी श्री विनय श्रीवास्तव, अतिरिक्त जिला जनगणना अधिकारी श्रीमती लूसिया रावत सहित मास्टर ट्रेनर्स, चार्ज अधिकारी एवं संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।बैठक में संयुक्त निदेशक श्री रामावतार पटेल ने उपस्थित अधिकारियों एवं जनगणना दल को अपने-अपने दायित्वों का गंभीरता, गुणवत्ता एवं समयबद्धता के साथ निर्वहन करने के निर्देश दिए। प्रगणकों को निर्देशित किया गया कि वे नागरिकों से सभी प्रश्न यथास्वरूप एवं निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार पूछकर सही जानकारी दर्ज करें।बैठक में संयुक्त निदेशक श्री पटेल द्वारा जनगणना प्रपत्र में शामिल विभिन्न बिंदुओं जैसे शौचालय, इंटरनेट सुविधा, गैस कनेक्शन, नाली निकासी सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं की जानकारी सही ढंग से दर्ज करने के संबंध में विस्तारपूर्वक मार्गदर्शन दिया गया। बैठक में निर्देश दिए गए कि निर्धारित समय-सीमा के पूर्व सभी त्रुटियों एवं डुप्लीकेसी का सुधार कर लिया जाए।

नीलामी के बाद किसान ने बदली गेहूं से भरी ट्रॉली, व्यापारी को लगाया करीब 50 हजार का चूना

बदनावर मंडी प्रशासन की सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। स्थानीय कृषि उपज मंडी में एक किसान द्वारा व्यापारी के साथ धोखाधड़ी (420) करने का एक बेहद चौंकाने वाला मामला सामने आया है। नीलामी में ऊंचा भाव मिलने और पूरा भुगतान नकद प्राप्त करने के बाद, किसान ने चालाकी दिखाते हुए असली माल से भरी ट्रॉली को मंडी प्रांगण से बाहर निकाल दिया और उसकी जगह कम वजन के घटिया गेहूं से भरी दूसरी ट्रॉली खड़ी कर दी। इस धोखाधड़ी से व्यापारी को करीब 20 से 22 क्विंटल गेहूं जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 50,000 रुपये का सीधा नुकसान हुआ है। मामले की गंभीरता को देखते हुए ग्रेन मर्चेंट एसोसिएशन बदनावर ने मंडी सचिव को लिखित शिकायत सौंपकर निष्पक्ष जांच की मांग की है।

क्या है पूरा मामला- प्राप्त जानकारी के अनुसार, दिनांक 21 मई 2026 को मंडी प्रांगण में नीलामी के दौरान ग्राम अकोलिया तहसील सरदारपुर के किसान मोहित का गेहूं मेसर्स अमित ट्रेडिंग कंपनी द्वारा खरीदा गया था। नियमानुसार गेहूं का तौल मंडी के बड़े तौल कांटे पर किया गया, जिसका कुल वजन 41.85 क्विंटल आया। व्यापारी द्वारा इस माल की कुल राशि 1,02,853 रुपये का पूरा भुगतान किसान मोहित को कर दिया गया। भुगतान प्राप्त करने के बाद किसान को अपनी ट्रॉली व्यापारी के तौल स्थान पर खाली करनी थी। लेकिन भुगतान जेब में आते ही किसान नियत स्थान पर ट्रॉली खाली करने के बजाय, उसे चुपचाप मंडी प्रांगण से बाहर ले गया। कुछ देर बाद किसान प्रांगण में दूसरी ट्रॉली लेकर आया और उसे व्यापारी के तौल स्थान पर खाली कर दिया। जब व्यापारी ने बाद में अपनी कुल खरीदी का मिलान करने के लिए गाड़ी में माल भरवाया, तो घटना का पता चला। व्यापारी ने बताया कि उनके द्वारा कुल 244 क्विंटल गेहूं की खरीदी का तौल किया गया था। लेकिन जब माल को गाड़ी में लोड किया गया, तो कुल वजन केवल 225 क्विंटल ही निकला। सीधे तौर पर 19 से 20 क्विंटल माल कम पाया गया। जब मंडी परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगाला गया, तो साफ हुआ कि उक्त किसान मोहित ने भुगतान लेने के बाद असली माल वाली ट्रॉली गायब कर दी थी और जो दूसरी ट्रॉली खाली की थी, उसमें केवल 18 से 20 क्विंटल गेहूं ही भरा हुआ था। इस तरह किसान ने सोची-समझी साजिश के तहत व्यापारी को करीब 20-22 क्विंटल गेहूं का चूना लगा दिया।

इस धोखाधड़ी के विरोध में ग्रेन मर्चेंट एसोसिएशन बदनावर के अध्यक्ष संजय सोनी के नेतृत्व में व्यापारियों ने शुक्रवार को कृषि उपज मंडी समिति के सचिव को एक शिकायती पत्र सौंपा है। शिकायत पत्र के साथ व्यापारी द्वारा दिया गया लेटरहेड, तौल पर्ची, भुगतान पत्रक और सौदा पत्रक भी संलग्न किए गए हैं। एसोसिएशन ने मांग की है कि चूंकि मंडी प्रांगण के सभी सीसीटीवी कैमरों के रिकॉर्ड मंडी समिति के पास उपलब्ध हैं, अतः फुटेज के आधार पर मामले की त्वरित जांच की जाए और दोषी किसान के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई कर व्यापारी के नुकसान की पूरी भरपाई करवाई जाए।

मंडी के सुरक्षा तंत्र पर खड़े हुए गंभीर सवाल- जब कोई भी ट्रैक्टर-ट्रॉली मंडी प्रांगण में प्रवेश करती है, तो बकायदा उसकी एंट्री होती है। नीलामी और तौल के बाद जब तक व्यापारी का माल पूरी तरह खाली न हो जाए, तब तक कोई भी वाहन बिना गेट पास या बिना सत्यापन के मंडी परिसर से बाहर कैसे जा सकता है? यह मंडी के सुरक्षा गार्डों और प्रवेश/निकास द्वार पर तैनात कर्मचारियों की बड़ी लापरवाही है।

नाम न छापने की शर्त पर कुछ व्यापारियों का कहना है कि मंडी प्रशासन हर सौदे पर नियमानुसार मंडी शुल्क वसूल करता है। इसके बावजूद प्रांगण के भीतर इतनी बड़ी हेराफेरी हो जाती है और सुरक्षा अमले को भनक तक नहीं लगती। अगर गेट पर मुस्तैदी होती, तो भुगतान पाकर बाहर भाग रही ट्रॉली को वहीं रोका जा सकता था।

बदनावर मंडी में यह कोई पहला मामला नहीं है जब सुरक्षा में सेंध लगी हो। सीसीटीवी कैमरे तो लगे हैं, लेकिन उनका उपयोग केवल घटना होने के बाद सबूत देखने के लिए किया जाता है, जबकि लाइव मॉनिटरिंग के जरिए ऐसी संदिग्ध गतिविधियों को मौके पर ही रोका जा सकता है।

गोवंश हत्या व गौवंश तस्करी के विरोध में एवं गो माता को राष्ट्रीय पशु घोषित करने कों लेकर महामहिम राज्यपाल महोदय के नाम ज्ञापन दिया गया

उन्हेल/ निर्मल आर सोलंकी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विश्व हिन्दू परिषद गौरक्षा विभाग देशी गौवंश रक्षण संवर्धन न्यास मालवा प्रांत के तत्वावधान में प्रखंड उन्हेल द्वारा गौवंश रक्षा-राष्ट्र रक्षा, गोवंश हत्या व गौवंश तस्करी के विरोध में एवं गो माता को राष्ट्रीय पशु घोषित करने कों लेकर महामहिम राज्यपाल महोदय के नाम उन्हेल थाने पर ज्ञापन दिया गया जिसमें जगदीश धाकड़ विश्व हिन्दू परिषद प्रांत गो रक्षा प्रमुख ने इस विषय पर अपने विचार व्यक्त किये। इस अवसर पर विश्व हिन्दू परिषद जिला मंत्री जितेन्द्र पांचाल, जिला उपाध्यक्ष रामचन्द्र आंजना, बजरंग दल जिला संयोजक महेश आंजना, जिला धर्म प्रसार प्रमुख दिलीप राठौड़ जिला सुरक्षा प्रमुख अर्जुन पटेल उन्हेल प्रखंड से संयोजक संजय आंजना गौ रक्षा प्रमुख कालुसिंह गुर्जर उपाध्यक्ष रामेश्वर आंजना जीवन महाकाल दशरथ सेकवाड़िया अरविंद जैन प्रहलादसिंह दिनेश जाट हिन्दू जागरण मंच से कान्हा धाकड़ मुकेश पटेल जितेंद्र सोलंकी दिनेश सांकला ईश्वर लाल फोजी सहित कैलाश विपट दिलीप मोदी यश धाकड़ विशाल बैरागी राहुल काटा सहित अन्य गो भक्त उपस्थित रहे। संचालन विहिप प्रखंड मंत्री कमलदास बैरागी ने किया व ज्ञापन का वाचन प्रखंड सह संयोजक भरत प्रजापत ने किया तथा आभार प्रखंड अध्यक्ष ईश्वरसिंह आंजना ने माना।

ग्राम खेडा में पांच कुडीय श्रीराम मारुती महायज्ञ महोत्सव की हुई पुर्णाहुति

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। समीपस्थ ग्राम खेडा में गुरुवार को पांच दिवसीय श्रीराम मारुति महायज्ञ की पुर्णाहूती हुई। इस अवसर पर प्रात गंगा माता पूजन एवं आराध्य देव श्री चारभुजा नाथ की पूजा अर्चना की गई। आयोजन तालाब की पाल के समीप स्थित हनुमान मंदिर परिसर में किया गया। पांच दिवसीय महोत्सव आचार्य राघवेन्द्रकृश्ण गौर के सानिध्य में संपंन हुआ। आयोजन में बडी संख्या में मातृ शक्ति एवं श्रृद्वालूओं ने सहभागीता की गई। ग्राम खेडा में श्रीराम मारुती महायज्ञ एवं रात्री में श्री राम कथा का आयोजन किया गया। महायज्ञ की पुर्णाहुती के दौरान तालाब की पाल से मँदिर चौक तक गंगा माता की बेंड बाजे के साथ शोभायात्रा निकाली गई। पूर्णाहुती के पूर्व सैकडों श्रृद्वालूओ ने यज्ञ स्थल की परीक्रमा लगायी गई। परिक्रमा के प्रति बच्चों में विशेष उत्साह देखा गया। आचार्य राघवेन्द्रकृश्ण गौर के मंत्रोपचार के साथ यजमानों के करकमलों से महायज्ञ में पुर्णाहुती दी गई। पूर्णाहुती पश्चात महाआरती हुई। महायज्ञ में ग्रामीणो द्वारा तन मन धन प्रदाय कर सहयोग किया गया। पांच दिवसीय आयोजन के दौरान प्रतिदिन भंडारे का आयोजन रखा गया। जिसमें बदनावर सहीत आसपास के श्रृद्वालू बडी संख्या में शामिल हुए।

उन्हेल जब-जब धर्म की हानि होती है तभी भगवान भी विविध शरीर धारण करते हैं

उन्हेल/ निर्मल आर सोलंकी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। उन्हेल जब-जब धर्म की हानि होती है तभी भगवान भी विविध शरीर धारण करते हैं, कंस का पाप बड़ा और उसने अपने पिता को ही जेल में डाल दिया, यज्ञ मंदिर की आर्तियां बंद हो गई, तब पृथ्वी ने गाय का रूप लिया ब्राह्म जी ने प्रार्थना की,भगवान शिव ने प्रार्थना करी, भगवान नारायण ने कहा कि जब-जब धर्म की हानि होती है तब मैं विविध शरीर धारण करता हूं, आप सभी अपने-अपने अंश से शरीर धारण करें, ब्रज में, वसुदेव देवकी ने विवाह किया और वसुदेव देवकी को जेल में डाल दिया कंस ने 6 पुत्रों का नाश किया सातवां पुत्र देवकी के गर्भ से रोहिणी मां के गर्भ में स्थापित किया जिससे बलदेव जी महाराज प्राप्त हुए, आठवें गर्भ के रूप में साक्षात भगवान श्री हरि पधारे, और भगवान गोकुल आए भगवान नंद जी के घर आते हैं।

यशोदा के घर आते हैं, जो दूसरे को आनंद देगा सुख देगा प्रसन्नता देगा उसके घर भगवान आएंगे, अपने भगवान शिव गोकुल पधारे इसका ही बड़ा ही मार्मिक प्रसंग सुनाया कथा के माध्यम से पूतना वध की कथा सुनाई, शकटासुर और और तृणावर्त की कथा सुनाएं और भगवान के नामकरण संस्कार का बड़ा ही रोचक प्रसंग सुनाया भगवान कृष्ण के मुख में ब्रह्मांड का दर्शन यशोदा मां को हुआ भगवान की माखन चोरी लीला का भी अद्भुत वर्णन किया गया, भगवान माखन चोरी लीला करते हैं परंतु भगवान चोर नहीं है ,भगवान श्री कृष्ण का एक नाम है जगदीश और जगदीश का संधि विच्छेद करें तो जगत + ईश होता है ,अर्थात जगत के मालिक और भगवान जिस के घर माखन खाने जाते हैं जहां प्रेम होता है ,और जहां माखन नहीं होता है भगवान उसे घर को नष्ट कर देते हैं , परिवार में प्रेम होना चाहिए आज परिवार परिवार टूट रहे हैं पूज्य महाराज श्री ने परिवार की एकता के लिए लोगों से निवेदन किया, सुखिया मालिन पर भगवान कृपा करते हैं, भगवान वृंदावन जाते हैं वृंदावन भगवान श्री कृष्ण का घर ही है जहां भगवान सदेव निवास करते हैं भगवान ने बकासुर नाम के रक्षा का वध किया वत्सासुर नामक राक्षस का वध किया ,अघासुर का वध किया ,भगवान के को चरण लीला का भी अद्भुत वर्णन किया ,भगवानने कालिया नाग का दमन किया, गोपियों ने भगवान को पति रूप में प्राप्त करने के लिए कात्यायनी देवी का व्रत किया भगवान ने गोवर्धन लीला का दर्शन कराया गोवर्धन और कोई नहीं साक्षात् भगवान श्री कृष्णा है , उक्त विचार परम पूज्य पंडित श्री बालकृष्ण गणेश दत्त शास्त्री कानून वाले ने स्वर्णकार समाज के राधा कृष्ण मंदिर में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के दौरान कही भगवान को छप्पन भोग लगाया गया पंचम दिवस की कथा के लाभार्थी परिवार किरण सोनी लक्की सोनी रहे कथा के दौरान पत्रकार साथी पद्माकरपाध्ये निर्मल सोलंकी लोकेंद्र टेलर सतीश सोनी अतुल उपाध्याय पीयूष जायसवाल पवन बंबोरिया आदि लोगों ने भागवताचार्य जी का स्वागत सम्मान किया इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे।

ग्राम खेडा में पांच कुडीय श्रीराम मारुती महायज्ञ महोत्सव की हुई पुर्णाहुति

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। समीपस्थ ग्राम खेडा में गुरुवार को पांच दिवसीय श्रीराम मारुति महायज्ञ की पुर्णाहूती हुई। इस अवसर पर प्रात गंगा माता पूजन एवं आराध्य देव श्री चारभुजा नाथ की पूजा अर्चना की गई। आयोजन तालाब की पाल के समीप स्थित हनुमान मंदिर परिसर में किया गया। पांच दिवसीय महोत्सव आचार्य राघवेन्द्रकृश्ण गौर के सानिध्य में संपंन हुआ। आयोजन में बडी संख्या में मातृ शक्ति एवं श्रृद्वालूओं ने सहभागीता की गई। ग्राम खेडा में श्रीराम मारुती महायज्ञ एवं रात्री में श्री राम कथा का आयोजन किया गया। महायज्ञ की पुर्णाहुती के दौरान तालाब की पाल से मँदिर चौक तक गंगा माता की बेंड बाजे के साथ शोभायात्रा निकाली गई। पूर्णाहुती के पूर्व सैकडों श्रृद्वालूओ ने यज्ञ स्थल की परीक्रमा लगायी गई। परिक्रमा के प्रति बच्चों में विशेष उत्साह देखा गया। आचार्य राघवेन्द्रकृश्ण गौर के मंत्रोपचार के साथ यजमानों के करकमलों से महायज्ञ में पुर्णाहुती दी गई। पूर्णाहुती पश्चात महाआरती हुई। महायज्ञ में ग्रामीणो द्वारा तन मन धन प्रदाय कर सहयोग किया गया। पांच दिवसीय आयोजन के दौरान प्रतिदिन भंडारे का आयोजन रखा गया। जिसमें बदनावर सहीत आसपास के श्रृद्वालू बडी संख्या में शामिल हुए।

ग्राम पंचायत खेडा में कचरा वाहन मिलने पर पूजा अर्चना की गई

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्राम पंचायत खेडा सरपंच योगेश मुकाती के मार्गदर्शन में पंचायत क्षेत्र में चहुमंखी विकास हुआ है। सरपंच योगेश मुकाती ग्राम पंचायत खेडा को माडल पंचायत के रुप में विकसीत करने हेतु प्रयासरत है। हाल ही में गांव में कचरा वाहन की उपलब्धता करायी गई है। पंचायत में कचरा वाहन उपलब्ध होने से ग्रामीणों को कचरा फैंकने में काफी सुविधा मिलेगी। ग्राम पंचायत खेडा में कचरा वाहन की पूजा अर्चना सरपंच योगेश मुकाती की उपस्थिती में पंचों व ग्रामीणों द्वारा की गई। सरपंच योगेश मुकाती का कहना है कि प्रधानमंत्री मोदी के स्वच्छता के संदेश पर अमल करते हुए गांव को स्वच्छ रखने एवं ग्रामीणों के स्वास्थ्य के प्रति सजगता रखने के उदेश्य में कचरा वाहन की उपलब्धता की गई है। गांव की मातृशक्ति की भी कचरा वाहन को लेकर काफी मांग रही। गांव में कचरा संगृहीत कर व्यवस्थित स्थान तक पहुचाया जाएगा। कचरा वाहन प्रतिदिन डोर टू डोर पहुँचेगा। ग्रामीण माता बहनो से निवेदन है कि घरों से निकला कचरा सडक पर न फैंक कर केवल कचरा वाहन में डाले।

जिला पंचायत की सामान्य सभा की बैठक आयोजित

सीहोर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला पंचायत सभाकक्ष में जिला पंचायत की सामान्य सभा की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रचना सुरेंद्र मेवाड़ा एवं जिला पंचायत सीईओ श्रीमती सर्जना यादव द्वारा जनजातीय कार्य विभाग, जिला पंजीयक एवं सहकारी संस्थाएं, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, जल निगम तथा महिला एवं बाल विकास विभाग की योजनाओं एवं गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा की गई और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के ईंधन बचाने के आवाहन पर जिले के सभी जनपदों के जनप्रतिनिधि एवं संबंधित अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में शामिल हुए। इस प्रकार सभी जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने नागरिकों को ईंधन की बचत करने का संदेश दिया। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती सर्जना यादव ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी विभागीय योजनाओं की जानकारी और आंकड़े जनप्रतिनिधियों को उपलब्ध कराए जाएं।

जनसेवा और सहज व्यक्तित्व के धनी थे प्रेमसिंह दत्तीगांव, 24वीं पुण्यतिथि पर भाजपा कार्यालय में दी श्रद्धांजलि

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बदनावर विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक स्वर्गीय प्रेमसिंह दत्तीगांव की 24वीं पुण्यतिथि शुक्रवार को बड़ी चौपाटी स्थित भाजपा कार्यालय में श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर भाजपा पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं परिवारजनों ने उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा के नगर मंडल अध्यक्ष मनीष गुर्जर ने कहा कि स्वर्गीय प्रेमसिंह दत्तीगांव जनमानस से गहराई से जुड़े हुए नेता थे। उन्होंने हमेशा दलगत राजनीति से ऊपर उठकर सर्वसमाज की भावना के साथ कार्य किया। वे आमजन की समस्याओं को अपनी समस्या मानकर उनके समाधान के लिए तत्पर रहते थे।

नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि शेखर यादव ने कहा कि राजनीति में दबंग छवि के साथ सहज और सरल व्यक्तित्व वाले नेता विरले ही देखने को मिलते हैं और प्रेमसिंह दत्तीगांव ऐसे ही जनप्रिय नेताओं में शामिल थे।

भाजपा के पूर्व जिला उपाध्यक्ष अशोक सोनी ने कहा कि दत्तीगांव की कार्यशैली आम जनता को बेहद पसंद थी। वे जनहित के मुद्दों को लेकर हमेशा सजग रहते थे तथा हर व्यक्ति के सुख-दुख में सहभागी बनकर खड़े रहते थे। उनके जीवन से आज की युवा पीढ़ी को जनसेवा की प्रेरणा मिलती है।

कार्यक्रम में नगर परिषद उपाध्यक्ष राजेंद्रसिंह पँवार, भाजपा के जिला सह मीडिया प्रभारी मनोज सोलंकी कवि, अरुण माथुर, नगर मंडल महामंत्री संतोष राव एवं गौरव होती, जनपद सदस्य प्रतिनिधि सुनील चौहान, पिछड़ा वर्ग मोर्चा जिला महामंत्री कन्हैयालाल गुर्जर, किसान मोर्चा नगर मंडल अध्यक्ष जितेंद्र सिंह पंवार, संतोष चौहान, सुखराम देवदा, सुनील परमार, भूपेन्द्र सिंह मस्ताना, पवन चावला, बसंतीलाल पाटीदार, महेंद्रसिंह गोयल, कमलेश धाकड़, सतीष श्रीवास्तव, अमित गांधी, राहुल जैन, विजय गोयल, गौलू गोखरू, राकेश शर्मा, सतीश मूंदड़ा, सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं परिवार से जुड़े लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन नगर मंडल महामंत्री संतोष राव ने किया। आभार गौरव होती ने माना।

नगर परिषद दुकानों को तोड़ने वालों को सीएमओ का नोटिस, तीन दिन में मांगा जवाब

सुसनेर/ गिरिराज बंजारिया/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जामा मस्जिद रोड स्थित नगर परिषद सुसनेर के शॉपिंग कॉम्प्लेक्स की दुकानों को बिना अनुमति तोड़े जाने का मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है। मामले में समाचार प्रकाशित होने के बाद नगर परिषद प्रशासन सक्रिय हो गया है। नगर परिषद सीएमओ ओमप्रकाश नागर ने संबंधित लोगों को नोटिस जारी कर तीन दिवस के भीतर जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

जानकारी के अनुसार नगर परिषद द्वारा निर्मित शॉपिंग कॉम्प्लेक्स की चार दुकानें शासन स्तर से हाजी सलीम, इकराम, ओमप्रकाश एवं कमलेश के नाम आवंटित की गई थीं। इनमें से कुछ दुकानों का हाल ही में पुराने निर्माण को गिराकर पुनर्निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया था। आरोप है कि यह कार्य बिना नगर परिषद की अनुमति के किया गया, जिससे परिषद के नियमों और प्रक्रियाओं पर सवाल खड़े हो गए। मामले की जानकारी सामने आने के बाद नगर के पार्षदों एवं नागरिकों ने इस पर आपत्ति जताई थी। पार्षदों ने नगर परिषद में शिकायत दर्ज कर कार्रवाई की मांग की थी। उनका कहना था कि परिषद की संपत्ति पर किसी भी प्रकार का निर्माण कार्य बिना अनुमति नहीं किया जा सकता। यदि ऐसे मामलों पर कार्रवाई नहीं हुई तो भविष्य में अन्य लोग भी नियमों की अनदेखी कर सकते हैं। मामले को गंभीरता से लेते हुए नगर परिषद सीएमओ ओमप्रकाश नागर ने शबनम बी पति सलीम हेला, इकराम पिता अब्दुल हमीद एवं ओमप्रकाश पिता नागू को नोटिस जारी किए हैं। नोटिस में तीन दिन के भीतर जवाब प्रस्तुत करने एवं निर्माण कार्य से संबंधित जानकारी देने को कहा गया है। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया है कि संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। वहीं नगर परिषद सूत्रों के अनुसार एक दुकानदार कमलेश पिता मन्नालाल की मृत्यु हो चुकी है तथा उनके नाम पर कोई नॉमिनी दर्ज नहीं होने के कारण उन्हें नोटिस जारी नहीं किया गया है। इस तथ्य के सामने आने के बाद परिषद की रिकॉर्ड व्यवस्था को लेकर भी चर्चाएं शुरू हो गई हैं। घटना के बाद नगर में परिषद संपत्तियों के रखरखाव, आवंटन प्रक्रिया और नियमों के पालन को लेकर चर्चाओं का दौर तेज हो गया है। नागरिकों का कहना है कि परिषद को अपनी संपत्तियों की नियमित निगरानी करना चाहिए ताकि बिना अनुमति किसी प्रकार का निर्माण या बदलाव न हो सके।

बकरा ईद को लेकर गौ तस्करी पर सख्ती की मांग, विहिप-बजरंग दल ने सौंपा ज्ञापन

सुसनेर/ गिरिराज बंजारिया/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आगामी बकरा ईद पर्व को देखते हुए विश्व हिन्दू परिषद एवं बजरंग दल गौ रक्षा विभाग द्वारा प्रदेश की योजना अनुसार गौवंश तस्करी एवं अवैध वध को रोकने हेतु प्रशासन से कड़ी कार्रवाई की मांग की गई। इस संबंध में कार्यकर्ताओं ने राज्यपाल के नाम तहसीलदार रामेश्वर दांगी को ज्ञापन सौंपकर क्षेत्र में विशेष निगरानी रखने की मांग उठाई।

ज्ञापन में बताया गया कि बकरा ईद के दौरान कई स्थानों पर अवैध रूप से देशी गौवंश की तस्करी एवं वध की शिकायतें सामने आती हैं, जिससे आमजन की धार्मिक भावनाएं आहत होती हैं। संगठन के पदाधिकारियों ने प्रशासन से मांग की कि जिले एवं आसपास के क्षेत्रों में पुलिस और प्रशासनिक अमला सक्रिय रहकर संदिग्ध वाहनों की जांच करे तथा गौवंश तस्करी करने वालों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करे।

विहिप एवं बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने कहा कि यदि कोई व्यक्ति गौवंश का अवैध वध करते हुए पाया जाता है तो उसके विरुद्ध तत्काल सख्त कार्रवाई की जाए। साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों एवं प्रमुख मार्गों पर विशेष निगरानी दल तैनात किए जाने की मांग भी ज्ञापन में की गई। सभी ने प्रशासन से शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने तथा धार्मिक सौहार्द कायम रखने की अपील भी की। इस दौरान विश्व हिन्दू परिषद प्रखण्ड गौ रक्षा प्रमुख सुरेश मीणा, बजरंग दल गौ रक्षा प्रमुख राहुल गेहलोत, सह गौ रक्षा प्रमुख मयंक प्रजापति, प्रखण्ड सह मंत्री मोहन लौहार, मनीष राठौर, बजरंग दल जिला विधार्थी प्रमुख बलराम चंदेल, प्रखंड संयोजक अनुराग कानुडिया,सह संयोजक कमल सेन, शक्ति भाटी, विनोद रजक, देवेन्द्र कटारिया, आदि संगठन के पदाधिकारी एंव कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

श्री महावीर विद्यालय में जीव दया कॉर्नर के अंतर्गत पशु-पक्षियों, राहगीरों, अभिभावकों एवं खेलने आने वाले बच्चों हेतु पेयजल व्यवस्था का शुभारंभ

आलोट/ राकेश चौहान/ दैनिक मालवा हेराल्ड। श्री महावीर विद्यालय में जीव दया कॉर्नर के अंतर्गत पशु-पक्षियों, राहगीरों, अभिभावकों एवं खेलने आने वाले बच्चों हेतु पेयजल व्यवस्था का शुभारंभ मुख्य अतिथि समाजसेवी श्री बाबूलाल जी आंचलिया एवं श्री संजय जी सिंदुरिया, समिति कोषाध्यक्ष श्री धर्मचंद जी जैन एवं सचिव श्री श्रीमल जी भंडारी द्वारा किया गया।

इस अवसर पर अतिथियों ने विद्यालय के इस सेवा कार्य की सराहना करते हुए कहा कि यह पहल विद्यालय के संस्थापक स्वर्गीय श्री कुंदनमल जी जैन दा साहब के सेवा, संवेदना एवं जीव दया के भावों को आगे बढ़ाने वाला प्रेरणादायी कार्य है। श्री संजय जी सिंदुरिया ने इसे समाज एवं विद्यार्थियों के लिए एक अनुकरणीय पहल बताया।

इस कार्यक्रम के साथ विद्यालय में कक्षा 12वीं की बोर्ड परीक्षा में 75 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के अभिनंदन समारोह का भी आयोजन किया गया। अतिथियों ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ एवं बधाई प्रेषित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा विद्यालय की निरंतर प्रगति और सफलता हेतु मंगलकामनाएँ व्यक्त कीं।

विद्यालय के प्राचार्य मनोज शर्मा एवं समिति सदस्यों सिरेमल भंडारी एवं धर्मचंद जैन द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया। साथ ही विद्यार्थियों का हार पहनाकर एवं मिठाई खिलाकर अभिनंदन किया गया। विद्यार्थियों में वंशिका राठौर (गणित संकाय टॉपर) सहित पलक खत्री , यज्ञ दायमा, कनुप्रिया मोदी , मानवी सोलंकी , समायरा खान , अनुरागसिंह पंवार , माही राठौड़ , खुशी कुंवर राठौर , मितांश खेतरा दामिनी अहिरवार का सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन शिक्षिका श्रीमती नीतू रघुवंशी ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन , वीरेंद्र सिंह पंवार द्वारा व्यक्त किया गया।

शिक्षकों की ओर से श्री पुष्कर पाटीदार ने विद्यार्थियों को आगामी पाठ्यक्रम एवं करियर के संबंध में मार्गदर्शन प्रदान किया।

इस अवसर पर एमपी बोर्ड प्रभारी श्री राहुल जी सोनी, नितेश पोरवाल , नवीन खेतरा सत्यनारायण शर्मा , प्रेमनारायण गायरी , दशरथ शर्मा,अंकिता शर्मा , समीना हैदरी, हिमांशु मिश्रा सहित विद्यालय के अन्य शिक्षक-शिक्षिकाएँ उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने भी अपने विद्यालयीन अनुभव साझा करते हुए अपनी सफलता के पीछे शिक्षकों एवं विद्यालय के योगदान को महत्वपूर्ण बताया तथा सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर प्राचार्य श्री मनोज शर्मा द्वारा भारतीय संत महापरिषद दिल्ली में आयोजित सम्मेलन कॉन्फ्रेंस में मध्यप्रदेश की ओर से प्रतिनिधित्व कर विद्यालय का गौरव बढ़ाने के लिए विद्यालय समिति ने सम्मान किया।

कलेक्टर जनभागीदारी अभियान सबसे दूर सबसे पहले के तहत ग्राम समोई पहुंचे

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट जनभागीदारी अभियान सबसे दूर सबसे पहले के अंतर्गत राणापुर विकासखंड के ग्राम समोई में आयोजित संतृप्ति शिविर में सम्मिलित हुए। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई तथा ग्रामीणों की समस्याएं सुनकर उनके निराकरण हेतु आवश्यक निर्देश प्रदान किए गए।

शिविर के दौरान कलेक्टर ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने दो बालिकाओं की सिकल सेल स्क्रीनिंग कराई तथा उपस्थित बालिकाओं एवं ग्रामीणजनों को सिकल सेल एनीमिया के प्रति जागरूक किया। उन्होंने सभी लोगों से बिना किसी भय के स्वास्थ्य परीक्षण कराने की अपील की। निरीक्षण के दौरान जानकारी दी गई कि ग्राम पंचायत में अब तक 4500 आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं।

ग्रामीणजनों को संबोधित करते हुए कलेक्टर ने कहा कि बाबा देव के दर्शन के पश्चात वे इस पावन धरा पर पहुंचे हैं। यह शिविर आमजन की समस्याओं, आकांक्षाओं एवं अपेक्षाओं के समाधान के उद्देश्य से आयोजित किया गया है। उन्होंने कहा कि प्राप्त समस्याओं का समयबद्ध निराकरण किया जाएगा तथा शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए प्रशासन सतत प्रयासरत है।

उन्होंने कहा कि ग्रामीणों से संवाद में प्राप्त शिकायतों पर कहा कि धरती आबा योजना के अंतर्गत विद्युत संबंधी प्रस्ताव तैयार किए जाएंगे, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं का विस्तार हो सके। निर्माण कार्यों में गुणवत्ता एवं पारदर्शिता पर विशेष जोर देते हुए उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा तथा शासकीय राशि के दुरुपयोग को किसी भी स्थिति में सहन नहीं किया जाएगा।

कलेक्टर ने शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि समाज में वास्तविक परिवर्तन का आधार शिक्षा ही है। उन्होंने विशेष रूप से बालिका शिक्षा को प्रोत्साहित करने एवं बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीतियों को समाप्त करने के लिए जागरूकता बढ़ाने का आह्वान किया। साथ ही छात्र-छात्राओं को बेहतर वातावरण उपलब्ध कराने के लिए छात्रावासों एवं विद्यालयों में सभी आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने की बात कही।

उन्होंने आयुष्मान भारत योजना की जानकारी देते हुए कहा कि ग्राम में लगभग 80 प्रतिशत सैचुरेशन प्राप्त किया जा चुका है। आयुष्मान कार्ड के माध्यम से पात्र परिवारों को प्रतिवर्ष 5 लाख रुपये तक का निःशुल्क उपचार शासकीय एवं निजी अस्पतालों में उपलब्ध कराया जाता हैं। शिविर के दौरान कृषक भाई रामा द्वारा गुलाब के 1000 पौधे लगाए जाने के बावजूद किसी योजना का लाभ नहीं मिलने की जानकारी दिए जाने पर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को प्रकरण का परीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

ग्रामीणों से संवाद कर सुनी समस्याएं- कलेक्टर ने शिविर में उपस्थित ग्रामीणजनों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। ग्रामीणों द्वारा बताया गया कि ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी ग्राम में नियमित रूप से नहीं आते हैं, जिस पर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारी को ग्राम में नियमित रूप से उपस्थित रहने के निर्देश दिए।

खेड़ा फलिया में कुछ वर्ष पूर्व तालाब फूट जाने के बाद उत्पन्न पेयजल समस्या एवं पाल निर्माण की मांग पर कलेक्टर ने जल संसाधन विभाग को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। ग्रामीणों ने NRLM के माध्यम से CLF भवन का निर्माण नहीं होने एवं राशि आहरण किए जाने की शिकायत की। इस पर कलेक्टर ने अनियमितता की जांच कर 7 दिवस में रिपोर्ट प्रस्तुत करने तथा दोषियों से राशि वसूली किए जाने के निर्देश दिए। बरखेड़ा फलिया में आंगनवाड़ी भवन निर्माण अधूरा होने एवं राशि आहरण की शिकायत पर भी संबंधित अधिकारियों को जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। वहीं मचार फलिया में आंगनवाड़ी भवन स्वीकृत करने की मांग ग्रामीणों द्वारा की गई।

समोई स्कूल से माता समेद चौराहा मार्ग पर स्पीड ब्रेकर निर्माण की मांग रखी गई। ढाकनी तलाई एवं देवतड़ी फलिया में बिजली की समस्या से अवगत कराए जाने पर कलेक्टर ने एमपीईबी को संबंधित क्षेत्रों को कार्ययोजना में शामिल करने के निर्देश दिए। समोई खेड़ा फलिया में श्मशान घाट निर्माण की मांग पर प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए गए। वहीं झाझरवा कन्या शिक्षा परिसर में 490 छात्राओं के लिए पेयजल समस्या की जानकारी मिलने पर कलेक्टर ने कुआं अथवा ट्यूबवेल निर्माण कराने के निर्देश प्रदान किए।

खुले में फेंके कचरे ने बढ़ाई मवेशियों की मुसीबत, प्लास्टिक खाने से हो रहे बीमार

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्राम पंचायत मोरवन द्वारा घरों से कचरा संग्रहण तो किया जा रहा है, लेकिन उसका उचित निस्तारण नहीं होने से गंभीर समस्या खड़ी हो गई है। पंचायत द्वारा कचरे को खुले मैदान में डाला जा रहा है, जहां भोजन की तलाश में बड़ी संख्या में मवेशियों का जमावड़ा लगा रहता है। इस दौरान मवेशी प्लास्टिक की थैलियां और पॉलिथीन खा लेते हैं, जिससे वे गंभीर बीमारियों के शिकार हो रहे हैं और कई मामलों में उनकी मौत तक हो रही है।

खुले में पड़े कूड़ा-करकट और पॉलिथीन हवा के साथ आसपास के क्षेत्रों में फैल रहे हैं। विशेषज्ञों के अनुसार प्लास्टिक में मौजूद कई रसायनों की गंध भोजन जैसी होती है, जिसे पशु खाना समझकर निगल लेते हैं। लेकिन प्लास्टिक को पचा पाना जानवरों के लिए असंभव होता है। कई बार प्लास्टिक उनके गले में फंस जाता है, जिससे दम घुटने लगता है, वहीं पेट में जमा प्लास्टिक संक्रमण और अन्य गंभीर बीमारियों का कारण बनता है।

पशु चिकित्सक डॉ. शुभम ने बताया कि प्लास्टिक खाने के बाद वह धीरे-धीरे जानवरों के पेट में जमा होता रहता है। इससे अपच की समस्या पैदा होती है और जठर ग्रंथि प्रभावित होने लगती है। पाचन शक्ति कमजोर होने से मवेशी बीमार पड़ जाते हैं और कई बार उनकी मौत भी हो जाती है।

ग्रामीण मनोहर जाट और हेमंत जैन ने बताया कि पंचायत द्वारा खुले में छोड़ा गया कचरा हवा से चारों ओर फैल रहा है। गाय और अन्य मवेशी प्लास्टिक खा रहे हैं, जिससे वे बीमार पड़ रहे हैं। ग्रामीणों ने मांग की है कि कचरे का तुरंत निस्तारण किया जाए तथा कचरा संग्रहण स्थल के चारों ओर मजबूत बाउंड्री और गेट लगाया जाए, ताकि मवेशी अंदर प्रवेश न कर सकें और गंदगी बाहर न फैले।

इस मामले में सरपंच प्रतिनिधि लाल सिंह भील ने कहा कि कचरे को नष्ट करने की प्रक्रिया जल्द शुरू कर दी जाएगी। उन्होंने बताया कि पहले लोहे की एंगल और तार से बाउंड्री की गई थी, लेकिन अज्ञात चोर पाइप और तार चोरी कर ले गए। जल्द ही पुनः बाउंड्री करवाई जाएगी ताकि मवेशियों को अंदर जाने से रोका जा सके।

वहीं पंचायत सचिव रामप्रसाद परमार ने बताया कि एक-दो दिन में जेसीबी की मदद से कचरे का निस्तारण कराया जाएगा। साथ ही स्थायी समाधान के लिए पत्थर और सीमेंट की बाउंड्री वॉल और गेट लगाने का प्रस्ताव उच्च अधिकारियों को भेजा जाएगा, ताकि भविष्य में मवेशी कचरा स्थल तक न पहुंच सकें और कचरा इधर-उधर न फैले।

जिला स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा सिविल अस्पताल थांदला का निरीक्षण किया गया

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. देवेन्द्र भायल द्वारा सिविल अस्पताल थांदला का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सीबीएमओ थांदला डॉ. बी. एस. डावर उपस्थित रहे।

निरीक्षण के दौरान अस्पताल की विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं, व्यवस्थाओं एवं अभिलेखों का अवलोकन किया गया। अस्पताल में दिनांक को कुल 251 ओपीडी मरीजों का पंजीयन पाया गया। ओपीडी में मरीजों की संख्या बढ़ाने हेतु जनसामान्य को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने, समय पर चिकित्सकीय परामर्श एवं दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

आयुष्मान भारत योजना अंतर्गत अप्रैल माह में 115 प्रकरण पंजीकृत पाए गए। निरीक्षण के दौरान 2 में से 1 आयुष्मान मित्र अनुपस्थित पाया गया, जिस पर अनुशासनात्मक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए। साथ ही आयुष्मान कार्ड जनरेशन अपेक्षा से कम पाए जाने पर सभी ओपीडी मरीजों के आयुष्मान कार्ड बनाने हेतु विशेष अभियान चलाने के निर्देश प्रदान किए गए।

अप्रैल माह में संस्था में 170 प्रसव संपन्न होना तथा 41 महिलाओं को आईयूसीडी लगाए जाना पाया गया। सुरक्षित संस्थागत प्रसव एवं परिवार नियोजन सेवाओं को और अधिक बढ़ावा देने, गर्भवती महिलाओं की नियमित मॉनिटरिंग तथा प्रसवोत्तर परामर्श सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। एनबीएसयू में भर्ती 7 नवजात शिशुओं का उपचार किया जा रहा था।

कलेक्टर ने राणा सागर तालाब एवं मोदसागर रिजर्वायर का निरीक्षण कर दिए आवश्यक निर्देश

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट द्वारा जिले के राणा सागर तालाब एवं मोदसागर रिजर्वायर क्षेत्र का निरीक्षण कर विभिन्न विकास एवं निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान संबंधित विभागीय अधिकारियों एवं निर्माण एजेंसियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

राणा सागर तालाब के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने तालाब में फैली जलकुंभी को गंभीरता से लेते हुए उसे तत्काल हटाने एवं नियमित रूप से सफाई अभियान संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जलकुंभी के अत्यधिक फैलाव से जल की गुणवत्ता प्रभावित होती है तथा जल भंडारण क्षमता एवं पर्यावरणीय संतुलन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। कलेक्टर ने निर्देशित किया कि अभियान चलाकर तालाब की सतत सफाई सुनिश्चित की जाए।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने प्रस्तावित एसटीपी प्लांट के संबंध में अधिकारियों से विस्तृत जानकारी प्राप्त की। उन्होंने एसटीपी प्लांट निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश देते हुए इसकी कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी ली। अधिकारियों द्वारा बताया गया कि एसटीपी प्लांट के माध्यम से शहर से निकलने वाले गंदे पानी का शोधन किया जाएगा, जिससे जल स्त्रोतों में प्रदूषण कम होगा। कलेक्टर ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण एवं जल स्त्रोतों की स्वच्छता बनाए रखने के लिए एसटीपी प्लांट का निर्माण महत्वपूर्ण है, इसलिए कार्य में अनावश्यक विलंब न किया जाए।

इसके अतिरिक्त कलेक्टर ने निर्माणाधीन गार्डन स्थल का निरीक्षण करते हुए पौधरोपण हेतु गड्ढे तैयार कराने, समयबद्ध प्लांटेशन कराने तथा क्षेत्र को व्यवस्थित रूप से विकसित करने के निर्देश दिए। उन्होंने गार्डन में बच्चों हेतु प्ले ग्राउंड एवं आकर्षक फाउंटेन स्थापित करने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर ने स्पष्ट रूप से कहा कि वर्षा ऋतु प्रारंभ होने के पूर्व समस्त निर्माण एवं विकास कार्य पूर्ण कर लिए जाएं, ताकि मानसून के दौरान पौधरोपण कार्य सुचारू रूप से किया जा सके। इसके पश्चात कलेक्टर द्वारा मोदसागर रिजर्वायर में अमृत 2.0 योजना अंतर्गत संचालित जल प्रदाय योजना के तहत निर्माणाधीन इंटेक वेल कार्य का विस्तृत निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण कार्य की गुणवत्ता, प्रगति एवं तकनीकी व्यवस्थाओं की जानकारी प्राप्त की तथा निर्माण एजेंसी को कार्य में गति लाने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने अधिकारियों से इंटेक वेल की कार्यप्रणाली के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। अधिकारियों द्वारा बताया गया कि मोदसागर रिजर्वायर से इंटेक वेल के माध्यम से पानी संग्रहित कर पाइपलाइन द्वारा टांडी स्थित जल शोधन संयंत्र तक पहुंचाया जाएगा, जहां पानी का शोधन किए जाने के पश्चात राणापुर क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति की जाएगी। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि संपूर्ण कार्य गुणवत्ता के साथ निर्धारित समयावधि में पूर्ण किया जाए, जिससे क्षेत्रवासियों को स्वच्छ एवं नियमित पेयजल उपलब्ध कराया जा सके।

इस दौरान नगर परिषद अध्यक्ष राणापुर सुश्री दीपमाला दिलीपसिंह नलवाया, सहायक कलेक्टर सुश्री आयुषी बंसल, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व झाबुआ श्री महेश मंडलोई, सीईओ जनपद पंचायत राणापुर श्री बलवंतसिंह मवासे, सीएमओ श्री मिलन पटेल, तहसीलदार श्री हुकुमसिंह निंगवाल एवं अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत तालाब गाद निकासी कार्यों का किया निरीक्षण

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट ने राणापुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत समोई में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत संचालित तालाब से गाद निकासी कार्यों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्य की प्रगति एवं गुणवत्ता का अवलोकन करते हुए संबंधित अधिकारियों को कार्य समयसीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने मौके पर उपस्थित कृषकों एवं ग्रामीणों से चर्चा करते हुए कहा कि तालाबों से निकाली जाने वाली गाद अत्यंत उपजाऊ होती है, जिसका उपयोग खेतों में करने से मिट्टी की उर्वरक क्षमता में वृद्धि होती है तथा फसलों की उत्पादकता बेहतर होती है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि कृषकों को तालाब की उपजाऊ मिट्टी के उपयोग के संबंध में जागरूक किया जाए, ताकि अधिक से अधिक किसान इसका लाभ प्राप्त कर सकें। उन्होंने कहा कि जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए संचालित यह अभियान जल संरचनाओं की क्षमता बढ़ाने के साथ-साथ कृषि उत्पादन में भी सहायक सिद्ध होगा। इस दौरान सहायक कलेक्टर सुश्री आयुषी बंसल, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व झाबुआ श्री महेश मंडलोई, सीईओ जनपद पंचायत राणापुर श्री बलवंतसिंह मवासे, तहसीलदार श्री हुकुमसिंह निंगवाल एवं संबंधित विभागीय अधिकारी एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

कलेक्टर की अध्यक्षता में म.प्र. डे-राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन की समीक्षा बैठक आयोजित

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट की अध्यक्षता में गुरुवार को कलेक्टर सभा कक्ष में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग अंतर्गत म.प्र. डे-राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभागीय योजनाओं की प्रगति, आजीविका गतिविधियों तथा मैदानी अमले के कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई।

कलेक्टर ने जिला एवं विकासखण्ड स्तर के मिशन कर्मियों को विभिन्न योजनाओं में आगामी एक माह में अपेक्षित प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर द्वारा जिला एवं विकासखण्ड स्तर पर कार्यरत स्टॉफ की जानकारी लेते हुए मिशन के उद्देश्य, संरचना, सामुदायिक संस्थागत विकास, वित्तीय समावेशन, मूल्यांकन एवं अनुश्रवण, रोजगार एवं कौशल उन्नयन, कृषि, सूक्ष्म उद्यमिता विकास, जेंडर एवं पोषण संबंधी विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

सामुदायिक संस्थागत विकास योजना अंतर्गत निष्क्रिय सदस्यों को पुनः समूहों से जोड़ने तथा निष्क्रिय समूहों को सक्रिय करने के निर्देश दिए गए। वित्तीय समावेशन के अंतर्गत सामुदायिक संस्थाओं को जारी राशि की जानकारी लेते हुए बैंक लिंकेज में अधिकतम राशि प्राप्त करने वाले समूहों का विवरण संकलित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही वित्तीय वर्ष 2025-26 एवं 2026-27 की बैंक लिंकेज तथा मुद्रा लोन प्रगति की समीक्षा की गई।

कलेक्टर ने कृषि, पशुपालन एवं सूक्ष्म उद्यमिता गतिविधियों से जुड़े परिवारों, लखपति दीदी, एफपीओ एवं प्रोड्यूसर ग्रुप की विस्तृत समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि आगामी बैठकों में आजीविका गतिविधियों से जुड़े टॉप एवं बॉटम क्लस्टर्स की संकुल स्तरीय संगठनवार समीक्षा की जाएगी।

लखपति दीदी योजना की विकासखण्डवार समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने समूह की महिलाओं का श्रमयोगी मानधन योजना में पंजीयन कराने, प्रत्येक सदस्य का आयुष्मान कार्ड बनवाने तथा जीवनधारा अभियान अंतर्गत रक्तदान पंजीयन कर व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए। साथ ही लखपति दीदी योजना के क्वार्टर-04 में एंट्री संबंधी समस्या के निराकरण हेतु राज्य कार्यालय को पत्र भेजने के निर्देश दिए गए।

रोजगार एवं कौशल उन्नयन के अंतर्गत स्वरोजगार प्रशिक्षण के माध्यम से महिला मेसन तैयार करने तथा जिले में डीडीयूजीकेवाई संस्था प्रारंभ करने हेतु राज्य कार्यालय को प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए गए। बैठक में बैंक सखी, एफएल-सीआरपी, कृषि सखी, पशु सखी, समता समन्वयक एवं समता सखी सहित विभिन्न सामुदायिक स्त्रोत व्यक्तियों के कार्य एवं दायित्वों की जानकारी लेते हुए नवीन 100 सिकल सखी तैयार करने के निर्देश दिए गए।

मूल्यांकन एवं अनुश्रवण अंतर्गत समूह एवं ग्राम संगठन के प्रोफाइल अपडेशन कार्य को आगामी माह में शत-प्रतिशत पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। चक्रिय निधि (आर.एफ.) हेतु शेष समूहों की कटऑफ एंट्री पूर्ण कर ग्राम निधि पोर्टल पर प्रविष्टि कर राशि मांग प्रस्तुत करने को कहा गया।बैठक में जिले में संचालित लोक अधिकार केन्द्रों की जानकारी भी प्रस्तुत की गई। कलेक्टर ने कहा कि विकासखण्ड भ्रमण के दौरान इन केन्द्रों का निरीक्षण किया जाएगा। विकासखण्ड थांदला के एसवीईपी कार्यों की समीक्षा करते हुए जिले में संचालित दीदी कैफे एवं आजीविका एक्सप्रेस की जानकारी ली गई तथा जिला स्तर पर मार्ट स्थापित करने के लिए सक्रिय समूहों की पहचान करने के निर्देश दिए गए।

कलेक्टर ने आयुष्मान आरोग्य केंद्र समोई एवं टांडी का किया निरीक्षण

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट ने राणापुर विकासखंड अंतर्गत आयुष्मान आरोग्य केंद्र समोई एवं टांडी का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्वास्थ्य सुविधाओं, दवा उपलब्धता, गर्भवती महिलाओं की देखभाल एवं ग्रामीणों को दी जा रही चिकित्सा सेवाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की। आयुष्मान आरोग्य केंद्र समोई में कलेक्टर ने भवन की स्थिति का निरीक्षण करते हुए बारिश के दौरान पानी गिरने की समस्या के संबंध में जानकारी ली तथा आवश्यक सुधार के निर्देश दिए। केंद्र डिलीवरी प्वाइंट होने पर उन्होंने गर्भवती महिलाओं से चर्चा कर उनकी सोनोग्राफी एवं ब्लड जांच रिपोर्ट का निरीक्षण किया। इस दौरान आयरन सुक्रोज उपचार हेतु आई महिला से भी चर्चा कर स्वास्थ्य लाभ की जानकारी प्राप्त की। केंद्र पर ओपीडी की स्थिति की समीक्षा करते हुए बताया गया कि वर्तमान दिवस में 12 तथा पूर्व दिवस में 31 मरीजों का उपचार किया गया। कलेक्टर ने सर्पदंश की घटनाओं के उपचार एवं जागरूकता के संबंध में भी स्वास्थ्य कर्मचारियों से चर्चा की।

इसके पश्चात कलेक्टर ने आयुष्मान आरोग्य केंद्र टांडी का निरीक्षण किया। यहां उन्होंने महिलाओं से संवाद कर स्वास्थ्य सेवाओं एवं उपचार व्यवस्था के संबंध में जानकारी प्राप्त की। केंद्र पर दवाइयों की सुव्यवस्थित उपलब्धता पर संतोष व्यक्त करते हुए मरीजों से उपचार संबंधी फीडबैक लिया। गर्भवती महिला से चर्चा कर नियमित जांच एवं देखभाल के संबंध में जानकारी प्राप्त की गई। निरीक्षण के दौरान आशा सहयोगिनी से भी चर्चा कर क्षेत्र में संचालित स्वास्थ्य गतिविधियों एवं जनजागरूकता कार्यों की जानकारी ली।

जनजातीय क्षेत्र के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल, ग्राम रोशनी में हाईटेक एक्वा पार्क से जनजातीय महिलाओं को मिलेगी आत्मनिर्भरता

खण्डवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह के विशेष प्रयासों से खंडवा जिले के खालवा विकासखंड के ग्राम रोशनी में मध्यप्रदेश का पहला इंटीग्रेटेड फिश फार्मिंग एक्वा पार्क तैयार किया गया है। लगभग 50 एकड़ क्षेत्र में विकसित इस आधुनिक परियोजना ने जनजाति समाज, विशेषकर महिलाओं के लिए रोजगार और आत्मनिर्भरता के नए द्वार खोल दिए हैं।

इस महत्वाकांक्षी परियोजना से स्वयं सहायता समूहों की 160 महिलाएं सीधे जुड़कर आजीविका प्राप्त करेंगी। एक्वा पार्क में आधुनिक तकनीक से मछली उत्पादन, प्रशिक्षण और विपणन की सुविधाएं विकसित की गई हैं। इससे ग्रामीण और आदिवासी परिवारों की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। यह परियोजना केवल मछली उत्पादन तक सीमित नहीं है, बल्कि जनजातीय समाज के आर्थिक सशक्तिकरण का नया मॉडल बनकर उभर रही है।

मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह लंबे समय से जनजाति समाज के विकास और उत्थान के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। आदिवासी बच्चों को बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराने, गांव-गांव तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने, किसानों के खेतों तक मां नर्मदा का पानी पहुंचाकर बहुफसली खेती को बढ़ावा देने तथा जनजाति युवाओं को विदेशों में अध्ययन के अवसर दिलाने जैसी कई महत्वपूर्ण पहल उनके नेतृत्व में लगातार आगे बढ़ रही हैं।

50 एकड़ में विकसित इंटीग्रेटेड फिश फार्मिंग एक्वा पार्क बदलेगा जनजातीय क्षेत्र की अर्थव्यवस्था- मंत्री डॉ. शाह ने बताया है कि नीति आयोग एवं शासन की 10 अलग-अलग योजनाओं के समन्वय से विकसित इस हाईटेक परियोजना को जनजाति क्षेत्र की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में बड़ी पहल माना जा रहा है। करीब 50 एकड़ क्षेत्र में विकसित इस एक्वा पार्क का संचालन 16 आदिवासी महिला स्व-सहायता समूहों की 160 सदस्याओं द्वारा किया जाएगा। यहां बंगाल से लाई गई तलापिया नस्ल की मछलियों का पालन किया जाएगा, जो 6 से 8 माह के भीतर एक से सवा किलो तक वजन प्राप्त कर लेंगी। एक्वा पार्क में आधुनिक तकनीक के तहत मछली पालन की संपूर्ण व्यवस्था विकसित की गई है। मछलियों के पालन के लिए शेड के नीचे 14 बायोफ्लॉक टैंक बनाए गए हैं, जहां प्रारंभिक चरण में मछली बीज छोड़े गए।

जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत जल चौपाल आयोजित

गंगा दशहरा पर निकाली जाएंगी कलश यात्राएं एवं होगा सामूहिक श्रमदान

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद विकासखंड झाबुआ द्वारा ग्राम नवागांव के मवड़ी फलिये में जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत जल चौपाल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के सदस्यों एवं ग्रामीणजन ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

चौपाल को संबोधित करते हुए जन अभियान परिषद संभाग इंदौर के संभाग समन्वयक श्री अमित शाह ने बताया कि मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में 19 मार्च से 30 जून 2026 तक प्रदेशभर में जल गंगा संवर्धन अभियान संचालित किया जा रहा है। उन्होंने ग्रामीणों को जल संरक्षण एवं संवर्धन के महत्व से अवगत कराते हुए कहा कि कुएं, बावड़ी, तालाब, हैंडपंप सहित विभिन्न जल स्त्रोतों के आसपास साफ-सफाई, गहरीकरण एवं संरक्षण कार्य किए जाना आवश्यक है, जिससे वर्षा जल का अधिकाधिक संचयन हो सके। उन्होंने उपस्थित ग्रामीणों को शिक्षा, संस्कार, स्वास्थ्य, सिकल सेल एनीमिया एवं शासन की विभिन्न जनहितैषी योजनाओं की भी विस्तृत जानकारी प्रदान की।

इस अवसर पर जिला समन्वयक श्री प्रेमसिंह चौहान ने जन अभियान परिषद की प्रस्फुटन योजना के संबंध में जानकारी देते हुए समिति सदस्यों से गांव में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि स्वैच्छिकता, सामूहिकता एवं स्वावलंबन की भावना के साथ शासन की योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार कर पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित किया जाए।

उन्होंने आगामी गंगा दशहरा पर्व के अवसर पर प्रस्फुटन समितियों द्वारा गंगा पूजन, कलश यात्रा एवं सामूहिक स्वच्छता श्रमदान गतिविधियों के आयोजन की जानकारी भी दी। कार्यक्रम में समिति अध्यक्ष जरू डामोर, सचिव राजू निनामा, मोहन डामोर सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण पुरुष, महिलाएं एवं बच्चों ने सहभागिता कर जल चौपाल को सफल बनाया।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

सड़क चौड़ीकरण में दोनों ओर जल्द बनें नालियां, प्रमुख मार्गों के गड्ढे तुरंत भरे जाएं

चौड़ीकरण प्रभावित क्षेत्रों का जायजा लेने पहुंचे अधिकारियों ने दिए निर्देश

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शुक्रवार सुबह संभागायुक्त और कलेक्टर नगर निगम आयुक्त के साथ शहर में चल रहे सड़क चौड़ीकरण कार्यों का जायजा लेने पहुंचे। इस दौरान अधिकारियों ने साफ कहा कि निर्माण कार्य के दौरान आम जनता को परेशानी नहीं आनी चाहिए। इसके लिए सड़कों के गड्ढे भरे जाएं और नालियां तेजी से बनाई जाए।

निरीक्षण के दौरान संभाग आयुक्त आशीष सिंह, कलेक्टर रोशन कुमार सिंह और नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा ने निजातपुरा से कंठाल चौराहा, ढाबा रोड, कमरी मार्ग, खजूर वाली मस्जिद से केडी गेट चौराहा और जूना सोमवार क्षेत्र तक चल रहे सड़क चौड़ीकरण कार्यों की स्थिति देखी। कई स्थानों पर पानी निकासी की समस्या और खुदाई के कारण बने गड्ढों को लेकर संभागायुक्त ने नाराजगी जताई।

संभागायुक्त ने निर्देश दिए कि सड़क चौड़ीकरण वाले पूरे क्षेत्र में दोनों ओर नाली निर्माण का काम प्राथमिकता से पूरा किया जाए, ताकि बारिश के दौरान जलभराव की स्थिति न बने। उन्होंने कहा कि अधूरे ड्रेनेज कार्य से आम लोगों को परेशानी होगी, इसलिए नाली निर्माण में किसी प्रकार की देरी स्वीकार नहीं की जाएगी। निरीक्षण के दौरान प्रमुख मार्गों पर बने गड्ढों को लेकर भी अधिकारियों ने सख्त रुख अपनाया। संभागायुक्त ने संबंधित एजेंसियों को निर्देश दिए कि मुख्य सड़कों और आवागमन वाले हिस्सों में तत्काल गड्ढे भरकर मार्ग सुगम बनाया जाए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों के बीच आम जनता को असुविधा नहीं होना चाहिए और सुरक्षा मानकों का पूरी तरह पालन किया जाए।

ड्रग तस्करों पर कसेगा पुलिस का शिकंजा

उज्जैन रेंज के अफसरों की लगी क्लास-एनडीपीएस एक्ट, साइबर फ्रॉड और ड्रग नेटवर्क तोड़ने के तरीके बताए

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। नशे के खिलाफ चलाए जा रहे ड्रग फ्री इंडिया-से नो टू ड्रग्स अभियान के तहत गुरुवार को पुलिस कंट्रोल रूम में रेंज स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान उप पुलिस महानिरीक्षक नवनीत भसीन की मौजूदगी में उज्जैन, देवास, शाजापुर और आगर मालवा जिले के उपनिरीक्षक व सहायक उपनिरीक्षक स्तर के अधिकारियों को एनडीपीएस एक्ट से जुड़े मामलों में कार्रवाई और जांच की बारीकियां सिखाई गईं।

प्रशिक्षण में अधिकारियों को बताया गया कि नशे के कारोबार से जुड़े मामलों में गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान कैसे किया जाए, ताकि आरोपी कानून की पकड़ से बच न सकें। साथ ही पीआईटी एनडीपीएस एक्ट और एसएएफईएमए के तहत कार्रवाई, ड्रग डिस्पोजल की प्रक्रिया, जमानत निरस्तीकरण और संगठित गिरोहों पर शिकंजा कसने के तरीकों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में सहायक जिला अभियोजन अधिकारी नितेश कृष्णन ने तलाशी प्रक्रिया, अनुसंधान में होने वाली त्रुटियों और 'चेन ऑफ कस्टडी' को मजबूत रखने के संबंध में जानकारी दी। वहीं साइबर सेल प्रभारी प्रतीक यादव ने एनसीआरपी और सीईआईआर पोर्टल के उपयोग के साथ साइबर फ्रॉड रोकने के उपायों पर प्रशिक्षण दिया।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि 1 अप्रैल से उज्जैन रेंज में नशे के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसका उद्देश्य ड्रग तस्करी पर प्रभावी कार्रवाई कर युवाओं को नशे से दूर रखना है।

ट्राले से टकराई कश्मीर से लौट रहे परिवार की कार

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शुक्रवार सुबह गरोठ मार्ग पर कार और ट्राले के बीच भिड़ंत गई। दुर्घटना में कार सवार महिला की मौत हुई है पति घायल हुआ है। मासूम की जान बच गई। परिवार कश्मीर से लौट रहा था। मक्सी रोड स्थित ताजपुर का रहने वाला खान परिवार कुछ दिन पहले घूमने के लिए कश्मीर गया था जहां से अपनी कार में सवार होकर परिवार का जुबेर खान पत्नी रुबबया और मासूम बेटे उबैद के साथ वापस लौट रहा था सुबह झारडा थाना क्षेत्र के गरोठ मार्ग पर उनकी कार ट्राले से टकरा गई। दुर्घटना में कार क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार पति-पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गए दुर्घटना के बाद लोग मौके पर पहुंचे जिन्होंने घटनाक्रम देखा तो कार में मासूम बच्चा भी था जिसे चोट नहीं लगी थी तत्काल उसे बाहर निकाला गया और एंबुलेंस को सूचना देखकर घायल पति-पत्नी को उज्जैन अस्पताल भेजा गया। चरक अस्पताल लाने पर डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद रुबबया को मृत घोषित कर दिया। पति को उपचार के लिए भर्ती किया गया है। दुर्घटना की जानकारी लगते ही परिवार चरक अस्पताल पहुंच गया था। अस्पताल की ओर से कोतवाली पुलिस चौकी को सूचना दी गई जहां मर्ग कायम कर मृतक महिला का पोस्टमार्टम कराया।

सांदीपनी आश्रम में महिलाओं ने चुराई सोने की चेन

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। 84 महादेव मंदिरों में शामिल एक महादेव का मंदिर सांदीपनी आश्रम में बना हुआ है। जहां दर्शन के दौरान महिला श्रद्धालु के गले से सोने की चेन चोरी हो गई। आश्रम में लगे कैमरे देखने पर वारदात करते 3 महिला दिखाई दी। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर तीनों की तलाश शुरू की है। कानीपुरा मार्ग नागेश्वरधाम कालोनी में रहने वाली श्यामली पति जितेन्द्र अग्रवाल बुधवार को 84 महादेव मंदिर के दर्शन पर निकली थी। इस दौरान वह सांदीपनी आश्रम में महादेव मंदिर पहुंची।

जहां दर्शन के बाद बाहर आई तो उनके गले से सवा तोला वजनी पुश्तैनी चेन गायब थी। श्रद्धालु महिला ने अपने देवर मनीष अग्रवाल को चेन गायब होने की जानकरी दी। मनीष के आने पर आश्रम पहुंचा और वहां लगे सीसीटीवी कैमरों को चैक कराये। जिसमें तीन महिलाये वारदात को अंजाम देती दिखाई दी। चेन चोरी होने की शिकायत जीवाजीगंज थाना पुलिस को दर्ज कराई गई। थाना प्रभारी प्रतिक शर्मा ने बताया कि फुटेज के आधार पर तीनों महिलाओं की तलाश शुरू की गई है। बताया जा रहा है कि सीसीटीवी कैमरे में वारदात करने वाली तीनों महिला श्रद्धालुओं की भीड़ में श्यामली अग्रवाल के पीछे तक महादेव मंदिर पहुंची थी। एक महिला ने पिंक साड़ी और दूसरी ने पीली साड़ी पहनी थी। तीसरी महिला सूट पहने थी और चश्मा लगा रखा था। उसने नीला स्क्रॉल डाल रखा था। जिसे श्यामली अग्रवाल की गर्दन पर अपना दुपट्टा रखा और बड़ी सफाई के साथ चेन तोड़कर चोरी कर ली। पुलिस फुटेज समाने आने के बाद तीनों महिलाओं के भागने वाले रास्ते को ट्रेस कर रही है।

नौतपा की दस्तक: 25 मई से बढ़ेगी तपिश, बारिश के संकेत भी देगा आसमान

रोहिणी नक्षत्र में सूर्य के प्रवेश के साथ शुरू होंगे नौ दिन, ज्योतिषाचार्यों ने जताए आंधी, बूंदाबांदी और तेज बारिश के योग

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। गर्मी के तेवर अब और तीखे होने वाले हैं। ज्योतिष गणनाओं के अनुसार 25 मई से नौतपा शुरू हो रहा है, जिसके साथ ही भीषण गर्मी और लू का असर बढ़ने की संभावना जताई जा रही है। मान्यता है कि सूर्य जब रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करते हैं, तब पृथ्वी पर उनकी किरणों का प्रभाव सबसे अधिक महसूस होता है। यही वजह है कि नौतपा के नौ दिन वर्ष के सबसे गर्म दिनों में गिने जाते हैं।

ज्योतिषाचार्य पंडित अमर डिब्बेवाला के मुताबिक इस बार सूर्य 25 मई को रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करेंगे और 8 जून तक इसका प्रभाव बना रहेगा। हालांकि रोहिणी में सूर्य का भ्रमण नौ दिनों से अधिक रहता है, लेकिन शुरुआती नौ दिन विशेष महत्व रखते हैं। इन्हीं दिनों के मौसम को देखकर आने वाले चार महीनों की वर्षा और मानसून की स्थिति का अनुमान लगाया जाता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार नौतपा केवल गर्मी का संकेत नहीं है, बल्कि यह प्रकृति में बदलाव का भी समय माना जाता है। इस दौरान कहीं तेज आंधी, कहीं हल्की बूंदाबांदी तो कहीं तेज बारिश जैसी स्थितियां बन सकती हैं। मौसम में अचानक बदलाव और उमस बढ़ने के भी संकेत बताए जा रहे हैं। मान्यता है कि नौतपा के दौरान सूर्य की तेज तपिश से समुद्र में वाष्पीकरण की प्रक्रिया तेज होती है, जिससे बादलों का निर्माण सक्रिय होता है। यही प्रक्रिया आगे चलकर मानसून को मजबूत बनाने में सहायक मानी जाती है। ज्योतिषाचार्यों का कहना है कि इस बार कुछ क्षेत्रों में अच्छी बारिश के योग बन रहे हैं, जबकि कहीं खंडवृष्टि और अतिवृष्टि की संभावना भी दिखाई दे रही है। नौतपा को लेकर लोगों में हमेशा विशेष उत्सुकता रहती है, क्योंकि इसे खेती-किसानी और मानसून से जोड़कर भी देखा जाता है। आने वाले दिनों में तेज गर्मी के साथ मौसम के अलग-अलग रंग देखने को मिल सकते हैं।

भीड़ प्रबंधन के लिए हरसिद्धि-बड़ा गणेश मार्ग पर लगेंगे बैरिकेट्स

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। महाकालेश्वर मंदिर में लगातार बढ़ रही श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए प्रशासन ने भीड़ प्रबंधन की तैयारियां तेज कर दी हैं। शुक्रवार को कलेक्टर ने बड़ा गणेश-हरसिद्धि मार्ग पर व्यवस्थित बेरिकेट लगाने के निर्देश दिए।

महाकाल मंदिर में बढ़ रही भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने विक्रम टीला से प्रवेश करने वाले श्रद्धालुओं की कतार व्यवस्था को सुचारु बनाने के लिए मार्ग पर बैरिकेट्स लगाने के निर्देश दिए हैं, ताकि भीड़ नियंत्रित रहे और दर्शन व्यवस्था प्रभावित न हो। वहीं श्रद्धालुओं को गर्मी और धूप से राहत देने के लिए छायादार व्यवस्था, मेटिंग और पेयजल की पर्याप्त व्यवस्था करने के लिए भी कहा। इसके साथ ही जूता स्टैंड, क्लॉक रूम, लड्डू प्रसाद काउंटर और शीघ्र दर्शन काउंटर जैसी सुविधाओं को व्यवस्थित करने पर जोर दिया।इसके अलावा दर्शन मार्ग पर सतत निगरानी रखी जाएगी, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी ना हो। उल्लेखनीय है कि गर्मी के दिनों में बड़ी संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक महाकाल मंदिर तथा महलोक में पहुंच रहे हैं। आज सुबह भी मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ नजर आ रही थी।

चरक भवन में आधी रात पहुंचे कलेक्टर, गार्ड सोते मिले, डॉक्टर्स भी गायब थे

ड्यूटी पर लापरवाही देख भड़के कलेक्टर, बोले- मरीजों की जान से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं, कार्रवाई के निर्देश

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। चरक अस्पताल में गुरुवार देर रात उस समय हड़कंप मच गया, जब कलेक्टर अचानक निरीक्षण के लिए पहुंच गए। अस्पताल की व्यवस्थाएं देखकर कलेक्टर का गुस्सा फूट पड़ा। इमरजेंसी वार्ड के बाहर सुरक्षा में तैनात सिक्योरिटी गार्ड और पुलिसकर्मी ड्यूटी के दौरान सोते मिले तो कलेक्टर ने मौके पर ही फटकार लगाई। वहीं रात में पर्याप्त डॉक्टर नहीं मिलने और मरीजों की परेशानी देखकर उन्होंने अफसरों को जमकर खरी-खोटी सुनाई।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर रोशन कुमार सिंह ने साफ कहा कि अस्पताल में मरीजों की सुरक्षा और इलाज में लापरवाही किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने निर्देश दिए कि इमरजेंसी वार्ड के बाहर पुलिस गार्ड हर हाल में तैनात रहे और ड्यूटी के दौरान लापरवाही करने वालों पर कार्रवाई की जाए। कलेक्टर ने अस्पताल में डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ का ड्यूटी रोस्टर भी जांचा। रात की शिफ्ट में पर्याप्त डॉक्टर नहीं होने पर नाराजगी जताते हुए सीएमएचओ और सिविल सर्जन को निर्देश दिए कि तत्काल रोटेशन सिस्टम बनाकर रात में भी पर्याप्त डॉक्टरों की ड्यूटी लगाई जाए, ताकि मरीजों को इलाज के लिए भटकना न पड़े। निरीक्षण में अस्पताल की सफाई व्यवस्था भी सवालों के घेरे में मिली। फर्श सुधार के निर्देशों का पालन नहीं होने पर कलेक्टर ने सीएमएचओ डॉ. अशोक पटेल और सिविल सर्जन को फटकार लगाई। वहीं एनआरएलएम की सिविल इंजीनियर का एक माह का वेतन काटने के निर्देश दिए। अस्पताल प्रबंधक और सहायक अस्पताल प्रबंधक को भी नोटिस जारी करने के आदेश दिए गए। गर्मी में मरीजों की परेशानी देखते हुए कलेक्टर ने आगामी कार्य दिवस तक पर्याप्त कूलर लगाने के निर्देश दिए। साथ ही एसी मेंटेनेंस एजेंसी की लापरवाही पर उसका एक माह का भुगतान काटने को कहा। निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत सीईओ श्रेयांश कूमट भी मौजूद रहे।

मुंबई की युवती को बड़नगर बुलाकर दुष्कर्म करने वाला पकड़ाया

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। इंस्टाग्राम पर दोस्ती के बाद शादी का झांसा देकर मुंबई की युवती को बड़नगर बुलाकर दुष्कर्म करने वाले युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेजा गया है।

बड़नगर थाना पुलिस ने बताया कि 2 दिन पहले रात 2 बजे के लगभग मुम्बई के दादार स्थित हॉस्टल में रहने वाली युवती ने थाने आकर मौखिक शिकायत दर्ज कराई कि उसको शादी का झांसा देकर विकास उर्फ अंकित पिता जगदीश शर्मा ने बुलाया था। वह बड़नगर आई तो उसके साथ एक मकान में गलत काम किया गया। मामला गंभीर होने पर युवती की शिकायत पर प्रकरण दर्ज किया गया और विकास शर्मा की तलाश शुरू की गई। इस दौरान सामने आया कि विकास शर्मा मूलरूप से उज्जैन स्थित ग्यास का बाड़ा क्षेत्र का रहने वाला है और बड़नगर में बैंड बजाने का काम करता है। थाना प्रभारी अशोक पाटीदार ने ने उसकी गिरफ्तारी के लिये टीम बनाई। टीम ने उज्जैन और बड़नगर में तलाश करते हुए 24 घंटे में विकास शर्मा को हिरासत में ले लिया। जिसे गुरूवार दोपहर कोर्ट में पेश किया गया।

जहां से जेल भेजा गया है। युवती ने पुलिस को बताया था कि 15 दिन पहले इंस्टाग्राम पर विकास से दोस्ती हुई थी। कुछ दिन बातचीत हुई। विकास ने कहा कि शादी करना चाहता है। वह मिलने के लिये मुम्बई से इंदौर आई। जहां से विकास ने बड़नगर बुला लिया था।

एसी बसों की खुली पोल: कहीं इमरजेंसी गेट पर स्लीपर सीट, कहीं टूटा आपातकालीन दरवाजा

उज्जैन यातायात पुलिस की दो दिन में 50 बसों पर कार्रवाई

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शाजापुर में एसी स्लीपर बस में लगी आग और एक मासूम की दर्दनाक मौत के बाद अब उज्जैन में भी प्रशासन और पुलिस पूरी तरह अलर्ट मोड पर आ गए हैं। शहर से संचालित होने वाली एसी और स्लीपर बसों की सुरक्षा व्यवस्था की सघन जांच शुरू कर दी गई है। जांच के दौरान कई चौंकाने वाली लापरवाहियां सामने आई हैं, जिनमें यात्रियों की जान सीधे खतरे में डालने वाली गंभीर अनियमितताएं शामिल हैं।

यातायात पुलिस द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान में अब तक करीब 50 बसों पर कार्रवाई की जा चुकी है। सबसे गंभीर मामला उस बस का मिला जिसमें इमरजेंसी गेट की जगह अवैध रूप से स्लीपर सीट फिट कर दी गई थी। यानी हादसे की स्थिति में यात्रियों के बाहर निकलने का रास्ता ही बंद कर दिया गया था। वहीं एक दूसरी बस में आपातकालीन दरवाजा पूरी तरह टूटा हुआ मिला।पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि कई बसों में फायर एक्सटिंग्विशर नहीं थे, जबकि कुछ बसों में फर्स्ट एड बॉक्स तक उपलब्ध नहीं मिला। दो बसें बिना वैध परमिट के सड़कों पर दौड़ती पाई गईं। सुरक्षा मानकों की इस अनदेखी ने बस संचालकों की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। यातायात पुलिस ने गुरुवार को 34 और शुक्रवार को करीब 25 बसों को रोककर उनकी जांच की। अभियान का नेतृत्व उप पुलिस अधीक्षक यातायात विक्रम सिंह कनपुरिया और यातायात अधिकारी दिलीप सिंह परिहार कर रहे हैं। अधिकारियों ने साफ कहा है कि यात्रियों की सुरक्षा के साथ किसी भी प्रकार का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यातायात अधिकारी दिलीप सिंह परिहार के अनुसार यह विशेष जांच अभियान 21 मई से शुरू हुआ है, जो 27 मई तक लगातार जारी रहेगा। अभियान के दौरान इमरजेंसी एग्जिट, फायर सेफ्टी सिस्टम, मेडिकल सुविधा, परमिट और अन्य सुरक्षा मानकों की बारीकी से जांच की जा रही है। नियमों का उल्लंघन करने वाले बस संचालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। शहर में चल रही इस कार्रवाई के बाद बस ऑपरेटरों में हड़कंप की स्थिति है। वहीं यात्रियों ने भी पुलिस की इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि लंबे समय से बसों की सुरक्षा जांच केवल कागजों तक सीमित थी, लेकिन अब सख्ती जरूरी हो गई है।

बोलेरो में मिले 19.49 लाख, आयकर विभाग कर रहा जांच

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। बोलेरो में बड़ी मात्रा में नगद राशि का परिवहन होने की खबर पर पुलिस ने बोलेरो को रोका तो उसमें से 19.49 लाख रुपए बरामद हो गए। पुलिस ने मामले की सूचना आयकर विभाग को दी है। आयकर विभाग मामले में जांच कर रहा है।

महिदपुर रोड थाना पुलिस ने बताया कि दो मीडिया कर्मियों से सूचना प्राप्त हुई कि नागदा रोड स्थित शनि मंदिर के पास एक बोलेरो वाहन में बड़ी मात्रा में संदिग्ध नगदी राशि परिवहन की जा रही है। सूचना पर पुलिस द्वारा कार्यवाही करते हुए आयकर विभाग को तत्काल अवगत कराया गया तथा पुलिस मौके के लिए रवाना की गई। नागदा रोड स्थित शनि मंदिर के पास पहुंचकर वाहन क्रमांक एमपी -13-झेड़के-2554 महिन्द्रा बोलेरो के चालक से पूछताछ की गई। जिसका नाम हरीश निवासी नागदा तथा साथ बैठे व्यक्ति ने अपना नाम सुनील उर्फ प्रदीप पोरवाल निवासी नागदा बताया। सुनील उर्फ प्रदीप पोरवाल के कब्जे में एक काले रंग का बैग मिला, जिसमे सुनील द्वारा नगदी राशि होना बताया गया । पुलिस द्वारा बोलेरो महिंद्रा गाड़ी और बैग की वीडियोग्राफी कराई गई। बैग में रखे 500, 200, 100 रुपया के कुल 4428 नोटों को गिना गया जो कुल 19,49,500 निकली। पूछताछ के दौरान वाहन चालक द्वारा उक्त राशि के संबंध में कोई जानकारी नहीं होना बताया गया। वहीं बैग धारक सुनील उर्फ प्रदीप पोरवाल द्वारा उक्त राशि महिदपुर निवासी अल्पेश जैन से लेकर नागदा स्थित गोल्डन केमिकल ले जाना बताया गया, किन्तु नगदी राशि के संबंध में कोई वैध दस्तावेज मौके पर प्रस्तुत नहीं किए। सूचना पर एसडीओपी जेडेन लिंगजरपा भी मौके पर पहुंचे एवं संपूर्ण घटनाक्रम की बारीकी से जांच एवं पूछताछ की गई।

सुनील ने उक्त राशि गोल्डन केमिकल के मालिक त्रिवेदी और अल्पेश जैन के बीच हुए ज़मीन के सौदे की राशि त्रिवेदी से नागदा से लेकर अल्पेश जैन को देने महिदपुर जाना बताया और दोनों के बीच सौदे को लेकर विवाद होने के कारण महिदपुर से वापस राशि नागदा त्रिवेदी के पास ले जा रहे थे। संदिग्ध परिस्थितियों में नगदी राशि चोरी की संपत्ति अथवा किसी अपराध से संबंधित होने की आशंका के आधार पर विधिवत जप्ती की कार्यवाही की गई। नगदी को सीलबंद कर थाना मालखाना में सुरक्षित जमा कराया गया तथा वाहन को सीसीटीवी निगरानी में सुरक्षित रखा गया। आयकर विभाग द्वारा मामले की जांच की जा रही है।

आधी रात हेल्थ विभाग का छापा, दो फर्जी क्लीनिक सील

बिना डॉक्टर चल रहा था इलाज, युवक चढ़ा रहे थे ड्रिप

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में अवैध क्लीनिकों के खिलाफ गुरुवार देर रात स्वास्थ्य विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए इंदिरा नगर और भैरवगढ़ क्षेत्र में संचालित दो क्लीनिक सील कर दिए। जांच के दौरान ऐसे चौंकाने वाले हालात सामने आए, जिसने मरीजों की जान से खिलवाड़ की पोल खोल दी। कहीं बिना डॉक्टर के मरीजों को ड्रिप चढ़ाई जा रही थी तो कहीं अमान्य डिग्री के दम पर हर बीमारी के शत-प्रतिशत इलाज के दावे किए जा रहे थे।

स्वास्थ्य विभाग की टीम जब भैरवगढ़ रोड स्थित श्रीसिद्धि हेल्थ केयर सेंटर पहुंची तो क्लीनिक के अंदर का नजारा देखकर अधिकारी भी दंग रह गए। यहां 8 से 10 बिस्तरों पर बच्चे और महिलाएं भर्ती मिले। कई मरीजों को ड्रिप चढ़ाई जा रही थी, लेकिन मौके पर न तो डॉक्टर मौजूद था और न ही प्रशिक्षित नर्सिंग स्टाफ। जांच में सामने आया कि अप्रशिक्षित युवक मरीजों को ड्रिप लगा रहे थे। टीम के अनुसार क्लीनिक संचालक डॉ. राम राठौर का पंजीयन 31 मार्च 2026 को ही समाप्त हो चुका था, इसके बावजूद क्लीनिक धड़ल्ले से चल रहा था। कार्रवाई के दौरान भारी मात्रा में एलोपैथी दवाइयां भी जब्त की गईं। अधिकारियों ने तुरंत क्लीनिक सील कर दिया। इसके बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम आगर रोड स्थित इंदिरा नगर के जाली वाला कुआ क्षेत्र में संचालित निरामय क्लीनिक पहुंची। यहां संचालक डॉ. पलाश जैन के पास इलेक्ट्रो होम्योपैथिक सिस्टम की डिग्री मिली, जिसे चिकित्सा उपचार के लिए मान्यता प्राप्त नहीं माना जाता।

क्लीनिक के बाहर लगे बोर्ड पर घुटनों का दर्द, साइटिका, कमर दर्द, नसों में खिंचाव, झुनझुनी, पाइल्स और फिशर जैसी बीमारियों के शत-प्रतिशत इलाज के बड़े-बड़े दावे लिखे थे। जांच टीम ने इसे मरीजों को गुमराह करने वाला प्रचार मानते हुए क्लीनिक को भी सील कर दिया।

स्वास्थ्य विभाग ने संकेत दिए हैं कि शहर में बिना अनुमति और नियमों के खिलाफ चल रहे क्लीनिकों पर आने वाले दिनों में और भी सख्त कार्रवाई की जाएगी।

कालिदास संस्कृत अकादमी में ग्रीष्मकालीन शिविर

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कालिदास संस्कृत अकादमी में गतवर्ष की भांति इस वर्ष भी कला शिविर बहुत उत्साह के साथ और उतनी ही गम्भीरता के साथ संचालित हो रहा है।

इस शिविर में पिता, पुत्री तथा नाती तीनों प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। एक ओर पिता जहां सुगम संगीत का प्रशिक्षण ले रहे हैं वहीं पुत्री एवं नातिन लोकनृत्य तथा कथक का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। इस कलाशिविर में शास्त्रीय कलाओं के साथ साथ लोक कलाओं का भी प्रशिक्षण दिया जा रहा है। शिविर प्रतिदिन प्रातः 8 से 10 बजे तक संचालित होता है, जिसमें लिखावट सुधारने के लिये कैलीग्राफी का प्रशिक्षण, शास्त्रीय नृत्य की दृष्टि से कथक का प्रशिक्षण, लोकनृत्य में मालवी लोकनृत्य तथा लोकगायन में संत रविदास के भजन, मीराबाई के भजन तथा सुगम संगीत में राष्ट्र अराधना के गीत सिखाएं जा रहे हैं। नाट्य प्रशिक्षण के अंतर्गत संत रविदास पर केन्द्रित एक नाटक का अभ्यास प्रशिक्षणार्थी कर रहे हैं। यह दृष्य है कालिदास संस्कृत अकादमी में संचालित होने वाले ग्रीष्मकालीन शिविर का यहां लोकनृत्य में 18, कैलीग्राफी में 41, शास्त्रीय नृत्य कथक में 40, सुगम संगीत में 16, लोकसंगीत में 29 तथा नाटक में 20 प्रशिक्षणार्थी प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं।

लोकनृत्य प्रशिक्षक श्रीमती हीरामणि वर्मा प्रसिद्ध लोक कलाकार श्रीमती कृष्णा वर्मा के मार्गदर्शन में सीखा रही हैं। आपने कहा कि हम लोकनृत्य के माध्यम से मालवा की संस्कृति भाषा तथा लोकनृत्य प्रशिक्षणार्थियों को सीखा रहे हैं। बारिश की ऋतु में जब मेघ आते हैं तब गांव की महिलाएं पनघट पर एकत्र होती हैं और उस समय के भाव को दर्शाने वाला पनिहारी नृत्य ठेट मालवा में प्रचलित मालवी मटकी ढोल की थाप पर सिखाया जा रहा है।

आकाशवाणी से लोकगायन में %ए% ग्रेड कलाकार श्री रामचन्द गांगोलिया ने बताया कि उनके मार्गदर्शन में लगभग 30 प्रशिक्षणार्थी लोकगायन सीख रहे हैं। हमने गुरुग्रन्थ साहेब में संत रविदास के जो पद्य हैं उनको गायन के लिए चुना है। इसमें %प्रभुजी शरण तिहारी%, %ऐरी मैं तो प्रेम दिवानी% जो मीरा बाई का प्रसिद्ध पद्य है वो सिखाया जा रहा है, %साची प्रित तुम हम संग लागी% भी इसमें सम्मिलित है। संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से पुरस्कृत प्रसिद्ध नृत्यगुरु श्रीमती राजश्री शिर्के मुम्बई से यहां आकर प्रशिक्षण दे रही हैं। आपने बताया कि वे छात्रों को ऋतुसंहार पर आधारित ग्रीष्मऋतु एवं वर्षाऋतु पर नृत्य सीखा रही हैं जिसमें मेघ की गर्जना, नदियों का कल-कल, मोर का नृत्य आदि देखने को मिलेगा।

लोकगायन सीख रही श्रीमती जूही शर्मा जो पेशे से शिक्षिका है। उन्होंने बताया कि मैं तो अपनी बच्ची को शिविर में सम्मिलित करवाने आई थी किन्तु यहां आने के बाद मुझे ऐसा लगा कि मैं भी सीख सकती हूं तो मैंने भी लोकनृत्य में प्रवेश ले लिया। आपने बताया कि अकादमी में जो एक सकारात्मक ऊर्जा एवं वातावरण का प्रभाव महसूस हुआ तो सीखने की इच्छा जागृत हो गई। श्रीमती नेहा भावसार जो गृहणी है, उन्होंने कहा कि जब पहले कथक सिखती थी तो बीच में नृत्य छूट गया। इस प्रशिक्षण शिविर से पुनः सीखने का अवसर मिल रहा है, यह सोचकर मैंने नृत्य की कक्षा में प्रवेश लिया। श्रीमती नूतन सोलंकी जो पेशे से निजी विद्यालय में शिक्षिका हैं। उन्होंने कहा कि अपनी बेटियों के साथ नृत्य सीख रही हैं। श्रीमती मेघा तिवारी ने कहा कि वे तो अपनी बच्ची को प्रवेश दिलाने के लिए यहां आई तो नृत्य की थाप की आवाज सुनकर बरबस ही मैं नृत्य की ओर आकृष्ट हो गई। अब मैं भी नृत्य सीख रही हूं। कैलीग्राफी का प्रशिक्षण प्रदान कर रही श्रीमती हिमांशी चौबे ने कहा कि कैलीग्राफी के माध्यम से लिखावट को सुन्दर बनाया जाता है। प्राचीन समय में इसे सुलेख भी कहा जाता था। हस्ताक्षर किसी भी व्यक्ति की पहचान होती है और इससे व्यक्तित्व में निखार आता है। यह पढ़ाई नहीं अपितु कला का प्रशिक्षण है। प्रशिक्षण प्राप्त कर रही बालिका ने बताया कि हमने कैलीग्राफी में विभिन प्रकार के फॉट बनाना सीखे तथा किस प्रकार से शब्दों को टेक्चर तथा शेडिंग कर अधिक प्रभारी बनाया जा सकता है जो हम बेसिक नॉर्मल राईटिंग सीखते है उससे कहीं ज्यादा अलग है। सुश्री उपेक्षा गर्ग ने कहा कि साधारण लिखना तो हर किसी को आता है पर लिखावट को अधिक आकर्षक कैसे बनाए इस पर बहुत ही सुक्ष्मता से श्रीमती हिमांशी चौबे द्वारा प्रशिक्षण दिया।